SCERT

स्वाध्यायान्मा प्रमदः

दिल्ली सरकार

कक्षा

12

New Era of Entrepreneurial Ecosystem & Vision

उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग

(NEEEV)

विद्यार्थी निर्देशिका 2026-27

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली

उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग

(NEEEV)

सोच से सृजन तक – उद्यमिता की उड़ान

विद्यार्थी निर्देशिका 2026-27

कक्षा 12

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, दिल्ली

उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV) विद्यार्थी निर्देशिका कक्षा 12

February, 2026

Copies : 122770

Published by:

State Council of Educational Research and Training (SCERT)

ISBN No.: 978-93-6291-184-1

© 2026 SCERT. All rights reserved.

First Edition: 2026

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means electronic, mechanical, photocopying, recording, or otherwise without prior written permission from the publisher.

This publication has been designed as part of SCERT's mission to provide high-quality, innovative educational resources that empower teachers and students across the state. It aims to foster 21st-century skills, including creativity, critical thinking, problem-solving, and real-world application of knowledge.

The content is intended solely for academic purposes and is not for commercial sale or distribution.

चंदू प्रेस, दिल्ली द्वारा मुद्रित

सत्यमेव जयते

रेखा गुप्ता

मुख्यमंत्री, दिल्ली

संदेश

हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भारत के युवाओं को न केवल आकांक्षी पेशेवरों के रूप में नहीं बल्कि उद्यम सृजन करने वाले नवप्रवर्तकों के रूप में देखा है। स्टार्टअप इंडिया तथा अटल नवाचार मिशन (AIM) जैसी पहल ने उनकी इस दूरदर्शी सोच को साकार रूप दिया है और देश में नवाचार एवं उद्यमिता की संस्कृति को सुदृढ़ किया है। ये परिवर्तनकारी कदम प्रत्येक युवा मस्तिष्क की सृजनात्मक क्षमता को उजागर करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 इस दूरदृष्टि को आगे बढ़ाते हुए कौशल-आधारित तथा अनुभवात्मक अधिगम पर विशेष बल देती है, जो विद्यार्थियों को गतिशील विश्व में सफलता हेतु सक्षम बनाता है। इसी क्रम में 'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' योजना इन परिवर्तनकारी प्रयासों को समर्थन प्रदान करती है। इसका उद्देश्य हमारे कक्षाओं के भीतर ही उद्यमी चिंतन के बीज बोना है।

यह निर्देशिका हमारे उस सतत प्रयास की आधारशिला है, जिसके माध्यम से हम शिक्षण स्थलों को नवाचार के केंद्रों में परिवर्तित करना चाहते हैं। ऐसे केंद्र जहाँ विद्यार्थियों को विचार उत्पन्न करने, अन्वेषण करने तथा पहल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

इस निर्देशिका का प्रकाशन भविष्य के लिए तत्पर, आत्मनिर्भर, सृजनशील एवं समाज तथा अर्थव्यवस्था में सार्थक योगदान देने में सक्षम पीढ़ी के निर्माण के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

मैं इस निर्देशिका के विकास में योगदान देने वाले सभी शिक्षकों, पाठ्यक्रम विशेषज्ञों एवं सहयोगियों के प्रति अपनी हार्दिक सराहना व्यक्त करती हूँ। यह निर्देशिका एक प्रेरणा-दीप के रूप में कार्य करे और हमारे राज्य सहित देशभर के विद्यालयों को उद्यमिता की भावना को अपनाने तथा प्रत्येक शिक्षार्थी में सृजन, नवाचार और नेतृत्व का साहस जागृत करने हेतु प्रेरित करे।

RekhaGupta

(रेखा गुप्ता)

National Capital Territory of Delhi, Delhi Secretariat, I.P. Estate, New Delhi-110002
Phone No. 011-23392006, 011-23392020, 011-23392030 || Email- cmdelhi@nic.in

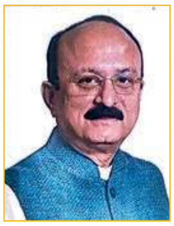

सत्यमेव जयते

आशीष सूद

गृह, ऊर्जा, शहरी विकास, शिक्षा, उच्च शिक्षा, प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार

संदेश

प्रिय विद्यार्थियों एवं शिक्षकों,

हमारा देश एक नए दौर के प्रवेश द्वार पर खड़ा है, जहाँ नवाचार, आत्मनिर्भरता और उद्यमिता हमारे भविष्य की दिशा निर्धारित करेंगे। इसी दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए 'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' पाठ्यक्रम को विकसित किया गया है।

NEEEV केवल एक पाठ्यक्रम नहीं है, यह सोचने और कार्य करने की एक नई पद्धति है। यह हमें सिखाता है कि प्रत्येक विचार, चाहे वह कितना भी छोटा क्यों न हो यदि उसे परिश्रम और समर्पण के साथ आगे बढ़ाया जाए तो वह समाज में व्यापक परिवर्तन ला सकता है।

इस योजना के माध्यम से विद्यार्थी समस्याओं को अवसरों में बदलना, विचारों को साकार रूप देने वाले समूह बनाना सीखेंगे तथा यह समझेंगे कि असफलता भी विकास की एक आवश्यक प्रक्रिया है। यह उन्हें आत्मविश्वासी, सृजनशील और उत्तरदायी नागरिक बनने के लिए प्रेरित करेगा।

हमारे शिक्षक इस यात्रा के वास्तविक मार्गदर्शक हैं। वे केवल ज्ञान प्रदान नहीं करते अपितु विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और संकल्प भी जागृत करते हैं। मुझे विश्वास है कि NEEEV दिल्ली के प्रत्येक विद्यालय में नवाचार और उद्यमिता की नई ऊर्जा का संचार करेगा।

आइए, हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक बच्चा केवल रोजगार खोजने वाला नहीं बल्कि अवसरों का सृजनकर्ता बने, जो अपने सपनों के साथ-साथ राष्ट्र को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाए।

(आशीष सूद)

A-Wing, 7th Level, Delhi Secretariat, I.P. Estate, New Delhi-110002
Tel. No.:23392116, 23392117 Email : min-hep@delhi.gov.in

पांडुरंग के. पोले, भा.प्र.से
सचिव (शिक्षा)

PANDURANG K. POLE, IAS
SECRETARY (Education)

सत्यमेव जयते

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार
पुराना सचिवालय, दिल्ली–110054
दूरभाष: 011–23890187, 23890119
Government of National Capital Territory of Delhi
Old Secretariat, Delhi-110054
Phone: 23890187, 23890119
E-mail : sccyedu@nic.in

संदेश

आज के तीव्र परिवर्तनशील विश्व में शिक्षा केवल ज्ञान के संप्रेषण तक सीमित नहीं रह सकती। शिक्षा को अब केवल ज्ञान प्रदान करने से आगे बढ़कर बच्चों को नेतृत्व करने, वास्तविक समस्याओं का समाधान करने और निरंतर विकसित होती दुनिया के अनुरूप स्वयं को ढालने में सक्षम बनाना होगा। वैश्विक अर्थव्यवस्था और आजीविका परिदृश्य में व्यापक परिवर्तन के इस दौर में हमारे विद्यालयों में उद्यमी मानसिकता का विकास पहले से अधिक आवश्यक हो गया है।

'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' योजना इसी दिशा में एक साहसिक एवं दूरदर्शी पहल है। इसका उद्देश्य विद्यालय स्तर से ही विद्यार्थियों में आलोचनात्मक चिंतन, सृजनात्मकता, नेतृत्व क्षमता तथा लचीलापन विकसित करना है। हमारे विद्यालय ही राज्य की भावी कार्य शक्ति और नवाचार क्षमता की आधारशिला हैं।

यह निर्देशिका ऐसे शैक्षिक परिवेश के निर्माण के लिए तैयार की गई है, जहाँ विद्यार्थी स्वतंत्र रूप से सोच सकें, नैतिक रूप से कार्य कर सकें तथा स्थानीय और वैश्विक चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकें। यह हमारे शिक्षकों को उचित दृष्टिकोण और मार्गदर्शन के साथ इन उद्देश्यों की प्राप्ति में सहयोग प्रदान करेगी। आने वाले वर्षों में हम ऐसे अधिक से अधिक विद्यालयों की कल्पना करते हैं जो विद्यार्थियों को विचार-सृजन, सहयोगात्मक समस्या-समाधान और सामुदायिक परियोजनाओं में सक्रिय रूप से संलग्न करें, जिनका विस्तार पाठ्यपुस्तकों की सीमाओं से कहीं आगे तक हों।

यह निर्देशिका शिक्षकों को NEEEV की परिकल्पना को व्यवहारिक रणनीतियों, कक्षा-गतिविधियों और चिंतनशील अभ्यासों के माध्यम से लागू करने में सहायक होगी। यह हमारे उस विश्वास को प्रतिबिंबित करती है कि प्रत्येक विद्यार्थी में ऐसे विचार विकसित करने की क्षमता है, जो उनके आस-पास की दुनिया को सकारात्मक रूप से परिवर्तित कर सकते हैं।

आइए, हम सब मिलकर NEEEV को परिवर्तन का उत्प्रेरक बनाएँ, जहाँ प्रत्येक विद्यालय नवाचार का केंद्र बने, प्रत्येक शिक्षक भावी नेतृत्व का मार्गदर्शक बने और प्रत्येक विद्यार्थी राज्य तथा राष्ट्र की प्रगति में सक्रिय योगदानकर्ता बने।

(पांडुरंग के. पोले)

वेदिता रेड्डी, भा.प्र.से.
निदेशक, शिक्षा एवं खेल

सत्यमेव जयते

Directorate of Education
Govt. of NCT of Delhi
Room No. 12, Old Secretariat
Near Vidhan Sabha,
Delhi-110054
Ph.: 011-23890172
E-mail : diredu@nic.in

संदेश

हम आज ऐसे समय में जी रहे हैं, जब विश्व पहले से कहीं अधिक तीव्र गति से बदल रहा है। इस परिवर्तित परिदृश्य में सृजनात्मकता, अनुकूलनशीलता और समस्या-समाधान की क्षमता उतनी ही महत्त्वपूर्ण है, जितनी शैक्षणिक उपलब्धियाँ। एक शिक्षक के रूप में हमारा दायित्व केवल विद्यार्थियों को परीक्षाओं के लिए तैयार करना नहीं बल्कि उन्हें जीवन की व्यापक चुनौतियों के लिए सक्षम बनाना है।

'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' योजना हमारे युवाओं को आत्मनिर्भर, नवाचारी और सामाजिक रूप से जागरूक नागरिकों के रूप में विकसित करने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो आत्मविश्वास और संवेदनशीलता के साथ भविष्य का निर्माण कर सकें।

NEEEV का उद्देश्य एक सशक्त, व्यावहारिक और दूरदर्शी दृष्टिकोण के माध्यम से विद्यालयों को उद्यमी अधिगम के जीवंत केंद्रों में परिवर्तित करना है। इस निर्देशिका के माध्यम से हमारा प्रयास है कि उद्यमिता केवल औपचारिक कक्षाओं तक सीमित न रहे। प्रत्येक कक्षा एक ऐसा मंच बने, जहाँ हर विद्यार्थी, चाहे उनका सामाजिक या आर्थिक परिवेश कोई भी हो वह विचारों की खोज कर सके, पहल कर सके और नेतृत्व गुणों का विकास कर सके। यह केवल भविष्य के व्यवसायियों को तैयार करने तक सीमित नहीं है बल्कि एक ऐसी मानसिकता विकसित करने पर बल देती है, जो चुनौतियों को अवसर के रूप में स्वीकार करें, उत्तरदायित्व निभाए और समुदाय के व्यापक हित में योगदान दे। यह निर्देशिका एक ऐसे शैक्षिक वातावरण की परिकल्पना करती है, जहाँ शिक्षक मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हुए विद्यार्थियों को स्वतंत्र चिंतन, सहयोगात्मक कार्य तथा विचारों को क्रियान्वयन में बदलने के लिए प्रेरित करें।

आइए, हम सब मिलकर एक ऐसे युग की शुरुआत करें, जहाँ हमारे विद्यार्थी कर्मशील, स्वप्नदृष्टा और परिवर्तन के अग्रदूत बनें।

Veditha

(वेदिता रेड्डी, भा.प्र.से.)

डॉ. रीता शर्मा
निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी.

SCERT
स्वाध्यायान्मा प्रमदः

STATE COUNCIL OF EDUCATIONAL
RESEARCH and TRAINING
(An autonomous Organisation of GNCT of Delhi)
Varun Marg, Defence Colony, New Delhi-110024
Tel.: +91-11-24331356
E-mail : dir12scert@gmail.com

संदेश

आज की कक्षाएँ केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता तक सीमित नहीं रह सकतीं, उन्हें विद्यार्थियों को सृजनात्मक चिंतक, नवप्रवर्तक और भविष्य के नेतृत्वकर्ता बनने के लिए प्रेरित करना होगा। 'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' योजना विद्यालयी शिक्षा में उद्यमी कौशलों को समाहित करते हुए इस लक्ष्य की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। यह निर्देशिका हमारे शिक्षकों को आत्मनिर्भर, नवाचारी और सामाजिक रूप से उत्तरदायी युवा उद्यमियों की पीढ़ी तैयार करने में सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित की गई है।

NEEEV का मूल दर्शन विभिन्न विषयों में उद्यमी कौशलों के समन्वित समावेशन पर आधारित है, जिससे विद्यार्थी अपने दैनिक अधिगम में आलोचनात्मक और सृजनात्मक चिंतन विकसित कर सकें। यह योजना विद्यार्थियों को प्रोटोटाइप बनाने, प्रयोग करने और आत्मविश्वास के साथ अपने विचारों को साकार करने के अवसर प्रदान करती है। यह पहल विद्यार्थियों को स्टार्टअप जगत के उन अनुभवी मार्गदर्शकों से जोड़ती है, जिन्होंने स्वयं सफलता की इस यात्रा को तय किया है ताकि उन्हें उद्यमिता का वास्तविक और व्यावहारिक मार्गदर्शन मिल सके। इस प्रकार शिक्षार्थियों को ऐसी चुनौतियों से परिचित कराया जाता है जो सतत नवाचार और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करती हैं।

सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि NEEEV एक समावेशी संस्कृति को बढ़ावा देती है, जहाँ किसी भी पृष्ठभूमि का बच्चा सार्थक योगदान देने और वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान विकसित करने के लिए सशक्त बनता है। यह निर्देशिका शिक्षकों के लिए एक मार्गदर्शिका होने के साथ-साथ विद्यार्थियों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है कि उनके विचार महत्त्वपूर्ण हैं और उनका भविष्य उज्ज्वल है।

आइए, हम सब मिलकर ऐसे विद्यालयों का निर्माण करें, जहाँ नवाचार फले-फूले और प्रत्येक शिक्षार्थी साहस, संवेदनशीलता और सृजनात्मकता के साथ नेतृत्व करने के लिए तैयार हो।

(डॉ. रीता शर्मा)

प्रस्तावना

आज विश्व में शिक्षा का परिदृश्य अभूतपूर्व रूप से परिवर्तित हो रहा है, जहाँ अधिगम अब केवल पाठ्यपुस्तकों और परीक्षाओं तक सीमित नहीं रहा है। आज समय की आवश्यकता है कि हमारी शिक्षा प्रणाली के भीतर एक सशक्त उद्यमी परिवेश विकसित किया जाए, जो शिक्षार्थियों को वास्तविक जीवन की चुनौतियों की पहचान करने, सहयोगात्मक रूप से कार्य करने, नवाचारी विचार प्रस्तुत करने, असफलताओं से सीखने तथा समाज के लिए मूल्य सृजित करने में सक्षम बनाए। ऐसा उद्यमी परिवेश विद्यार्थियों को न केवल भविष्य के व्यवसायों के लिए बल्कि उत्तरदायी नागरिक बनने के लिए भी तैयार करता है, जिसमें लचीलापन, अवसरों की पहचान, नैतिक निर्णय क्षमता तथा समाधान-केंद्रित दृष्टिकोण का विकास होता है।

'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)' योजना को दिल्ली सरकार द्वारा सितंबर 2025 में प्रारंभ किया गया, जिसका उद्देश्य विद्यालयी शिक्षा में उद्यम-उन्मुख क्षमताओं का समावेशन करना है। NEEEV, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरूप है, जो दक्षता-आधारित अधिगम, अनुभवात्मक शिक्षण पद्धति तथा 21वीं सदी की क्षमताओं पर बल देती है। यह 'विकसित भारत 2047' की राष्ट्रीय परिकल्पना के साथ भी सामंजस्य स्थापित करती है, जिसके अंतर्गत आत्मविश्वासी, सक्षम एवं राष्ट्र-निर्माण के लिए तत्पर युवाओं का निर्माण लक्ष्य है। उभरती प्रौद्योगिकियों के परिवर्तित प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, यह योजना विद्यार्थियों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के प्रति जागरूकता और उसके उत्तरदायी उपयोग को प्रोत्साहित करती है, जैसे कि विचार-सृजन, शोध, प्रोटोटाइप निर्माण, संप्रेषण और उत्पादकता में के साथ ही नैतिकता, पूर्वाग्रह और डेटा गोपनीयता की समझ विकसित करती है।

NEEEV के अंतर्गत विकसित यह निर्देशिका एक संरचित अधिगम मार्गदर्शिका के रूप में कार्य करती है, जो विद्यार्थियों की क्षमताओं को आधारभूत अवधारणाओं से लेकर व्यावहारिक अनुप्रयोगों तक क्रमिक रूप से विकसित करने में सहायक है। यह वित्तीय एवं डिजिटल साक्षरता, संप्रेषण कौशल, सहकार्यता, समस्या-समाधान, अभिकल्प चिंतन, बाज़ार की समझ, प्रलेखन तथा प्रस्तुतीकरण जैसे आवश्यक कौशलों का भी सुदृढ़ीकरण करती है। संरचित गतिविधियों, सहपाठी अधिगम और वास्तविक जीवन से जुड़े संदर्भों के माध्यम से विद्यार्थियों के विचारों को सार्थक समाधानों में रूपांतरित किया जाएगा, सहयोग से सुदृढ़ किया जाएगा तथा उत्तरदायी प्रभाव की दिशा में मार्गदर्शित किया जाएगा। यह निर्देशिका विद्यार्थियों में नवाचार से संबंधित विधिक एवं नियामकीय जागरूकता, जैसे- आधारभूत अनुबंध, बौद्धिक संपदा, उपभोक्ता जागरूकता, साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता एवं अनुपालन को भी प्रोत्साहित करती है। यह नैतिक मानकों और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ समन्वित होकर समावेशी और सतत समाधानों के विकास को सक्षम बनाती है।

यह निर्देशिका केवल एक अधिगम संसाधन नहीं बल्कि एक परिवर्तनकारी उत्प्रेरक के रूप में परिकल्पित है, जो सभी विद्यालयों में एक सशक्त उद्यमी परिवेश के निर्माण में सहायक होगी। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को ऐसे भावी उद्यमियों के रूप में विकसित करना है, जो विद्यालय समुदाय के भीतर और उससे आगे सतत विकास को गति प्रदान करें।

डॉ. सपना यादव
सहायक प्राध्यापक / अध्यक्ष, NEEEV
एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

विषय-सूची

क्र.स.	अध्याय का नाम	पृष्ठ संख्या
अध्याय 1	NEEEV का परिचय	1
अध्याय 2	उद्यमिता के पथ पर आगे बढ़ना	12
अध्याय 3	आजीवन सीखने की आदत विकसित करना	23
अध्याय 4	ब्रांड निर्माण और कहानी सुनाना	33
अध्याय 5	उद्यमियों को सशक्त बनाना: सरकारी योजनाएं और सहयोग तंत्र	42
अध्याय 6	सतत व्यवसाय के लिए डिजिटल साक्षरता	60
अध्याय 7	निवेश के निर्णय	73
अध्याय 8	व्यवसाय अनुपालन और संरक्षण	90
	शब्दावली	105
	संदर्भ	108

अध्याय 01

NEEEV का परिचय

Y6A7P6

कालांश: 2

हर बड़ा परिवर्तन एक साधारण विचार से प्रारंभ होता है। जब शिक्षार्थी अपने परिवेश का अवलोकन करते हैं, सार्थक प्रश्न पूछते हैं और अपने अधिगम को वास्तविक जीवन की परिस्थितियों में लागू करते हैं, तब शिक्षा उद्देश्यपूर्ण बन जाती है। यह अध्याय शिक्षार्थियों में उद्यमशील चिंतन और समस्या-समाधान की मानसिकता विकसित करने के लिए तैयार किया गया है।

आज के प्रौद्योगिकी एवं नवाचार-प्रधान विश्व में शिक्षा केवल अंकों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके लिए समस्या-समाधान, सृजनात्मकता, समन्वय, संप्रेषण कौशल, समालोचनात्मक चिंतन, वित्तीय साक्षरता, डिजिटल साक्षरता, विधिक साक्षरता तथा नैतिक चिंतन जैसे कौशलों की आवश्यकता होती है। वास्तविक जीवन की प्रेरक कहानियों और व्यवहारिक गतिविधियों के माध्यम से यह अध्याय उद्यमिता को एक जीवन-कौशल के रूप में प्रस्तुत करता है तथा यह दर्शाता है कि विचारों को किस प्रकार क्रियान्वित किया जा सकता है।

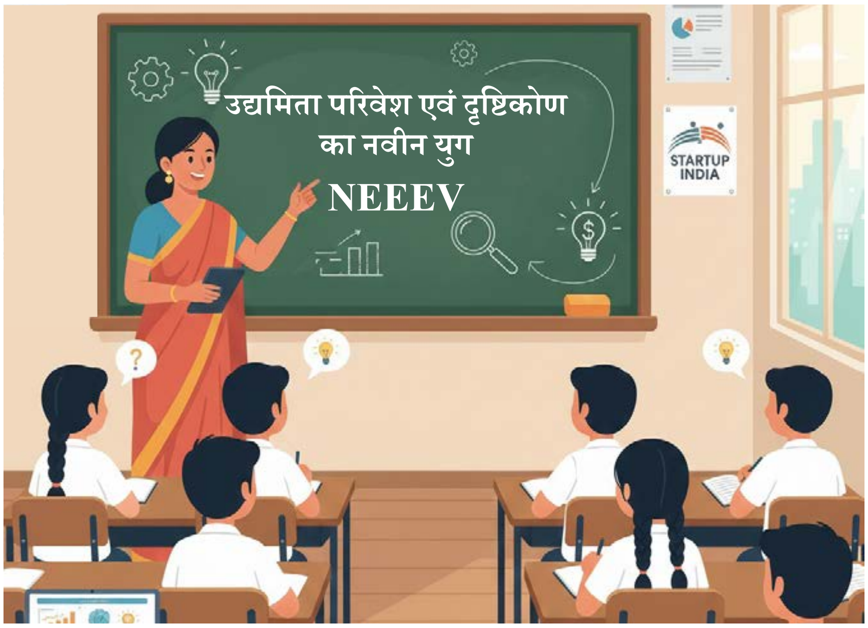

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 और **राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा-स्कूली शिक्षा (NCFSE) 2023** के अनुरूप, यह अध्याय NEEEV योजना (कक्षा 8–12) के अंतर्गत **'करके सीखने'** की पद्धति का अनुसरण करती है, जिससे शिक्षार्थी आत्मनिर्भर एवं भविष्य के लिए तैयार सृजनकर्ता बन सकें।

आइए कक्षा के एक शिक्षिका और दो शिक्षार्थियों के बीच का संवाद पढ़ें।

सुप्रभात, बच्चों! मैं जानना चाहती हूँ कि क्या तुमने कभी अपना कार्य पूरा करने के लिए कोई आसान तरीका खोजने का प्रयास किया है?

हाँ मैडम। मैंने अपने प्रोजेक्ट को जल्दी पूरा करने के लिए जानकारी खोजने हेतु इंटरनेट का उपयोग किया है।

यह पाठ्यपुस्तक से आगे बढ़कर सोचने का एक अच्छा उदाहरण है। आज हम इस विषय पर चर्चा करेंगे कि शिक्षा किस प्रकार बदल रही है और अंकों के साथ-साथ कौशल क्यों महत्त्वपूर्ण हैं।

मैडम, क्या अंक ही सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण नहीं होते?

अंक महत्त्वपूर्ण हैं, परंतु इस पर विचार करो, यदि दो विद्यार्थियों के समान अंक हों, तो वह शिक्षार्थी जो समस्याओं का समाधान कर सकता है, टीम में कार्य कर सकता है और सृजनात्मक रूप से सोच सकता है, वास्तविक जीवन में सफलता की अधिक संभावना रखता है।

जी मैडम, यह बिल्कुल सही है।

भारत एक **स्टार्टअप और नवाचार-प्रेरित अर्थव्यवस्था के रूप में विकसित हो रहा है।** आज सफलता केवल उत्तर जानने में नहीं, बल्कि समाधान खोजने में निहित है। सृजनात्मकता, टीमवर्क, संप्रेषण कौशल और अनुकूलनशीलता जैसे कौशल अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं।

क्या हम यह सब अपने विषयों में पहले से नहीं सीखते?

कभी-कभी अधिगम केवल रटने तक सीमित रह जाता है, जबकि वास्तविक अधिगम तब होता है जब हम अपने ज्ञान का उपयोग वास्तविक परिस्थितियों में करते हैं। इसी कारण **राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020** और **राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCFSE) 2023 'करके सीखने'** पर बल देती हैं।

करके सीखने' का क्या अर्थ है?

इसका अर्थ है वास्तविक समस्याओं का समाधान करना। उदाहरण के लिए, यदि विद्यालय की कैंटीन में अधिक अपशिष्ट उत्पन्न हो रहा है, तो आप उसे कम करने के उपाय सोचते हैं, विचार-विमर्श करते हैं, समाधान का प्रयास करते हैं और उनमें सुधार करते हैं।

क्या अन्य देशों में भी शिक्षार्थी इसी प्रकार सीखते हैं?

हाँ। **फ़िनलैंड, सिंगापुर और इज़राइल** जैसे देशों में शिक्षार्थी विद्यालय स्तर पर वास्तविक परियोजनाओं और छोटे उद्यमों पर कार्य करते हैं।

क्या यह भारत में भी हो रहा है?

हाँ। **गुजरात, राजस्थान, केरल, महाराष्ट्र** और अब **दिल्ली** जैसे राज्यों में विद्यालय-स्तरीय उद्यमिता कार्यक्रम विकसित हो रहे हैं।

मैडम, क्या इसका अर्थ है कि हमें विद्यालय में अपने छोटे व्यवसायिक परियोजनाएँ प्रारंभ करने का अवसर मिलेगा?

दिल्ली में **कक्षा 8 से 12** तक के लिए **NEEEV योजना** प्रारंभ की गई है, ताकि वैश्विक श्रेष्ठ प्रथाओं को विद्यालयों में लागू किया जा सके।

NEEEV हमारी किस प्रकार सहायता करता है?

NEEEV आपको घर, विद्यालय या अपने आसपास की समस्याओं का अवलोकन करने और उनके समाधान के बारे में सोचने के लिए प्रेरित करता है। यह आत्मविश्वास का निर्माण करता है तथा पहल करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

क्या यह विद्यालय से आगे भी जुड़ा हुआ है?

हाँ! NEEEV राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 तथा सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) के अनुरूप है। यह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नवाचार और सम्मानजनक रोजगार को बढ़ावा देता है।

तो क्या यह हमारे भविष्य में भी सहायक होगा?

निश्चय ही। प्रारंभिक अवस्था से ही कौशलों का विकास करके NEEEV आपको भविष्य के समस्या-समाधानकर्ता, रोजगार सृजनकर्ता और नवप्रवर्तक बनने में सहायता करता है।

भारत का विकसित होता स्टार्टअप एवं नवाचार पारितंत्र केवल पाठ्यपुस्तकों और परीक्षाओं तक सीमित ज्ञान से आगे बढ़कर विभिन्न कौशलों की माँग करता है। **राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020** तथा स्कूल शिक्षा के लिए **राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCFSE) 2023** के अनुरूप, आज की शिक्षा अनुभवात्मक एवं दक्षता-आधारित अधिगम पर बल देती है। यह दृष्टिकोण शिक्षार्थियों में सृजनात्मकता, समस्या-समाधान क्षमता, नैतिक चिंतन, अनुकूलनशीलता तथा सहयोग की भावना जैसे कौशलों का विकास करता है, जो भविष्य के व्यवसायों और समाज में सार्थक सहभागिता के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) के अनुरूप, NEEEV योजना कक्षा 8 से 12 तक उद्यमशील चिंतन का समावेश करते हुए कक्षा-अधिगम और वास्तविक जीवन की आवश्यकताओं के बीच की दूरी को कम करती है। **'करके सीखने'** की पद्धति के माध्यम से शिक्षार्थियों को समस्याओं की पहचान करने, उनके समाधान खोजने तथा मूल्य सृजन करने के लिए प्रेरित किया जाता है। NEEEV शिक्षार्थियों को केवल रोजगार खोजने के लिए ही नहीं, बल्कि, बेरोजगारी कम करने तथा आत्मविश्वासी, उत्तरदायी और भविष्य के लिए तैयार नागरिक बनने के अवसर उत्पन्न करने के लिए भी तैयार करती है।

NEEEV का पूर्ण रूप है 'उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग'

- **N** — **New**
- **E** — **Era of**
- **E** — **Entrepreneurial**
- **E** — **Ecosystem &**
- **V** — **Vision**

यह नाम इस योजना के उद्देश्य को दर्शाता है, जिसका लक्ष्य विद्यालयी शिक्षा में उद्यमशील सोच, नवाचार और मूल्य सृजन के एक नए युग की शुरुआत करना है।

NEEEV योजना के उद्देश्य

- शिक्षार्थियों को आत्मविश्वास, अनुकूलनशीलता तथा उच्च शिक्षा, रोजगार और उभरते अवसरों के लिए तत्परता के साथ भविष्य के लिए तैयार उद्यमी के रूप में विकसित करना।
- समुदाय, मार्गदर्शकों, निवेशकों, इनक्यूबेटरों, ग्राहकों, सरकारी सहयोग, वित्तपोषण संस्थाओं तथा संबद्ध नेटवर्क सहित एक सशक्त विद्यालय-आधारित उद्यमशील पारितंत्र का निर्माण करना।
- सृजनात्मकता, पहल, सहयोग, नेतृत्व, समालोचनात्मक चिंतन, समस्या-समाधान तथा अन्य संबंधित दक्षताओं जैसे 21वीं सदी के कौशलों के साथ उद्यमशील सोच का संवर्धन करना।
- वित्तपोषित प्रोटोटाइप निर्माण, परियोजना-आधारित अधिगम, उद्यम स्थापना तथा व्यवहारिक अनुभव के माध्यम से स्टार्टअप विकास का अनुभव प्राप्त करना।
- समस्याओं की पहचान, समाधान के विचार प्रस्तुत करना, प्रोटोटाइप विकसित करना, मॉडल का परीक्षण करना तथा निरंतर सुधार की प्रक्रिया अपनाते हुए डिज़ाइन थिंकिंग का अनुप्रयोग करना।
- बजट निर्माण, लागत निर्धारण, मूल्य निर्धारण, विपणन, मूल्य सृजन तथा सूचित निर्णय लेने जैसी प्रक्रियाओं के माध्यम से वित्तीय एवं व्यावसायिक साक्षरता का विकास करना।
- उत्तरदायी प्रौद्योगिकी उपयोग, नवाचारी व्यवहार, साइबर सुरक्षा तथा नैतिक डिजिटल आचरण के माध्यम से डिजिटल साक्षरता और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के प्रति जागरूकता को सुदृढ़ करना, जिससे उनकी उद्यमशील यात्रा सशक्त हो सके।

गतिविधि 1 आप क्या करेंगे?

उद्देश्य

यह समझना कि जब हम अलग ढंग से सोचते हैं, तो दैनिक जीवन की समस्याएँ भी नए विचारों में परिवर्तित हो सकती हैं।

निर्देश

- परिस्थिति को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
- 2–3 मिनट तक शांत होकर विचार करें।
- अपने पास बैठे एक या दो सहपाठियों के साथ अपने विचार साझा करें।
- अपने विचारों को संक्षिप्त बिंदुओं में लिखें।

परिस्थिति

कल्पना कीजिए कि यह विद्यालय का एक सामान्य दिन है और आप प्रतिदिन की भाँति विद्यालय आए हैं। जैसे ही आपकी प्रायोगिक परीक्षा प्रारंभ होने वाली है, आपको अचानक याद आता है कि आप अपनी परियोजना फाइल या नोटबुक घर पर ही भूल आए हैं। आज अंतिम प्रायोगिक परीक्षा है और परियोजना जमा करना अनिवार्य है। परीक्षा आरंभ होने वाली है, इसलिए घर वापस जाना संभव नहीं है और आपके पास समय भी बहुत कम है। आप चिंता और उलझन महसूस कर रहे हैं, परंतु आपको यह निर्णय लेना है कि आगे क्या करना चाहिए।

यह स्थिति असामान्य नहीं है, विद्यालय जीवन में अनेक शिक्षार्थी ऐसी समस्याओं का सामना करते हैं। प्रश्न सिर्फ यह नहीं है कि क्या गलत हुआ, बल्कि यह है कि आप उस समस्या का सामना कैसे करते हैं?

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. इस परिस्थिति में आप कैसा महसूस करेंगे और आगे क्या करेंगे?

....

....

प्रश्न 2. क्या इस समस्या का समाधान घर वापस गए बिना किया जा सकता है?

....

प्रश्न 3. हमारे आसपास पहले से ऐसी कौन-सी वस्तुएँ या संसाधन उपलब्ध हैं जो सहायता कर सकते हैं?

....

....

उद्यमिता अंतर्दृष्टि : अधिकांश लोग समस्या पर ही रुक जाते हैं; उद्यमी संभावनाएँ तलाशते हैं।

केस स्टोरी 1 एक छोटी समस्या से बड़ा विचार

निर्देश

उद्यमिता को बेहतर समझने के लिए एक 13 वर्षीय बालक की कहानी पढ़िए, जिसने एक समस्या का सामना किया क्योंकि परीक्षा से पहले उसकी अध्ययन-सामग्री समय पर नहीं पहुँची।

तिलक मेहता – कक्षा 10 से पहले एक पारितंत्र का निर्माण करने वाला किशोर

तिलक मेहता

तिलक मेहता केवल 13 वर्ष के थे, जब पाठ्यपुस्तक की देरी से हुई डिलीवरी ने उन्हें दैनिक जीवन की समस्याओं के बारे में गंभीरता से सोचने के लिए प्रेरित किया। असहाय महसूस करने के बजाय उन्होंने एक प्रभावशाली प्रश्न पूछा कि

"यदि मुंबई डब्बावाला प्रतिदिन हजारों टिफिन समय पर पहुँचा सकते हैं, तो छोटे पार्सल उतनी ही शीघ्रता से क्यों नहीं पहुँचाए जा सकते?"

तिलक ने यह समझने का प्रयास किया कि डब्बावाला प्रणाली इतनी दक्षता से कैसे कार्य करती है। उन्होंने महसूस किया कि इस विश्वसनीय नेटवर्क का उपयोग केवल टिफिन पहुँचाने तक सीमित न रहकर, शहर के भीतर छोटे पार्सल और दस्तावेज़ों की डिलीवरी के लिए भी किया जा सकता है।

जिज्ञासा और दृढ़ संकल्प के साथ तिलक ने कई महत्त्वपूर्ण कदम उठाए—

- शहर के मार्गों और मूलभूत लॉजिस्टिक्स का अध्ययन किया।
- यह सीखा कि डिलीवरी को ट्रैक करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग कैसे किया जा सकता है।
- डब्बावालों के साथ साझेदारी स्थापित की।
- मार्गदर्शकों, निवेशकों और ग्राहकों का विश्वास अर्जित किया।

अपने माता-पिता के सहयोग और अनुभवी विशेषज्ञों के मार्गदर्शन से तिलक ने **Papers N Parcels** नामक एक डिजिटल मंच की स्थापना की, जो उसी दिन डिलीवरी सेवा प्रदान करता था। कम आयु के कारण अनेक लोगों ने उन पर संदेह किया। फिर भी तिलक की स्पष्ट दृष्टि, सुदृढ़ मूल्य और सीखने की तत्परता ने उन्हें चुनौतियों पर विजय प्राप्त करने में सहायता की। विद्यालय के एक शिक्षार्थी द्वारा अनुभव की गई एक छोटी-सी समस्या शीघ्र ही एक सफल डिलीवरी कंपनी में परिवर्तित हो गई, जिसने अनेक लोगों को रोजगार भी प्रदान किया। तिलक मेहता की यह यात्रा दर्शाती है कि उद्यमिता की शुरुआत समस्याओं का अवलोकन करने, सही प्रश्न पूछने और उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते हुए विचारों को प्रभाव में बदलने के साहस से होती है।

PAPERS N PARCELS™

तिलक मेहता की यात्रा में उद्यमशील पारितंत्र की भूमिका

पारितंत्र घटक	भूमिका	योगदान
उद्यमी (तिलक)	समस्या की पहचान, समाधान निर्माण, दृष्टि का नेतृत्व	वास्तविक समस्या का अवलोकन किया, समाधान की कल्पना की, उसे परखा और कार्यान्वित किया। परियोजना का नेतृत्व किया, उत्पाद विकसित किया और ब्रांड को आकार दिया।
परिवार (माता-पिता)	भावनात्मक सहयोग, मार्गदर्शन एवं नेटवर्क	लॉजिस्टिक्स समझने में सहायता की, संपर्कों से परिचित कराया, भावनात्मक समर्थन दिया और विचार को गंभीरता से लिया, जो एक किशोर संस्थापक के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण था।
मार्गदर्शक (मेंटर्स)	रणनीतिक सलाह एवं योजना सहयोग	विशेषज्ञों ने उसे मार्गदर्शन दिया। • प्रौद्योगिकी विकास • डिलीवरी मार्ग निर्धारण • ग्राहक संवाद • वित्तीय योजना एवं साझेदारी निर्माण में मार्गदर्शन दिया। सीखने की गति को तेज किया।
मुंबई डब्बावाला	विश्वसनीय डिलीवरी साझेदार	प्रणाली का केंद्र विश्वसनीय, अनुशासित और भरोसेमंद है। इन्होंने • टिफिन के साथ पार्सल पहुँचाए • समयबद्ध डिलीवरी सुनिश्चित की • प्रत्येक मार्ग का स्थानीय ज्ञान प्रदान किया। इसने मौजूदा व्यवस्था को नवाचार में परिवर्तित किया।
निवेशक	वित्तीय सहायता एवं विस्तार सहयोग	ऐप, कर्मचारियों और संचालन के लिए धन उपलब्ध कराया। विचार की संभावनाओं पर विश्वास किया और मॉडल के विस्तार में सहयोग दिया।
ग्राहक	विश्वास, प्रतिपुष्टि एवं मौखिक प्रचार	विश्वास प्रदान किया, सुझाव दिए और मौखिक प्रचार के माध्यम से अधिक उपयोगकर्ताओं को जोड़ा।
परिवेश इस प्रकार कार्य करता है: विचार तब विकसित होते हैं जब लोग जुड़ते हैं, सहयोग करते हैं और किसी बड़े उद्देश्य के लिए मिलकर कार्य करते हैं।		

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. तिलक मेहता ने किस समस्या का सामना किया और उसे व्यावसायिक विचार में कैसे परिवर्तित किया?

....

....

....

प्रश्न 2. तिलक के परिवेश में आपको कौन-सा घटक सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण लगता है और क्यों?

....

....

....

प्रश्न 3. अपने दैनिक जीवन में आने वाली किसी एक समस्या के बारे में सोचिए, यदि आपको उचित मार्गदर्शन और सहयोग मिले, तो वह किस प्रकार एक अवसर में परिवर्तित हो सकती है?

....

....

....

उद्यमशील अंतर्दृष्टि

तिलक मेहता की कहानी कोई अपवाद नहीं है, बल्कि यह इस बात का उदाहरण है कि जब युवा मस्तिष्कों को प्रोत्साहन, मार्गदर्शन और सहयोग मिलता है, तो क्या-क्या संभव हो सकता है। NEEEV का उद्देश्य प्रत्येक शिक्षार्थी के लिए ऐसे ही अवसरों का निर्माण करना है।

NEEEV के अंतर्गत आप केवल एक शिक्षार्थी नहीं हैं, बल्कि एक चिंतक, समस्या-समाधानकर्ता और भावी नेता हैं, जो आने वाले कल की नीव रख रहे हैं।

यहीं से हमारी यात्रा प्रारंभ होती है—NEEEV रूपरेखा के अंतर्गत नए अधिगम मार्गों और अवसरों की खोज की दिशा में।

NEEEV के बारे में

NEEEV – दृष्टि, मिशन और उद्देश्य

NEEEV एक विद्यालय-आधारित पहल है, जिसका उद्देश्य शिक्षार्थियों में उद्यमशील सोच, नवाचार और नेतृत्व कौशल का विकास करना है। यह योजना शिक्षार्थियों को वास्तविक जीवन की समस्याओं की पहचान करने, रचनात्मक रूप से सोचने और जिम्मेदार समाधान तैयार करने के लिए तैयार करती है, ताकि वे भारत के आर्थिक और सामाजिक विकास में योगदान दे सकें।

दृष्टि (VISION)

एक ऐसी सशक्त, उद्यमशील और सामाजिक रूप से सजग नवप्रवर्तकों की पीढ़ी का निर्माण करना, जो भारत के आर्थिक भविष्य को आकार देने में सक्षम हो।

मिशन (MISSION)

विद्यालयी शिक्षार्थियों में उद्यमशील कौशल, नवाचार तथा वास्तविक जीवन की समस्याओं के समाधान की क्षमता का संवर्धन करना, साथ ही समावेशी और समान अवसर आधारित अधिगम को बढ़ावा देना।

उद्देश्य (AIM)

विद्यालयों में एक भविष्य-उन्मुख उद्यमशील पारितंत्र का निर्माण करना, जिससे शिक्षार्थी व्यवहारिक कौशल, आत्मविश्वास और नेतृत्व गुणों से सशक्त बन सकें।

NEEEV पाठ्यचर्या

एक सुव्यवस्थित पाठ्यचर्या, जो शिक्षार्थियों को वास्तविक जीवन के संदर्भों के माध्यम से उद्यमिता की अवधारणाओं, नवाचार, वित्तीय साक्षरता और समस्या-समाधान से परिचित कराता है।

NEEEV संवाद

उद्यमियों, उद्योग विशेषज्ञों और मार्गदर्शकों के साथ संवादात्मक सत्र, जो शिक्षार्थियों को प्रेरित करते हैं तथा कक्षा-अधिगम को वास्तविक जीवन के अनुभवों से जोड़ते हैं।

स्टार्टअप स्टोमर्स

एक ऐसा मंच जहाँ शिक्षार्थी अपने स्टार्टअप विचारों का विकास, प्रस्तुतीकरण और परिष्कार करते हैं, जिससे सृजनात्मकता, टीमवर्क और उद्यमशील आत्मविश्वास को प्रोत्साहन मिलता है।

विशेष कार्यशालाएँ

कौशल-आधारित कार्यशालाएँ, जो डिज़ाइन थिंकिंग, व्यवसाय योजना, संप्रेषण कौशल, नेतृत्व तथा डिजिटल कौशलों पर केंद्रित होती हैं।

उद्योग/इनक्यूबेशन सेल भ्रमण

अनुभवात्मक अधिगम के अवसर, जिनमें शिक्षार्थी स्टार्टअप्स, उद्योगों और नवाचार केंद्रों का भ्रमण करते हैं। इससे वे वास्तविक व्यावसायिक कार्यप्रणाली का अवलोकन करते हैं, कार्यस्थल संस्कृति को समझते हैं तथा सैद्धांतिक ज्ञान को व्यवहारिक अनुभव से जोड़ते हैं।

NEEEV के अंतर्गत विकसित किए जाने वाले प्रमुख मूल्य

- जिज्ञासा और सृजनात्मकता
- सहयोग और सामुदायिक भावना
- सत्यनिष्ठा और नैतिकता
- समावेशन और सुलभता
- सततता और दृष्टि
- आजीवन अधिगम

यह एक तीन-स्तरीय नवाचार सहयोग प्रणाली है: SIC, ZIC, DIC

पहचानो – प्रश्न करो – जोड़ो

साप्ताहिक कार्य

अपने विद्यालय, घर या आसपास के क्षेत्र में ध्यानपूर्वक देखिए। किसी एक ऐसी समस्या के बारे में सोचिए, जो बार-बार उत्पन्न होती है। यह समस्या आपकी स्वयं की हो सकती है या अन्य लोगों की।

अपने उत्तर लिखिए

प्रश्न 1. समस्या क्या है?

....

....

प्रश्न 2. यह समस्या किन लोगों को प्रभावित करती है और यह कितनी बार उत्पन्न होती है?

....

....

उद्यमी की तरह सोचें

अब इस समस्या के बारे में एक प्रभावी प्रश्न पूछिए। आपका प्रश्न "**क्यों**" या "**कैसे**" से प्रारंभ होना चाहिए।

प्रश्न 1. अपना प्रश्न लिखिए।

....

....

प्रश्न 2. इस समस्या का समाधान सरल या शीघ्र तरीके से कैसे किया जा सकता है?

....

....

प्रश्न 3. क्या कोई व्यक्ति, समूह या सेवा है जो इसी प्रकार की समस्या का समाधान करता हो? आप निम्न के बारे में विचार कर सकते हैं—

- शिक्षक या विद्यालय मॉनिटर
- बस सेवाएँ या परिवहन
- स्थानीय दुकानदार या विक्रेता
- मोबाइल ऐप या ऑनलाइन सेवाएँ
- सामुदायिक सहायक

लिखिए कि वे इस समस्या को बेहतर या नए तरीके से हल करने में कैसे सहायता कर सकते हैं :

....

....

....

....

आपके विचार के लिए सहयोग

अंत में विचार कीजिए कि आपके विचार को सफल बनाने में कौन सहायता कर सकता है। निम्न तालिका पूर्ण कीजिए—

पारितंत्र घटक *(व्यक्ति / समूह / सेवा)*	वे किस प्रकार सहायता कर सकते हैं

अन्वेषणात्मक कार्य

उद्यमिता के विभिन्न क्षेत्रों का अध्ययन मुक्त स्रोत सामग्री या इंटरनेट के माध्यम से कीजिए। अगली कक्षा में चर्चा के लिए तैयार रहें।

....

सारांश

- **NEEEV क्या है?**

  उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV) एक उद्यमिता शिक्षा कार्यक्रम है, जिसे विद्यालयों में इस उद्देश्य से प्रारंभ किया गया है कि शिक्षार्थी व्यवहारिक जीवन-कौशल विकसित कर सकें। यह करके सीखने पर आधारित है और शिक्षार्थियों को सृजनात्मक रूप से सोचने, वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान खोजने तथा पहल करने के लिए प्रेरित करता है।

- **NEEEV का उद्देश्य क्या है?**

  NEEEV का उद्देश्य कक्षा-अधिगम और वास्तविक जीवन की आवश्यकताओं के बीच की दूरी को कम करना है। इसके प्रमुख लक्ष्य हैं:-

  ❖ शिक्षार्थियों में आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का निर्माण करना।

  ❖ केवल व्यावसायिक ज्ञान नहीं, बल्कि उद्यमशील सोच का विकास करना।

  ❖ परिवर्तित होती अर्थव्यवस्था में भविष्य के व्यवसायों के लिए शिक्षार्थियों को तैयार करना।

  ❖ अधिगम को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (NCFSE) 2023 तथा सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) के अनुरूप बनाना।

- **NEEEV शिक्षार्थियों के विकास में कैसे सहायक है?**

  NEEEV विभिन्न क्षेत्रों में आवश्यक कौशल विकसित कर शिक्षार्थियों के समग्र विकास का समर्थन करता है—

  ❖ **उद्यमिता और नवाचार:** समस्याओं की पहचान, समाधान का निर्माण और मूल्य सृजन।

  ❖ **कैरियर तत्परता:** निर्णय-निर्माण, टीमवर्क, नेतृत्व और अनुकूलनशीलता जैसे कौशल।

  ❖ **वित्तीय एवं आर्थिक समझ:** मूलभूत वित्तीय साक्षरता और आर्थिक जागरूकता।

  ❖ **सामाजिक और नैतिक विकास:** उत्तरदायित्व, नैतिक चिंतन और समाज के प्रति योगदान।

  ❖ **व्यक्तिगत विकास:** आत्मविश्वास, संप्रेषण कौशल, सृजनात्मकता और धैर्यशीलता।

NEEEV शिक्षार्थियों को ऐसे आत्मविश्वासी समस्या-समाधानकर्ता के रूप में विकसित करता है, जो स्वयं और दूसरों के लिए अवसरों का सृजन कर सकें।

अध्याय 02

उद्यमिता के पथ पर आगे बढ़ना

कालांश: 5

NEEEV योजना का उद्देश्य आपको एक आत्मविश्वासी, रचनात्मक और जिम्मेदार इंसान बनाना है। अब अगला कदम यह देखना है कि **ये कौशल असली दुनिया में कैसे काम आते हैं।** यदि 'करके सीखना' आपको अपनी क्षमताओं को पहचानने में मदद करता है तो 'उद्यमिता' आपको यह सिखाती है कि उन क्षमताओं का प्रयोग कहाँ और कैसे करना है। आपके आस-पास की हर समस्या जिसे आप देखते हैं, प्रत्येक नया विचार जो आपके मन में आता है और प्रत्येक निर्णय जो आप लेते हैं, वो किसी बड़े और सार्थक काम की शुरुआत बन सकता है। जैसे-जैसे आप इस अध्याय में आगे बढ़ेंगे, आप देखेंगे कि कैसे छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देने से बड़े बदलाव लाए जा सकते हैं। आप जानेंगे कि उद्यमिता के अलग-अलग रास्ते आपके लिए कितनी संभावनाएँ खोलते हैं और कैसे आप प्रयोग, आत्म-चिंतन और स्वयं करके सीखने की गतिविधि द्वारा आगे बढ़ सकते हैं। यह यात्रा आपको गहराई से सोचने, समझदारी से कदम उठाने और अपने अंदर के उस 'उद्यमी' को पहचानने का अवसर देगी जो अपनी पहचान बनाने, प्रभावशाली बनने और अपना भविष्य स्वयं संवारने के लिए पूरी तरह तैयार है।

सीखने के प्रतिफल

शिक्षार्थी सक्षम होंगे कि वे

- वास्तविक उदाहरणों की मदद से उद्यमिता के मुख्य कार्यक्षेत्रों को पहचान सकें।
- लघु व्यवसाय, विस्तार योग्य स्टार्टअप (Scalable Startup), सामाजिक, नवाचार और तकनीक आधारित उद्यमों के बीच अंतर कर सकें।
- उद्यमी (Entrepreneurs), अंतःउद्यमी (Intrapreneurs - संस्था के भीतर बदलाव लाने वाले) और एकल उद्यमी (Solopreneurs - अकेले काम करने वाले) के बीच अंतर कर सकें।
- उद्यमी मानसिकता के प्रमुख गुणों का वर्णन और संगठन के अंदर नवाचार की व्याख्या कर सकें।
- अपनी रुचि और क्षमताओं को पहचानकर, अपने लिए उद्यमिता का सही रास्ता चुन सकें।

2.1 उद्यमिता के कार्यक्षेत्र

उद्यमिता विचारों को सार्थक कार्यों में बदलने की कला है। इसकी शुरुआत किसी आवश्यकता या समस्या को पहचानने से होती है, जिसका समाधान ढूँढकर लोगों और समाज के लिए कुछ उपयोगी बनाया जा सके। उद्यमी वे रचनात्मक विचारक होते हैं जो पहल करते हैं, सोच-समझकर जोखिम उठाते हैं और संभावनाओं को वास्तविकता में बदलते हैं।

इसका मूल मंत्र है

उद्यमिता (Entrepreneurship) = नवाचार (Innovative Idea) × मूल्य सृजन (Value Creation)

गतिविधि 1 पहचानें कौन है उद्यमी!

उद्देश्य

वास्तविक जीवन के उदाहरणों की मदद से उद्यमिता के अलग-अलग कार्यक्षेत्रों को पहचानना।

निर्देश

नीचे दिए गए हर उद्यमी का उनके सही कार्य-क्षेत्र से मिलान करें और फिर दिए गए चिंतन प्रश्नों के उत्तर दें।

उद्यमी	उद्यमिता का कार्यक्षेत्र
1. रतन टाटा	☐ हॉस्पिटैलिटी / ट्रैवल टेक
2. फाल्गुनी नायर	☐ ई-कॉमर्स
3. रितेश अग्रवाल	☐ सामाजिक
4. शाहीन मिस्त्री	☐ गृह-आधारित
5. एलन मस्क	☐ प्रौद्योगिकी/नवाचार
6. शीतल मेहता	☐ कॉर्पोरेट/औद्योगिक

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. आपने किस आधार पर इन उद्यमियों को उनके विशेष कार्यक्षेत्र से जोड़ा है? संक्षेप में कारण बताएँ।

....

....

....

प्रश्न 2. एडटेक और गृह-आधारित कार्यक्षेत्र से जुड़े किसी एक भारतीय उद्यमी को पहचानें

....

....

....

प्रश्न 3. आपको क्यों लगता है कि वे उसी कार्यक्षेत्र से संबंध रखते हैं?

....

....

....

संकल्पना

उद्यमिता के कार्यक्षेत्र

कार्यक्षेत्र	मुख्य विशेषताएँ	उदाहरण
लघु व्यवसाय	स्थानीय सेवाएँ, धीरे-धीरे बढ़ने वाला, परिवार द्वारा संचालित।	दिल्ली हाट के हस्तशिल्प स्टॉल
विस्तार योग्य स्टार्टअप (Scalable Startup)	तकनीक पर आधारित, तेज़ी से फैलने वाला, निवेशकों द्वारा समर्थित।	ओयो रूम्स
सामाजिक	समाज या समुदाय की समस्याओं को सुलझाने वाला।	टीच फॉर इंडिया
नवाचार	बिल्कुल नए और अनोखे विचार, बदलाव लाने वाली तकनीक।	टेस्ला
हरित/सतत (Green/ Sustainable)	पर्यावरण के अनुकूल, संसाधनों की बचत करने वाला।	Phool.co
होमप्रेन्योरशिप (Homepreneurship)	डिजिटल, घर से चलने वाला, काम के समय में लचीलापन।	शीतल की होम बेकरी
टेक्नोप्रेन्योरशिप (Technopreneurship)	ऐप-आधारित, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), सॉफ्टवेयर और एड-टेक।	पेटीएम (PayTM), फेसबुक (Facebook)

केस स्टोरी 1 ब्रायन चेस्की और एयरबीएनबी (Airbnb)

निर्देश

इस कहानी को ध्यान से पढ़ें और नीचे दिए गए चिंतन प्रश्नों के उत्तर दें।

ब्रायन चेस्की और एयरबीएनबी

ब्रायन चेस्की

ब्रायन चेस्की और एयरबीएनबी **(Airbnb)** साल 2007 में, **ब्रायन चेस्की** और उनके दोस्त **जो गेबिया** सैन फ्रांसिस्को में रह रहे थे और उनके लिए घर का किराया देना मुश्किल हो रहा था। उसी समय, शहर में एक बड़ी डिज़ाइन कॉन्फ्रेंस हो रही थी। सभी होटल पूरी तरह भरे हुए थे और बाहर से आने वाले लोगों के पास ठहरने की कोई जगह नहीं थी। ब्रायन और उनके दोस्तों ने इसे एक अवसर की तरह देखा। उन्होंने अपने अपार्टमेंट में कुछ 'एयर गद्दे' (air mattresses) बिछाने का फैसला किया और मेहमानों को नाश्ते के साथ ठहरने की जगह दी। उन्होंने इस आइडिया को **"Air Bed and Breakfast"** नाम दिया, जिसे आज हम Airbnb.in के नाम से जानते हैं। शुरुआत में, लोग किसी अपरिचित व्यक्ति के घर में ठहरने को लेकर डरे हुए थे। उन्हें सुरक्षा, विश्वास और ऑनलाइन पेमेंट की चिंता थी। ब्रायन और उनकी टीम को समझ आ गया कि बिना विश्वास के उनका व्यवसाय सफल नहीं होगा।

इस समस्या को हल करने के लिए, Airbnb ने सुरक्षा के प्रबंध किए, जैसे कि यूज़र प्रोफाइल (user profile) की जाँच, सुरक्षित ऑनलाइन पेमेंट और रिव्यू तथा रेटिंग (review & rating)। इन विशेषताओं के फलस्वरूप मेहमान और घर के मालिक, दोनों सुरक्षित महसूस करने लगे और इस प्लेटफॉर्म का प्रयोग अधिक आत्म-विश्वास से करने लगे। धीरे-धीरे लोगों का विश्वास बढ़ा और आज Airbnb दुनिया के कई देशों में काम कर रहा है। Airbnb की कहानी हमें सिखाती है कि एक सफल व्यवसाय केवल एक नए आइडिया के बारे में नहीं है बल्कि यह विश्वास जीतने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के बारे में भी है।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न1. सैन फ्रांसिस्को में डिजाइन कॉन्फ्रेंस के दौरान ब्रायन चेस्की और उनके दोस्तों ने किस अवसर को पहचाना?

....

....

....

प्रश्न 2. शुरुआती दिनों में Airbnb के लिए 'विश्वास' एक बड़ी चुनौती क्यों थी?

....

....

....

प्रश्न 3. उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित और आत्मविश्वासी महसूस करवाने के लिए Airbnb द्वारा उठाए गए किन्हीं दो कदमों के बारे में बताएँ।

....

....

....

प्रश्न 4. नया व्यवसाय शुरू करने के बारे में यह केस स्टोरी हमें क्या महत्त्वपूर्ण सीख देती है?

....

....

उद्यमिता खोज यात्रा — साप्ताहिक कार्य

- अपनी समझ के अनुसार किसी एक उद्यमी या व्यवसाय का नाम लिखें, जिसे आप जानते हैं। ध्यान दें कि वह व्यवसाय कौन-सी समस्या हल करता है या क्या सेवा प्रदान करता है? इसके लिए आप घर, विद्यालय, बाजार या इंटरनेट की मदद ले सकते हैं।
- नीचे दिए गए कार्यक्षेत्रों को पढ़ें और अपने उदाहरण के लिए सबसे सही विकल्प चुनें।

☐ लघु व्यवसाय (Small Business)
☐ विस्तार योग्य स्टार्टअप (Scalable Startup)
☐ सामाजिक उद्यमी (Social Entrepreneur)
☐ नवाचारी उद्यमी (Innovative Entrepreneur)
☐ ग्रीन उद्यमी (Green Entrepreneur)
☐ गृह आधारित उद्यमी (Homepreneur)
☐ टेक्नोप्रेन्योर (Technopreneur)

- **निम्नलिखित सारणी को भरें।**

प्रश्न	आपकी प्रतिक्रिया
1. आपके उदाहरण के लिए कौन-सा कार्यक्षेत्र सबसे सही है?	
2. अपनी पसंद का कोई एक कारण बताएँ।	
3. इस व्यवसाय से किसे लाभ होता है? (ग्राहक, समाज, पर्यावरण, कर्मचारी आदि)	
4. यदि आप यह व्यवसाय चला रहे होते तो इसमें कौन-सा एक नया सुधार या आइडिया जोड़ते?	

- इस वाक्य को पूरा करें।
मेरी विचार में, "उद्यमिता सिर्फ पैसे कमाने के बारे में नहीं है अपितु ....
....इसके बारे में भी है।

2.2 उद्यमी बनाम अंत:उद्यमी (Entrepreneur Vs. Intrapreneur)

नवाचार दो तरीकों से हो सकता है। कुछ लोग किसी संस्था या कंपनी से बाहर रहकर नए आइडिया पर काम करते हैं, उन्हें 'उद्यमी' (Entrepreneurs) कहा जाता है। वहीं कुछ लोग संस्था के अंदर रहकर नए विचार पेश करते हैं, उन्हें अंत:उद्यमी (Intrapreneurs) कहा जाता है। उदाहरण के लिए, 'जीमेल' (Gmail) को गूगल के ही कर्मचारियों ने कंपनी के अंदर काम करते हुए बनाया था इसलिए वे 'इंट्राप्रेन्योर' कहलाए। दूसरी ओर, फाल्गुनी नायर ने 'नायका' (Nykaa) की शुरुआत पूरी तरह स्वतंत्र रूप से की इसलिए वे एक 'उद्यमी' हैं। यह खंड आपको उद्यमी और अंत:उद्यमी के बीच के मूलभूत अंतर को समझने में मदद करेगा।

गतिविधि 2 — कंपनी के भीतर नए विचार

उद्देश्य

यह समझना कि किसी वर्तमान कंपनी में काम करते हुए भी नए विचारों को कैसे विकसित किया जा सकता है, इसे 'इंट्राप्रेन्योरशिप' कहते हैं।

निर्देश

- नीचे दिए गए परिदृश्य को ध्यान से पढ़ें।
- सबसे पहले अपने विचारों को व्यक्तिगत स्तर पर सोचें और लिखें।

- फिर अपने विचारों पर अपने सहपाठी के साथ चर्चा करें।
- कक्षा के साथ अपना एक मुख्य विचार साझा करने के लिए तैयार रहें।

परिदृश्य

आप एक जानी-मानी स्नैक्स (नाश्ता बनाने वाली) कंपनी में 'प्रोडक्ट डेवलपमेंट एग्जीक्यूटिव' के रूप में काम करते हैं। आजकल ग्राहक लगातार सेहतमंद और कम चीनी वाले स्नैक्स की माँग कर रहे हैं। बाज़ार के चलन और ग्राहकों के फीडबैक को ध्यान में रखते हुए, आपके मन में एक 'शुगर-फ्री स्नैक' (चीनी-रहित नाश्ता) बनाने का विचार आता है। विशेष बात यह है कि इसे कंपनी की वर्तमान मशीनों और संसाधनों का उपयोग करके ही बनाया जा सकता है।

भले ही आप कंपनी के मालिक नहीं हैं लेकिन आपको विश्वास है कि आपका यह विचार कंपनी को बाज़ार में टिके रहने और ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद कर सकता है। यह स्थिति **'उद्यमिता'** को दर्शाती है, जहाँ एक कर्मचारी संस्था के अंदर रहकर मूल्य (Value) बनाने की पहल करता है।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न1. कंपनी के नियमों का पालन करते हुए आप अपने विचार (आइडिया) को कैसे विकसित करेंगे और सबके सामने कैसे पेश करेंगे?

....

....

प्रश्न2. कंपनी के अंदर अपने विचार को एक असली उत्पाद (प्रोडक्ट) में बदलने के लिए आप कौन-से कदम उठाएँगे?

....

....

प्रश्न3. इस प्रक्रिया में कंपनी के अंदर कौन आपकी मदद कर सकता है और कैसे?

....

....

संकल्पना

उद्यमी, अंत:उद्यमी, एकल उद्यमी में मुख्य अंतर

भूमिका	काम करने का तरीका	जोखिम	नियंत्रण	उदाहरण
उद्यमी	स्वतंत्र व्यवसाय बनाते हैं।	व्यक्तिगत	पूरा	फाल्गुनी नायर
अंत:उद्यमी	कंपनी के भीतर नवाचार करते हैं।	संस्थागत/प्रोजेक्ट आधारित	सीमित	पॉल बुचेइट (Paul Buchheit)
एकल उद्यमी	सब कुछ अकेले करतें हैं।	पूरा	पूरा	पैट फ्लिन (Pat Flynn)

केस स्टोरी 2 जीमेल (गूगल ईमेल) की कहानी

निर्देश

- इस कहानी को ध्यान से पढ़ें और सोचें कि किसी संस्था के अंदर नवाचार कैसे हो सकता है।
- इसे पढ़ने के बाद, नीचे दिए गए चिंतन प्रश्नों के उत्तर दें।

जीमेल की कहानी

गूगल ने अपने शुरुआती वर्षों में 20 प्रतिशत समय नीति प्रस्तुत की जिसने इंजीनियरों को अपने कार्य सप्ताह का कुछ हिस्सा स्वतंत्र परियोजनाओं पर खर्च करने की अनुमति दी। नीति ने कर्मचारियों को प्रयोग करने और रचनात्मक रूप से सोचने की स्वतंत्रता दी। ऐसे ही एक कर्मचारी **पॉल बुचेइट (Paul Buchheit)** थे, जिन्होंने ईमेल सेवाओं के साथ आम समस्याओं को देखा; छोटा इनबॉक्स स्पेस, धीमी खोज और पुराने संदेशों को खोजने में कठिनाई। अपने 20% समय का उपयोग करते हुए, पॉल ने एक नई ईमेल प्रणाली पर काम किया जो गति, शक्तिशाली खोज और बड़े भंडारण (storage) पर केंद्रित था। **उनका विचार बाद में जीमेल बन गया, जिसे आधिकारिक तौर पर 2004 में लॉन्च किया गया था।** जीमेल जल्दी ही लोकप्रिय हो गया क्योंकि इसने वास्तविक उपयोगकर्ता की समस्याओं को सरल और प्रभावी तरीके से हल किया। आज, जीमेल का उपयोग दुनिया भर में लाखों लोगों द्वारा किया जाता है। इस कहानी से पता चलता है कि अंतःउद्यमिता कर्मचारियों को अपने विचारों को प्रभावशाली नवाचारों में बदलने की अनुमति देती है जब संगठन रचनात्मकता का समर्थन करते हैं और अपनी टीमों पर विश्वास करते हैं।

पॉल बुचेइट

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. गूगल की “20% टाइम” पॉलिसी ने पॉल बुचेइट की मदद कैसे की?

....

....

....

प्रश्न 2. पुराने ईमेल के मुकाबले जीमेल ने उपयोगकर्ताओं की कौन-सी समस्या हल की?

....

....

....

प्रश्न 3. अंतःउद्यमिता से कर्मचारियों और संस्था दोनों को क्या लाभ होता है?

....

....

....

उद्यमिता के कार्यक्षेत्रों को समझना

साप्ताहिक कार्य

इस सप्ताह, वास्तविक भारतीय उद्यमियों के बारे में जानें। दो उद्यमियों को खोजें एक दिल्ली से और एक भारत के किसी अन्य हिस्से से।

यह पता लगाएँ कि वे किस तरह के उद्यमी हैं (जैसे- छोटा व्यवसाय, स्टार्टअप, सामाजिक, नवाचारी या प्रौद्योगिकी आधारित)। कुछ मूलभूत जानकारियाँ जैसे कि उनके व्यवसाय का नाम, वह क्या करते हैं और उनकी यात्रा की क्या खास बात है।

अब, अपनी जानकारी को नीचे दिए गए तुलनात्मक चार्ट में भरें।

तुलनात्मक चार्ट		
तुलना बिंदु	उद्यमी (एक दिल्ली से)	उद्यमी(एक भारत के किसी और हिस्से से)

2.3 उद्यमिता कौशल और अपना मार्ग चुनना

उद्यमिता समस्याओं को पहचानने, अवसरों को खोजने और विचारों को वास्तविकता में बदलने की एक प्रक्रिया है। यह कई तरह से हो सकती है नया व्यवसाय शुरू करके, किसी कंपनी के अंदर काम करके या घर से अपना काम चलाकर। चाहे तरीका कोई भी हो, उद्यमिता के लिए रचनात्मकता, सही फैसले लेने का आत्मविश्वास और चुनौतियों का सामना करने की क्षमता आवश्यक है। इन मूलभूत बातों को समझकर हम देख सकते हैं कि कैसे विचार बड़े समाधान बनते हैं और समाज के लिए मूल्य (value) पैदा करते हैं।

गतिविधि 3 मैं कौन हूँ?

उद्देश्य

उद्यमियों के विभिन्न प्रकारों की पहचान करना और उद्यमी, अंत: उद्यमी, एकल उद्यमी तथा गृह-उद्यमी के लिए आवश्यक प्रमुख उद्यमिता कौशल को समझना।

निर्देश

- प्रत्येक संकेत को ध्यानपूर्वक पढ़ें और दिए गए स्थान में अपना उत्तर लिखकर उसे सही उद्यमिता क्षेत्र (उद्यमी/अंत:उद्यमी/एकल उद्यमी/गृह-आधारित उद्यमी) से मिलाएँ।
- गतिविधि पूरी करने के बाद, अपने सहपाठी के साथ अपने उत्तरों पर चर्चा करें और उनकी तुलना करें।

1.	मैंने अपने खुद के विचार और विज़न के आधार पर एक व्यवसाय शुरू किया।	मैं हूँ...।
2.	मैं घर से डिजिटल टूल्स के जरिए या स्थानीय ग्राहकों की सेवा करके काम करती/करता हूँ।	मैं हूँ...।
3.	मैं बिना किसी पार्टनर या कर्मचारी के अपना व्यवसाय अकेले चलाती/चलाता हूँ।	मैं हूँ...।
4.	मैं किसी वर्तमान कंपनी में काम करते हुए नए विचार और सुधार लाती/लाता हूँ।	मैं हूँ...।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. आप अपने अंदर कौन-सा उद्यमिता कौशल देखते हैं?

....

....

प्रश्न 2. हर प्रकार के व्यवसाय के लिए किन मुख्य उद्यमी कौशल की आवश्यकता होती है?

....

....

प्रश्न 3. आपको क्या लगता है कि आपके कौशल और स्वभाव के अनुसार कौन-सा काम आपके लिए सबसे उपयुक्त है?

....

....

संकल्पना

उद्यमिता कौशल: ऐसे कौशल जिनसे हम नए अवसरों को पहचान सकें और स्वयं का कोई नया काम (Venture) शुरू कर सकें। इसमें कुछ नवाचार, जोखिम लेना और सही निर्णय लेना शामिल है।

अंत:उद्यमिता कौशल: किसी स्थापित संस्था या कंपनी के अंदर रहते हुए नवाचार और बदलाव लाने का कौशल। इसमें रचनात्मकता, पहल करना और समस्याओं को सुलझाना शामिल है।

कौशल	अर्थ
अवलोकन (Observation)	अपनी दैनिक जीवन में समस्याओं या आवश्यकताओं को पहचानना।
रचनात्मकता और नवाचार (Creativity & Innovation)	नए विचार सोचना या समस्याओं को सुलझाने के बेहतर तरीके निकालना।
समस्या सुलझाना (Problem-Solving)	चुनौतियाँ आने पर उनके व्यावहारिक समाधान ढूँढना।
जोखिम की समझ (Risk Awareness)	होने वाले हानि को समझना और सावधानी से निर्णय लेना।
निर्णय लेना (Decision-Making)	नतीजों के बारे में सोचकर सबसे सही विकल्प को चुनना।
संचार कौशल(Communication)	ग्राहकों, सहयोगियों या अपनी टीम के साथ अपने विचारों को खुले रूप से साझा करना।
मिल-जुलकर काम करना और सहकार्यता (Teamwork & Collaboration)	लक्ष्यों को पाने के लिए दूसरों के साथ मिलकर प्रभावी ढंग से काम करना।
अनुकूलन क्षमता (Adaptability)	परिस्थिति बदलने पर अपनी योजनाओं में आवश्यक बदलाव कर लेना।
नैतिक चिंतन (Ethical Thinking)	अपने हर काम में ईमानदारी और ज़िम्मेदारी निभाना।
सीखने की मानसिकता (Learning Mindset)	फीडबैक के लिए तैयार रहना और लगातार स्वयं में सुधार करना।

एक उद्यमी मानसिकता की मुख्य विशेषताएँ: रचनात्मकता, समस्या-समाधान क्षमता, जोखिम लेने की प्रवृत्ति, अवसरों की पहचान करने की क्षमता आदि।

गतिविधि 4 एक अंत:उद्यमी की तरह सोचना (संवाद)

उद्देश्य

वर्तमान व्यवस्था या सिस्टम के अंदर समस्याओं को पहचानकर और उनमें सुधार के व्यावहारिक सुझाव देकर उद्यमी कौशल विकसित करना।

निर्देश

- संवाद को ध्यान से पढ़ें और देखें कि कैसे शिक्षार्थी किसी समस्या की पहचान करते हैं और उसके संभावित समाधानों पर चर्चा करते हैं।
- इस बात पर ध्यान दें कि कैसे कोई विचार तंत्र (system) के अंदर से ही दिया गया है, न कि किसी अधिकारी या बड़े पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा।
- चिंतन प्रश्नों के उत्तर छोटे और साफ वाक्यों में दें।

विद्यालय की समस्या का मिलकर समाधान

चिंतन प्रश्न

प्रश्न1. विद्यालय की समस्या को पहचानते समय ख़ुशी और अर्जुन ने कौन-सा अंत:उद्यमी कौशल दिखाया?

....

....

प्रश्न2. परिस्थिति को बेहतर बनाने के लिए उन्होंने क्या सुझाव दिए?

....

....

प्रश्न3. उनके काम का वह कौन-सा कौशल है, जो इसे अंत:उद्यमिता (intrapreneurship) का उदाहरण बनाता है?

....

....

प्रश्न4. अपने विद्यालय की किसी एक समस्या के बारे में सोचें। उसे सुलझाने के लिए आप क्या छोटा-सा आइडिया देंगे?

....

....

ज़ेप्टो (Zepto)

साप्ताहिक कार्य

गति और तकनीक के साथ किराने (grocery) की डिलीवरी का नया तरीका

साल 2021 में, दो युवा उद्यमियों, **आदित पालिचा** और **कैवल्य वोहरा** ने भारत के शहरों में एक बढ़ती हुई समस्या देखी। व्यस्त परिवारों और कामकाजी लोगों को अधिकतर समय पर किराने का सामान समय पर मिलने में दिक्कत होती थी, विशेषकर जब कोई चीज़ बहुत आवश्यक हो या वे उसे लाना भूल गए हों। उस समय की डिलीवरी सर्विस घंटों या दिनों का समय लेती थीं, जो शहर की तेज़ रफ्तार ज़िंदगी के हिसाब से बहुत धीमी थी।

कैवल्य वोहरा और आदित पालिचा

इस समस्या को सुलझाने के लिए, उन्होंने Zepto की शुरुआत की एक क्विक-कॉमर्स स्टार्टअप जिसका फोकस 10-15 मिनट में ग्रोसरी डिलीवरी करने पर था। पारंपरिक दुकानों पर निर्भर रहने के जगह, Zepto ने आवासीय क्षेत्रों के पास छोटे और महत्त्वपूर्ण स्थानों पर वेयरहाउस बनाए, जिन्हें 'डार्क स्टोर्स' (dark stores) कहा जाता है। उन्नत प्रौद्योगिकी (Advance technology), डेटा (data) और सही रास्तों का प्रयोग करके, मोबाइल ऐप पर मिलने वाले ऑर्डर को तुरंत संसाधित (process) किया जाता है और पास के डिलीवरी पार्टनर्स द्वारा पहुँचा दिया जाता है।

Zepto का नया तरीका सिर्फ रफ़्तार के बारे में नहीं था, यह ग्राहकों की आवश्यकताओं को समझने, टेक्नोलॉजी का सही प्रयोग करने और एक ऐसा सिस्टम बनाने के बारे में था जो दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करे। बहुत ही कम समय में, Zepto कई भारतीय शहरों में फैल गया। यह इस बात का एक शानदार उदाहरण है कि कैसे एक छोटी और आम समस्या को पहचानकर उसे रचनात्मक तरीके से सुलझाना एक सफल स्टार्टअप बन सकता है।

यह उदाहरण हमें सिखाता है कि नवाचार का अर्थ हमेशा कुछ नया आविष्कार करना नहीं होता; कभी-कभी इसका मतलब किसी वर्तमान सर्विस को बेहतर, तेज़ और स्मार्ट बनाना भी होता है।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न1. किराने के सामान की खरीदारी से जुड़ी वह कौन-सी दैनिक समस्या थी, जिसे Zepto ने पहचाना?

....

प्रश्न 2. Zepto ने इस समस्या को सुलझाने के लिए तकनीकी और स्थानीय मूलभूत ढांचा का प्रयोग कैसे किया?

....

प्रश्न 3. आजकल की सर्विस में तेज़ रफ़्तार इतनी आवश्यक क्यों है?

....

प्रश्न4. Zepto के संस्थापकों में आपको कौन-से उद्यमिता गुण दिखाई देते हैं?

....

प्रश्न5. क्या आप अपने आस-पास की कोई ऐसी समस्या बता सकते हैं, जिसे किसी तेज़ या स्मार्ट सर्विस से सुलझाया जा सके?

....

सारांश

- **उद्यमिता** का अर्थ है, समस्याओं को सुलझाने और नई वैल्यू बनाने के लिए अपने विचारों को वास्तविकता में बदलना।
- उद्यमी कई तरह से काम कर सकते हैं: **स्वतंत्र रूप से, कंपनियों के अंदर (Intrapreneurs), या घर से (गृह-आधारित उद्यमी/एकल उद्यमी)**।
- भारत में उद्यमियों के कई क्षेत्र हैं
  - ❖ **लघु व्यवसाय :** स्थानीय स्तर पर, स्थिर बढ़त के साथ।
  - ❖ **विस्तार योग्य स्टार्टअप्स :** तकनीक आधारित, तेज़ी से बढ़ने वाले।
  - ❖ **सामाजिक उद्यमी :** समाज की समस्याओं को सुलझाने वाले।
  - ❖ **नवाचारी एवं तकनीकी उद्यमी :** नए विचारों और टेक्नोलॉजी पर आधारित।
  - ❖ **हरित उद्यमी :** पर्यावरण के अनुकूल समाधान देने वाले।
- **उद्यमी बनाम अंतःउद्यमी**
  - ❖ उद्यमी, अपना खुद का काम शुरू करते हैं और व्यक्तिगत जोखिम उठाते हैं।
  - ❖ अंतः उद्यमी, किसी संस्था के अंदर रहकर कंपनी के संसाधनों का उपयोग करके नए बदलाव लाते हैं।
- **Airbnb, Gmail, ChaiPoint, Zepto, Nykaa, OYO** जैसे असल उदाहरण दिखाते हैं कि कैसे दैनिक समस्याओं को बड़े अवसरों में बदला जा सकता है।
- **मुख्य उद्यमी कौशल :** इनमें अवलोकन, रचनात्मकता, समस्या सुलझाना, निर्णय लेना, संचार कौशल, टीम वर्क, लचीलापन और नैतिक सोच आदि शामिल हैं।
- उद्यमिता सिर्फ पैसा कमाने के बारे में नहीं है—यह **प्रभाव, नवाचार, ज़िम्मेदारी और अपनी क्षमता के अनुसार सही रास्ता चुनने के बारे में है।**

अध्याय 03

आजीवन सीखने की आदत विकसित करना

कालांश: 4

आप उद्यमिता के अनेक मार्गों को जैसे-जैसे समझते हैं, यह स्पष्ट हो जाता है कि केवल विचार, कौशल और अवसर सफलता की गारंटी **नहीं देते—असली यात्रा तब शुरू होती है, जब चुनौतियाँ सामने आती हैं।** जिन भी उद्यमियों के बारे में आप पढ़ते हैं, उन्होंने आगे बढ़ने से पहले संदेह, असफलता और बदलाव के क्षणों का सामना किया है। वे दूसरों से इस बात में अलग होते हैं कि वे अपने अनुभवों पर विचार करते हैं, परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालते हैं और फिर से प्रयास करते हैं। यहीं से एक महत्त्वपूर्ण गुण विकसित होता है, जिसे एक उद्यमी को अवश्य अपनाना चाहिए—**लचीलापन (Resilience)**। इस अध्याय में आप जानेंगे कि बाधाएँ कैसे आगे बढ़ने की सीढ़ियाँ बन सकती हैं, लक्ष्य सीखने के साथ कैसे विकसित होते हैं, और सहयोग तथा आत्म-चिंतन कैसे आपको और मज़बूत बनाते हैं। अर्थपूर्ण गतिविधियों के माध्यम से आप सीखेंगे कि असफलताओं को सबक में कैसे बदला जाए और ऐसी सोच कैसे विकसित की जाए जो आपको केवल शुरुआत करने के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी उद्यमशील यात्रा में लगातार टिके रहने और सफल होने के लिए भी तैयार करे।

सीखने के प्रतिफल

शिक्षार्थी सक्षम होंगे कि वे

- जीवनभर सीखने की अवधारणा और उसकी आवश्यकता को समझें तथा यह पहचानें कि निरंतर सीखना व्यक्तिगत और पेशेवर विकास के लिए क्यों आवश्यक है।
- अपनी पसंदीदा सीखने की शैली, आत्म-विकास के क्षेत्रों और नए कौशल सीखने के प्रभावी तरीकों की पहचान कर सकें।
- लगातार सीखने में मार्गदर्शकों (मेंटर्स), साथियों (पीयर्स) और डिजिटल शिक्षण उपकरणों की भूमिका को समझें तथा एक सरल डिजिटल सीखने के (सीखना) टूलबॉक्स तैयार कर सकें।
- असफलताओं या रुकावटों पर सकारात्मक रूप से विचार कर सकें, आवश्यकता पड़ने पर अपने लक्ष्यों में बदलाव कर सकें और एक सरल व्यक्तिगत विकास योजना बना सकें।

3.1 सीखना जो कभी नहीं रुकता

सीखना केवल विद्यालय या परीक्षाओं तक सीमित नहीं होता; यह जीवन भर चलता रहता है। **आजीवन सीखना** का अर्थ है, जीवन के हर चरण में नया ज्ञान, कौशल और अनुभव प्राप्त करके स्वयं को निरंतर बेहतर बनाना। जैसे-जैसे दुनिया, तकनीक और करियर के अवसर बदलते रहते हैं, वैसे-वैसे सीखने, भूलकर फिर से सीखने और दोबारा सीखने की क्षमता व्यक्ति को आगे बढ़ने, परिस्थितियों के अनुसार ढलने और सफल होने में मदद करती है। यह समझना कि आप कैसे बेहतर सीखते हैं, जैसे- करके, देखकर, प्रश्न पूछना या अभ्यास को अधिक अर्थपूर्ण और प्रभावी बनाता है।

गतिविधि 1 इस सप्ताह आपने क्या सीखा?

उद्देश्य

यह समझना कि सीखना केवल कक्षा तक सीमित नहीं है और सीखने के विभिन्न तरीकों पर विचार करना।

निर्देश

- पिछले कुछ दिनों के बारे में सोचें और कक्षा के बाहर सीखी गई एक नई चीज़ की पहचान करें।
- कुछ व्यावहारिक, रचनात्मक या डिजिटल कौशल चुनें (जैसे—कोई नई रेसिपी बनाना सीखना, वीडियो एडिटिंग करना, मोबाइल का कोई नया शॉर्टकट जानना, घर में कोई चीज़ ठीक करना, बेसिक कोडिंग, चित्र बनाना या कोई नया खेल सीखना)।
- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें**

प्रश्न1. इस सप्ताह आपने क्या सीखा?

....

....

प्रश्न2. आपने इसे कहाँ सीखा? (घर पर, ऑनलाइन, दोस्तों के साथ, स्वयं से, आदि)

....

....

प्रश्न3. आपने इसे क्यों सीखना चाहा या ज़रूरत महसूस की?

....

....

- अपने सीखने के अनुभव को अपने सहपाठी के साथ साझा करें, उनके उदाहरण को ध्यान से सुनें और ध्यान दें कि कक्षा के बाहर भी सीखना कितने अलग-अलग तरीकों से हो सकता है।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न1. क्या यह नया कौशल सीखना आसान था या कठिन था? क्यों?

....

....

....

प्रश्न2. यह कौशल सीखने के बाद आपको कैसा महसूस हुआ?

....

....

....

प्रश्न3. इसे अच्छे से सीखने में किस चीज़ ने आपकी मदद की?

....

....

....

संकल्पना

आजीवन सीखना क्या है?

आजीवन सीखना **जीवन भर निरंतर ज्ञान और कौशल प्राप्त करने** की आदत है। इसका अर्थ है- जिज्ञासु बने रहना, दैनिक जीवन के अनुभवों से सीखना और बदलाव के लिए तैयार रहना। इस तेज़ी से बदलती दुनिया में जो लोग सीखते रहते हैं, वे **अनुकूलनीय, आत्मविश्वासी और भविष्य के लिए तैयार** रहते हैं।

आजीवन सीखना = निरंतर सीखना + जिज्ञासा + प्रगतिशील सोच

इसमें सम्मिलित है

- औपचारिक शिक्षा और विद्यालय से परे भी सीखना
- हर अनुभव, सफलता और असफलता से आगे बढ़ना
- सक्रिय रूप से नए ज्ञान और कौशल की खोज करना

इसकी आवश्यकता

- नए करियर और तकनीकें लगातार सामने आ रही हैं।
- नियोक्ता (employers) ऐसे लोगों को महत्त्व देते हैं, जो जल्दी सीख सकें और परिस्थितियों के अनुसार ढल सकें।
- उद्यमियों को नए विचारों और अद्यतन (updated) कौशल की आवश्यकता होती है।
- यह व्यक्तियों को प्रासंगिक और आत्मविश्वासी बनाए रखने में मदद करता है।

सीखने के स्रोत

- शिक्षक, मार्गदर्शक, मित्र और परिवार के सदस्य
- ऑनलाइन पाठ्यचर्या, वीडियो और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म
- पुस्तकें, व्यावहारिक अभ्यास, अवलोकन और वास्तविक जीवन के अनुभव

गतिविधि 2 विकासशील मानसिकता मानचित्र (Growth Mindset Map)

उद्देश्य

अपनी वर्तमान शक्तियों को पहचानना, उन क्षेत्रों की पहचान करना जहाँ आप सुधार करना चाहते हैं और यह समझना कि प्रगति विकास मानसिकता आपकी सीखने और व्यक्तिगत विकास की प्रक्रिया को कैसे दिशा दे सकती है।

निर्देश

- अपने बारे में सोचें और प्रत्येक बॉक्स को भरें।
- पूरा करने के बाद, अपने उत्तर अपने सहपाठी के साथ साझा करें।
- इस सप्ताह ऐसा एक काम चुनें, जिससे आप उस क्षेत्र में बेहतर बन सकें जिसमें आप आगे बढ़ना चाहते हैं।
- इसके बाद अंत में दिए गए चिंतन प्रश्नों के उत्तर दें।

मैं किसमें अच्छा/अच्छी हूँ	
मुझे क्या करना पसंद है	
मैं किसमें बेहतर बनना चाहता/चाहती हूँ	

चिंतन प्रश्न

प्रश्न1. आप इस वर्ष कौन-सा नया कौशल सीखना चाहते हैं और क्यों?

....

....

....

प्रश्न2. सोचें कि आप सबसे बेहतर कैसे सीखते हैं, लोगों से, वीडियो देखकर, उदाहरणों से या अभ्यास करके?

....

....

....

प्रश्न3. आप पहले से कौन-सा उद्यमशील कौशल उपयोग करते हैं?

....

....

संक्षिप्त केस अंश

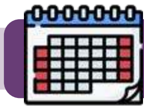

साप्ताहिक कार्य

प्रत्येक उदाहरण को ध्यान से पढ़ें। इन व्यक्तियों की सीखने की आदतों और सोच पर विचार करें। अपने सहपाठी या छोटे समूह में चर्चा करें कि आप अपने जीवन में ऐसे तरीकों को कैसे अपना सकते हैं।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम – सदैव सीखने वाले

उन्होंने पुस्तकों, विद्यार्थियों और तकनीक से निरंतर सीखते हुए, धैर्यपूर्वक प्रयोग किए और समय के साथ अपने विचारों को बेहतर बनाकर प्रभावी समाधान विकसित किए।

सीख: हर उम्र में जिज्ञासु और खुले विचारों वाला बने रहें।

तरला दलाल – रचनात्मक प्रयोगकर्ता

उन्होंने नई रेसिपियों, स्वस्थ पकाने की विधियों और विश्व के विभिन्न व्यंजनों का अध्ययन किया ताकि भारतीय परिवारों के लिए नवीन शाकाहारी व्यंजन तैयार कर सकें। उन्होंने कुक बुक, टीवी कार्यक्रमों और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग करके अपना ज्ञान साझा किया और लगातार अपना कौशल निखारा।

सीख: निरंतर सीखना और रचनात्मक प्रयोग आपको परंपरागत सीमाओं से आगे बढ़ने में मदद करते हैं और आप दूसरों को भी प्रेरित कर सकते हैं।

ग्रैंडमा मोसेस – देर से खिलने वाली प्रतिभा

ग्रैंडमा मोसेस ने 78 वर्ष की आयु में गंभीरता से चित्रकारी शुरू की। उन्होंने औपचारिक प्रशिक्षण के स्थान पर अवलोकन, अभ्यास और स्वयं के प्रयास से सीखा।

सीख: सीखने की कोई आयु सीमा नहीं होती। जिज्ञासा और समर्पण, जीवन के किसी भी चरण में सफलता दिला सकते हैं।

अब ऊपर दिए गए उदाहरणों में से किसी एक व्यक्ति (डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, तरला दलाल या ग्रैंडमा मोसेस) को चुनें। एक छोटा पोस्टर (Mini-Poster) बनाएँ, जो दिखाए कि वे एक महान सीखने वाले क्यों हैं।

आपके पोस्टर में शामिल होना चाहिए

- विषय के साथ उस व्यक्ति का नाम और एक पंक्ति जिसमें लिखा हो कि वे आपको क्यों प्रेरित करते हैं।
- 3–4 प्रमुख शब्द, जो उनकी सीखने की सोच को दर्शाएँ (जैसे- जिज्ञासु, रचनात्मक, दृढ़ निश्चयी)।
- उनकी कहानी से सीखा गया एक उद्धरण (quote) या एक महत्त्वपूर्ण सीख।
- पोस्टर को A4 आकार में तैयार करें और अपनी कक्षा के सूचना-पट (बोर्ड) पर प्रदर्शित करें।

अन्वेषणात्मक कार्य (Exploratory Task)

दी गई निःशुल्क डिजिटल सीखने के टूल्स/उपकरणों की सूची का अध्ययन करें और यह समझें कि प्रत्येक टूल आपकी सीखने की आवश्यकताओं को कैसे पूरा करता है तथा उसे शैक्षणिक और आजीवन सीखने के लिए ज़िम्मेदारीपूर्वक कैसे उपयोग किया जा सकता है।

उपकरण (TOOLS) – YouTube, SWAYAM Prabha, MIT OCW, Google Workspace, Notion आदि या कोई अन्य उपकरण आदि या कोई अन्य मुफ़्त और विश्वसनीय संसाधन।

3.2 साथ सीखें, साथ बढ़ें

सीखना केवल कक्षा में ही समाप्त नहीं हो जाता। हम अपने आस-पास के लोगों से, अपने व्यक्तिगत अनुभवों से और डिजिटल माध्यमों से नए कौशल और विचार सीखते हैं। मार्गदर्शक (Mentors) हमें दिशा देते हैं और प्रेरित करते हैं जबकि ऑनलाइन टूल्स, समुदाय और दैनिक अनुभव हमें जिज्ञासु बनाए रखते हैं, नए कौशल का अभ्यास करने में मदद करते हैं और निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

गतिविधि 3 कक्षा से परे सीखना

उद्देश्य

- यह समझना कि सीखना केवल कक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि दैनिक जीवन में लोगों और अनुभवों के माध्यम से भी होता है।
- यह विचार करना कि ये प्रभाव हमारे कौशल, आदतों और मूल्यों को कैसे आकार देते हैं।

निर्देश: सोचें – जोड़ी बनाएँ – साझा करें (Think – Pair – Share)

अलग-अलग **सोचें** कि वह कौन-सा व्यक्ति है, जिसने आपके सीखने पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव डाला है। यह व्यक्ति एक उद्यमी, उद्योगपति (industrialist), स्व-रोज़गार पेशेवर (self-employed professional), इन्फ्लुएंसर या कोई आदर्श व्यक्तित्व हो सकता है; जैसे कि माता-पिता, शिक्षक, मित्र, वरिष्ठ (senior), कोच, ऑनलाइन कंटेंट निर्माता, खिलाड़ी या लेखक।

जोड़ी: अपने उत्तर अपने सहपाठी के साथ साझा करें। अपने साथी के अनुभव को ध्यान से सुनें और अपनी कहानियों के बीच एक समानता या अंतर नोट करें।

साझा करें: स्वयंसेवकों (Volunteers) पूरी कक्षा के साथ अपने विचार साझा करेंगे।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न1. आपके सीखने पर सबसे अधिक प्रभाव किसका पड़ा है?

....

....

प्रश्न2. इस व्यक्ति से प्रभावित होकर आपने कौन-सा कौशल, आदत या मूल्य विकसित किया है?

....

....

प्रश्न3. इस सीख ने आपकी पढ़ाई या दैनिक जीवन में किस प्रकार मदद की है?

....

....

संकल्पना

सीखने के और विकास के लिए सहयोगी तंत्र

सहयोगी तंत्र	मुख्य विचार/भूमिका
मार्गदर्शक	मार्गदर्शन देता है, ईमानदार फीडबैक देता है, अनुभव साझा करता है और विकास में सहायता करता है (यह शिक्षक, माता-पिता, मित्र, कोच, विशेषज्ञ या कभी-कभी कनिष्ठ (junior) भी हो सकता है)।
सीखने के समुदाय	समूह में सीखना, संवाद, सहपाठी शिक्षण, प्रेरक वार्ताएँ, पेशेवर समुदाय।
सीखने के स्रोत	**लोग:** परिवार, मित्र, सहपाठी • **समुदाय:** क्लब, मंच (फोरम) • **डिजिटल साधन:** ट्यूटोरियल, टूल्स • **स्वयं:** अभ्यास और आत्म-चिंतन

गतिविधि 4 अपना डिजिटल लर्निंग टूलबॉक्स तैयार करें

उद्देश्य

डिजिटल लर्निंग टूल्स को प्रभावी ढंग से खोजने, उनका मूल्यांकन करने और उपयोग करने की क्षमता विकसित करना ताकि सीखने वाले स्वतंत्र, ज़िम्मेदार और स्व-निर्देशित बन सकें तथा जीवन भर कक्षा से परे भी सीखते रहें।

निर्देश

- 3–5 शिक्षार्थियों का एक समूह बनाएँ।
- अपनी दैनिक पढ़ाई के कार्यों, जैसे- गृहकार्य, प्रोजेक्ट, प्रस्तुति (presentation), रिसर्च या रचनात्मक कार्य के बारे में सोचें। कौन-से डिजिटल टूल्स इन कार्यों को आसान या अधिक रोचक बनाते हैं?
- लोकप्रिय निःशुल्क डिजिटल लर्निंग टूल्स की सूची (जैसे—यूट्यूब (YouTube), एनसीईआरटी ऑफिशल (NCERT official), दीक्षा (DIKSHA), कोर्सएरा (Coursera) (ऑडिट), एमआईटी ओ सी डब्ल्यू (MIT OCW), गूगल वर्कप्लेस (Google Workspace), नोशन (Notion)। इनमें से कोई भी तीन टूल्स चुनें, जिन्हें आपका समूह सबसे उपयोगी मानता है।
- नीचे दी गई तालिका का उपयोग करके चर्चा करें और अपने समूह के उत्तर लिखें। अपने उत्तर स्पष्ट और व्यावहारिक रखें।

डिजिटल लर्निंग टूलबॉक्स तालिका

टूल का नाम	इसका उपयोग किस लिए होता है	वास्तविक जीवन या शैक्षणिक उदाहरण	इसे ज़िम्मेदारी से कैसे उपयोग करें

चिंतन प्रश्न

प्रश्न1. आपको कौन-सा डिजिटल टूल सबसे अधिक उपयोगी लगा और क्यों?

....

....

प्रश्न2. इन टूल्स के बारे में सीखने से आपको यह समझने में कैसे मदद मिली कि तकनीक का उपयोग मनोरंजन और सीखने के लिए अलग-अलग तरीके से किया जा सकता है?

....

....

प्रश्न3. एक ज़िम्मेदार और सुरक्षित डिजिटल शिक्षार्थी (Digital Learner) बनने के लिए आप कौन-सा एक कदम उठा सकते हैं?

....

....

लोगों और डिजिटल टूल्स से सीखें

साप्ताहिक कार्य

इस सप्ताह आपको दो छोटे कार्य पूरे करने हैं, जो आपको लोगों और तकनीक दोनों से सीखने में मदद करेंगे।

- पहला, किसी मार्गदर्शक (मेंटोर) को देखें या उनसे बात करें ऐसे व्यक्ति से जो आपको मार्गदर्शन देता है या प्रेरित करता है। यह व्यक्ति शिक्षक, माता-पिता, कोच, भाई-बहन या आपके समुदाय का कोई सदस्य हो सकता है। उनसे 15–20 मिनट बात करें या हाल ही में हुई किसी बातचीत के बारे में सोचें।

  लिखें
  - उनसे सीखा गया एक कौशल, आदत या जीवन की सीख ....
  - वे आपको किस प्रकार मार्गदर्शन देते हैं या प्रेरित करते हैं ....
  - उनकी दी हुई एक सिख, जिसे आप अपनी सीखने की प्रक्रिया में अपनाने का प्रयास कर सकते हैं ....

- दूसरा, किसी एक निःशुल्क डिजिटल टूल का उपयोग करें, जिसका आपने पहले गहराई से उपयोग नहीं किया हो (जैसे- एनसीईआरटी (NCERT Official), ई-पाठशाला, दीक्षा, स्वयंप्रभा, गूगल टूल्स आदि)। 20–30 मिनट उस उपकरण का उपयोग करके कोई छोटा कार्य पूरा करें या कुछ नया सीखें।

  लिखें
  - उस टूल की एक विशेष सुविधा (फीचर), जिसका आपने उपयोग किया ....
  - उस टूल ने आपको सीखने या कार्य पूरा करने में कैसे मदद की ....
  - उस टूल का ज़िम्मेदारी से उपयोग करने के लिए एक सुझाव ....

3.3 लचीलापन – दोबारा उठ खड़े होने को सीखना

लचीलापन का अर्थ है, चुनौतियों से उबरना, असफलताओं से सीखना और अपने लक्ष्यों को पाने के लिए प्रेरित रहना। हर बाधा आगे बढ़ने, स्वयं को ढालने और और अधिक मज़बूत बनने का अवसर होती है। अपने अनुभवों पर विचार करके और अपने तरीके में बदलाव करके, आप आत्मविश्वास विकसित कर सकते हैं, कठिनाइयों का साहस से सामना कर सकते हैं और पढ़ाई, कॉलेज तथा आगे के जीवन में सफलता के लिए स्वयं को तैयार कर सकते हैं।

गतिविधि 5 अधूरे लक्ष्यों से सीखना

उद्देश्य

असफलताओं या रुकावटों पर विचार करना और उनसे व्यक्तिगत विकास के लिए सीख निकालना।

निर्देश

- किसी एक ऐसे लक्ष्य के बारे में सोचें, जिसे आपने तय किया था लेकिन पूरा नहीं कर पाए। यह स्कूल, किसी रुचि, आदत या किसी ऐसे क्षेत्र से जुड़ा हो सकता है, जिसमें आप सुधार करना चाहते थे।
- 2–3 पंक्तियों में लिखें
  - आपका लक्ष्य क्या था?
  - उसे पूरा न कर पाने से आपने क्या सीखा?
- अपने सहपाठी के साथ जोड़ी बनाएँ।
  - बारी-बारी से अपनी सोच साझा करें— प्रत्येक व्यक्ति एक-एक मिनट बोले।
  - अपने साथी के अनुभव को ध्यान से सुनें।
- चर्चा के दौरान सम्मानजनक और ईमानदार रहें। उद्देश्य यह समझना है कि लक्ष्य पूरा न होना असफलता नहीं है बल्कि आगे बढ़ने और सीखने का अवसर है।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न1. उस समय लक्ष्य पूरा न कर पाने पर आपको कैसा महसूस हुआ?

....

....

प्रश्न2. आगे बढ़ने या दोबारा प्रयास करने में किस चीज़ ने आपकी मदद की?

....

....

प्रश्न3. अगली बार आप क्या अलग करेंगे?

....

....

संकल्पना

लचीलापन

लचीलापन वह क्षमता है, जिससे व्यक्ति **असफलताओं से उबरता है, चुनौतियों से सीखता है और आगे बढ़ता** रहता है। यह आपको कठिन परिस्थितियों में भी प्रेरित रहने और स्वयं को परिस्थितियों के अनुसार ढालने में मदद करता है।

अर्थ

लचीलापन = उबरना + सीखना + विकास

- ❖ **उबरना (Recovery):** असफलता या चुनौती के बाद फिर से खड़े होना।
- ❖ **सीखना (Learning):** यह समझना कि कहाँ गलती हुई और उससे सीख प्राप्त करना।
- ❖ **विकास (Growth):** अनुभवों का उपयोग करके अधिक मज़बूत और बेहतर तैयार होना।

उदाहरण (Analogy)

- ❖ **स्प्रिंग की तरह:** हर बार दबाए जाने पर वह और मज़बूती से ऊपर उठती है।
- ❖ **पेड़ की तरह:** तूफ़ान में झुकता है लेकिन टूटता नहीं; हर चुनौती के साथ उसकी जड़ें और गहरी होती जाती हैं।

यह कैसे मदद करता है

- ❖ शैक्षणिक और व्यक्तिगत चुनौतियों का साहस के साथ सामना करने में मदद करता है।
- ❖ आत्मविश्वास और भावनात्मक मज़बूती बढ़ाता है।
- ❖ भविष्य के अवसरों और अप्रत्याशित (Unexpected) कठिनाइयों के लिए तैयार करता है।
- ❖ आजीवन सीखने और व्यक्तिगत विकास के लिए आवश्यक है।

लचीलापन विकसित करने के तरीके

- ❖ अपनी असफलताओं और सफलताओं पर विचार करें।
- ❖ सकारात्मक रहें और समाधान पर ध्यान दें।
- ❖ छोटे और प्राप्त किए जा सकने वाले लक्ष्य तय करें।
- ❖ मार्गदर्शकों, साथियों या सीखने वाले समुदायों से सहायता लें।
- ❖ धैर्य, अनुकूलनशीलता और दृढ़ता का अभ्यास करें।

गतिविधि 6 असफलता से सीख

उद्देश्य

यह समझना कि लचीलापन, दृढ़ता और असफलताओं से सीखना किस प्रकार सफलता तक पहुँचाता है।

निर्देश

- नीचे दिए गए प्रसिद्ध व्यक्तियों और कंपनियों की संक्षिप्त कहानियाँ पढ़ें, जिन्होंने असफलताओं को सफलता में बदला।
- प्रत्येक कहानी के बाद यह विचार करें और चर्चा करें कि उन्हें दोबारा खड़े होने में किस बात ने मदद की।
- हर कहानी से जुड़े चिंतन प्रश्नों के उत्तर दें।

कहानी 1: स्टीव जॉब्स स्टीव जॉब्स को एप्पल कंपनी से निकाल दिया गया था, जिसकी उन्होंने सह-स्थापना की थी। हार मानने के बजाय, उन्होंने नेक्स्ट (NeXT) नामक कंपनी शुरू की और पिक्सर (Pixar) में निवेश किया, जो आगे चलकर बहुत सफल हुई। बाद में वे एप्पल में वापस लौटे और कंपनी को दुनिया के सबसे मूल्यवान ब्रांडों में से एक बना दिया।

कहानी 2: किरण मजूमदार शॉ – दृढ़ नवप्रवर्तक (innovator) बायोकोन (Biocon) की शुरुआत करते समय उन्हें अस्वीकृति और संदेह का सामना करना पड़ा। फिर भी उन्होंने आत्मविश्वास और कड़ी मेहनत के साथ काम जारी रखा। आज वे जैव-प्रौद्योगिकी (Biotechnology) क्षेत्र की अग्रणी उद्यमी हैं।

कहानी 3: ओयो रूम्स (OYO Rooms) ओयो (OYO) ने शुरुआत में कई असफल प्रयास किए और शुरुआती संचालन संबंधी चुनौतियों का सामना किया। लेकिन इन असफलताओं से सीखकर और अपने व्यवसाय मॉडल में बदलाव करके, ओयो (OYO) एक प्रमुख होटल और आतिथ्य (hospitality) ब्रांड बन गया, जो विश्वभर में कार्य कर रहा है।

सीख: जब दूसरे आप पर संदेह करें, तब भी अपने सपनों और विज़न पर विश्वास रखें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न1. स्टीव जॉब्स ने अपनी असफलता को विकास के अवसर में कैसे बदला?

....

....

....

प्रश्न2. किरण मजूमदार शॉ को अस्वीकृति से उबरने में किन गुणों ने मदद की?

....

....

....

प्रश्न3. असफलताओं से सीखने ने OYO को सफलता प्राप्त करने में कैसे मदद की?

....

....

....

ज्ञानवर्धक

असफलताएँ हमें बेहतर बनने की दिशा दिखाती हैं। अपने लक्ष्यों को परिस्थितियों के अनुसार बदलें लेकिन उन्हें छोड़ें नहीं। लचीलापन आपको हर बार पहले से अधिक मजबूत बनाकर आगे बढ़ने में मदद करता है।

चुनौतियों को पार कर फिर से उठ खड़े होना

साप्ताहिक कार्य

हाल ही में आपने किसी चुनौती, असफलता या कठिनाई का सामना किया हो, उसके बारे में सोचें। अपनी प्रतिक्रिया पर विचार करें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें।

तालिका पूर्ण करें

प्रश्न	आपका उत्तर
क्या हुआ? (चुनौती या समस्या क्या थी?)	
आपने कैसी प्रतिक्रिया दी? (शुरुआत में आपने कैसा महसूस किया या क्या किया?)	
अगली बार आप क्या बदलेंगे? (यदि फिर ऐसा हुआ तो आप क्या अलग करेंगे?)	
आपका लचीलापन मंत्र। अपने आप को मजबूत बनाए रखने के लिए एक छोटा, सकारात्मक वाक्य लिखें।	

सारांश

लचीलापन

- असफलता विकास का एक हिस्सा है।
- लचीलापन = सीखना + परिस्थितियों के अनुसार ढलना + दोबारा प्रयास करना
- जैसे-जैसे आप आगे बढ़ते हैं, आपके लक्ष्य बदल सकते हैं।
- सहयोग और आत्म-चिंतन, दोबारा उठ खड़े होने की क्षमता को मजबूत बनाते हैं।

कहानियों से मिली सीख

स्टीव जॉब्स ने अपना रास्ता फिर से बनाया, किरण मजूमदार शॉ ने दृढ़ता दिखाई और ओयो (OYO) ने लचीलापन दिखाया।

सीख: दृढ़ता + लचीलापन = प्रगति

सीखे गए कौशल

- असफलताओं पर विचार करना
- व्यक्तिगत विकास की योजना बनाना
- लक्ष्यों में आवश्यक बदलाव करना
- असफलताओं को सीख में बदलना

अध्याय 04

ब्रांड निर्माण और कहानी सुनाना

W3H4U3

कालांश: 4

लचीलापन (Resilience) आपको सिखाता है कि गिरने के बाद वापस कैसे उठना है। एक बार जब आप फिर से मजबूती से खड़े हो जाते हैं तब अगला सवाल यह होता है कि **आप अपनी यात्रा को दुनिया के सामने कैसे प्रस्तुत करते हैं।** आपके द्वारा पार की गई हर बाधा, सीखा गया हर सबक और आपका हर मूल्य (value) न केवल आपके विचार को बल्कि आपकी पहचान को भी आकार देता है। यहीं से ब्रांडिंग और कहानी सुनाने की प्रक्रिया शुरू होती है, जो आपके लचीलेपन को एक आवाज़ और आपके प्रयासों को एक ऐसा अर्थ देती है जिससे दूसरे जुड़ाव महसूस कर सकें। इस अध्याय जानेंगे कि कैसे नाम, प्रतीक, मूल्य और कहानियाँ अनुभवों को भरोसे और पहचान में बदल देती हैं। रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम यह व्यक्त करना सीखेंगे कि आप कौन हैं, आप किन मूल्यों के साथ खड़े हैं और आपकी यात्रा क्यों मायने रखती और इससे सिद्ध होगा कि लचीलेपन पर आधारित एक छोटा-सा विचार भी एक शक्तिशाली और स्थायी छाप छोड़ सकता है।

सीखने के प्रतिफल

शिक्षार्थी सक्षम होंगे कि वे

- व्यवसाय को पहचान, प्रतिष्ठा और विश्वास दिलाने में ब्रांडिंग (Branding) की भूमिका को समझ सकें।
- बुनियादी ब्रांड तत्त्व बना सकें और जिसमें नाम, लोगो (Logo), टैगलाइन और मुख्य मूल्य शामिल हैं।
- ब्रांडिंग और कहानी सुनाने (Story Telling) के बीच अंतर और प्रभावी ब्रांड कहानियों के मुख्य तत्त्वों को पहचान सकें।
- मूल्यों और एक संरचित कथानक (Structured Narrative) का उपयोग करके एक सरल, प्रामाणिक ब्रांड कहानी बना सकें।

4.1 विचार से पहचान तक: ब्रांड कैसे बनाएँ

ब्रांडिंग (Branding) किसी व्यवसाय की पहचान है; यह आकार देती है कि लोग उसे कैसे देखते हैं, उसके बारे में कैसा महसूस करते हैं और उसे कैसे याद रखते हैं। एक मजबूत ब्रांड विश्वास और पहचान बनाने के लिए एक स्पष्ट नाम, एक सरल लोगो (Logo), एक आकर्षक टैगलाइन और सार्थक मूल्यों का उपयोग करता है। अच्छी ब्रांडिंग एक व्यवसाय को बाजार की भीड़ में अलग दिखने और ग्राहकों के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ने में मदद करती है।

गतिविधि 1 आपको सबसे पहले क्या याद आता है?

उद्देश्य

यह समझना कि कैसे मजबूत ब्रांडिंग तत्त्व (लोगो, टैगलाइन, उत्पाद) प्रभाव पैदा करते हैं।

निर्देश

- जाने-माने ब्रांड जैसे डेटॉल (Dettol), पीयर्स (Pears), नवरत्न (Navratna) और नाइकी (Nike) या किसी अन्य के बारे में सोचें।
- जो आपको याद हों ऐसे 3-4 प्रसिद्ध ब्रांड की टैगलाइन लिखें।
- अपने उत्तर अपने सहपाठियों या कक्षा के साथ साझा करें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. किस विशेषता ने ब्रांड को सबसे तेजी से याद रखने में आपकी मदद की?

....

....

....

प्रश्न 2. टैगलाइन और लोगो, ब्रांड को हमारी यादों में बने रहने में कैसे मदद करते हैं?

....

....

....

संकल्पना

मुख्य ब्रांड तत्त्वों को समझना

1. **ब्रांड (Brand)**: ब्रांड किसी व्यवसाय की **भावनात्मक और यादगार पहचान** है। यह बताता है कि लोग किसी कंपनी, **उत्पाद या सेवा को कैसे पहचानते हैं, महसूस करते हैं और याद रखते** हैं। ब्रांड केवल एक नाम या लोगो से कहीं अधिक है, यह इसके द्वारा बनाई गई समग्र छाप है।
2. **ब्रांड का नाम (Brand Name):** ब्रांड का नाम किसी व्यवसाय या **उत्पाद का छोटा, सरल और अर्थपूर्ण नाम** होता है। इसे याद रखना आसान होना चाहिए और यह ब्रांड की विशेषता (Essence) को दर्शाता हो।
   उदाहरण: "Nike" या "Amul"।
3. **लोगो (Logo):** लोगो एक **दृश्य प्रतीक (Visual symbol)** है जो ब्रांड और उसके व्यक्तित्व का प्रतिनिधित्व करता है। यह ग्राहकों को ब्रांड को तुरंत पहचानने में मदद करता है।
   उदाहरण: नाइकी का "Swoosh" या स्टारबक्स की "Mermaid"।
4. **टैगलाइन (Tagline)**: टैगलाइन **एक छोटा, आकर्षक संदेश या वादा है** जो कुछ ही शब्दों में बताता है कि ब्रांड किस बात के लिए वचनबद्ध है।
   उदाहरण: नाइकी – "Just Do It"
5. **ब्रांड मूल्य (Brand Values)**: ब्रांड मूल्य वे **सिद्धांत और विश्वास** हैं जो मार्गदर्शन करते हैं कि ब्रांड कैसा व्यवहार करता है और ग्राहकों के साथ कैसे बातचीत करता है। वे ग्राहकों के विश्वास और निष्ठा को आकार देते हैं।
   उदाहरण: अमूल – विश्वास और जुड़ाव
6. **लोगो की कहानियाँ (Logo Stories):** लोगो की कहानियाँ **ब्रांड के लोगो के पीछे के अर्थ** और ब्रांड के व्यक्तित्व या मिशन के बारे में बताती हैं।
   उदाहरण:
   - **Nike** – रफ़्तार और जीत (Movement & victory)
   - **Amul** – विश्वास और जुड़ाव (Trust and relatability)
   - **Starbucks** – गर्मजोशी और स्वागत (Warmth and welcome)

केस स्टोरी 1 वेकफ़िट: ब्रांडिंग में कहानी सुनाना

निर्देश

- केस स्टोरी को ध्यान से पढ़ें और पहचानें कि वेकफ़िट (Wakefit) ने उद्देश्य, संदेश और अभियानों (Campaigns) जैसे ब्रांडिंग तत्त्वों का उपयोग कैसे किया।
- विचार करें कि इन ब्रांडिंग विकल्पों ने ग्राहकों के भरोसे और व्यावसायिक विकास को कैसे प्रभावित किया और चिंतन प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में दें।

वेकफ़िट: ब्रांडिंग में कहानी सुनाना

अंकित गर्ग और चैतन्य रामलिंगेगौड़ा

वेकफ़िट की स्थापना 2016 में **अंकित गर्ग और चैतन्य रामलिंगेगौड़ा** द्वारा की गई थी, जिन्होंने देखा कि कई भारतीय उपभोक्ता कम गुणवत्ता वाले गद्दों के लिए भारी कीमतें चुका रहे थे| विलासिता (Luxury) या भारी छूट पर ध्यान केंद्रित करने की जगह, वेकफ़िट ने अपना ब्रांड स्वस्थ नींद, आराम और ईमानदारी से मिलाकर बनाया। कंपनी ने ग्राहकों से जुड़ने के लिए सरल और भरोसेमंद कहानी सुनाने के साथ-साथ 'वेकफ़िट स्लीप सर्वे' जैसी डेटा-आधारित पहल का उपयोग किया। पारदर्शी मूल्य निर्धारण (Pricing) और आराम को प्राथमिकता देने वाले दृष्टिकोण ने गहरा विश्वास बनाने में मदद की। इस मजबूत ब्रांड पहचान ने समय के साथ वेकफ़िट को बेड, फर्नीचर और घरेलू समाधानों तक विस्तार करने में सक्षम बनाया, जिससे यह घरेलू आराम के क्षेत्र में एक विश्वसनीय भारतीय ब्रांड बन गया।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. वेकफ़िट जैसे नए उद्यम (Venture) के लिए मजबूत ब्रांडिंग विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण क्यों है?

....

....

प्रश्न 2. वेकफ़िट के लिए ब्रांडिंग का कौन-सा तत्त्व (नाम, लोगो या अभियान) आपको सबसे अधिक यादगार लगता है? क्यों?

....

....

प्रश्न 3. नींद पर केंद्रित ब्रांड को ग्राहकों के लिए किन भावनाओं या संवेदनाओं को संबोधित करना चाहिए और क्यों?

....

....

ज्ञानवर्धक

एक मजबूत ब्रांड विश्वास पर बनाया जाता है। जब ग्राहक स्वयं को महत्त्व दिया गया और समझा गया महसूस करते हैं तब ब्रांड केवल एक उत्पाद नहीं रहता बल्कि वह एक वादा बन जाता है।

अपनी ब्रांड पहचान डिजाइन करें

साप्ताहिक कार्य

कल्पना कीजिए कि आप एक नया उत्पाद या सेवा शुरू कर रहे हैं (कोई भी: भोजन, कपड़े, ऐप, फिटनेस, शिक्षा, इको-प्रोडक्ट, आदि)। निम्नलिखित को शामिल करते हुए एक सरल ब्रांड पहचान पत्र बनाएँ:

1. **ब्रांड का नाम** – सरल, अलग और अर्थपूर्ण।
2. **लोगो विचार** – इसका वर्णन करें या स्केच बनाएँ (हाथ से बना या डिजिटल)।
3. **टैगलाइन** – 5-6 शब्द जो ब्रांड के वादे को व्यक्त करते हों।
4. **तीन ब्रांड मूल्य** – उदाहरण के लिए विश्वास, आराम, गुणवत्ता, ईमानदारी, नवाचार ।

अपने विचारों को यथार्थवादी (realistic) रखें और लक्षित ग्राहक से जोड़कर देखें। अपने ब्रांड का विवरण A4 आकार के कागज पर जमा करें। अगली कक्षा में अपने विकल्पों को समझाने के लिए तैयार रहें।.

4.2 उद्देश्य के साथ ब्रांड: कहानी सुनाने की शक्ति

ब्रांडिंग किसी व्यवसाय को उसकी पहचान देती है जबकि कहानी सुनाना उसे एक आत्मा प्रदान करता है। एक लोगो, रंग या टैगलाइन ध्यान आकर्षित कर सकती है लेकिन ब्रांड के पीछे की कहानी ही भावना, विश्वास और लंबे समय तक याद रहने वाला बनाती है। कहानी सुनाने के माध्यम से ब्रांड अपने उद्देश्य, मूल्यों और यात्रा के बारे में बताते हैं, जिससे ग्राहकों को केवल एक उत्पाद से नहीं बल्कि उसके पीछे के अर्थ से जुड़ने में मदद मिलती है।

गतिविधि 2 आपको इसे याद रखने में सबसे अधिक क्या मदद करता है?

उद्देश्य

यह समझना कि कैसे केवल उत्पाद नहीं बल्कि कहानी सुनाना ब्रांडों को यादगार बनाता है।

निर्देश

- किसी भी ऐसे ब्रांड के बारे में सोचें जिसे आप उसकी कहानी, संदेश या भावना के कारण स्पष्ट रूप से याद रखते हैं, न कि केवल उत्पाद के कारण। ब्रांड का नाम लिखें और उस कहानी या संदेश के बारे में एक पंक्ति लिखें जो आपको याद है।
- लिखने के बाद, अपनी प्रतिक्रिया अपने सहपाठी या छोटे समूह के साथ साझा करें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. इस ब्रांड की कहानी आपके साथ दूसरों की तुलना में अधिक समय तक क्यों टिकी रही?

....

....

....

प्रश्न 2. संदेश या भावना ने ब्रांड को अधिक विश्वसनीय या जुड़ने योग्य (Relatable) कैसे बनाया?

....

....

....

संकल्पना

विचार

एक ब्रांड नाम या लोगो से कहीं अधिक है, यह एक अनुभव है जो लोगों से जुड़ता है।

अर्थ

- **ब्रांडिंग = चेहरा**: किसी ब्रांड की दृश्य पहचान में शामिल उसका लोगो, रंग और टैगलाइन ब्रांड की पहली छाप (First impression) बनाते हैं।
- **कहानी सुनाना = हृदय**: वे भावनाएँ, उद्देश्य और मूल्य जिन्हें एक ब्रांड द्वारा ग्राहकों के साथ सार्थक संबंध बनाने के लिए साझा किया जाता है।

गतिविधि 3 ब्रांड के पीछे की कहानी सुनाएँ

उद्देश्य

यह समझना कि ब्रांड कहानी सुनाने के माध्यम से अपने उद्देश्य, मूल्यों और प्रभाव को कैसे व्यक्त करते हैं और साथ ही रचनात्मकता, संचार और भावनात्मक जुड़ाव के कौशल विकसित करना।

निर्देश

- एक ऐसा ब्रांड चुनें जो आपको सबसे अधिक पसंद आया हो।
- एक 2-3 मिनट की कहानी तैयार करें, जिसमें ब्रांड के उद्देश्य, उसके द्वारा हल की जाने वाली समस्या या चुनौती, उसके सिद्धांतों (Values) और ग्राहकों को दिए जाने वाले भावनात्मक संदेश की व्याख्या हो।

- अपनी कहानी स्पष्ट और रचनात्मक ढंग से दिए गए स्थान में लिखिए।

....

....

....

....

....

....

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. कहानी का कौन-सा हिस्सा आपको सबसे अधिक पसंद आया और क्यों?

....

....

प्रश्न 2. कहानी लोगों के साथ भावनात्मक जुड़ाव कैसे बनाती है?

....

....

प्रश्न 3. आपने ब्रांड द्वारा कहानी सुनाने और विश्वास एवं निष्ठा के निर्माण में इसके महत्त्व के बारे में क्या सीखा?

....

....

ज्ञानवर्धक

ब्रांड मूल्यों (Values) को कहानियों में कैसे बदलता है

- विश्वास → ईमानदारी → TANISHQ • जुड़ाव → हास्य → paper boat
- पुरानी यादों की भावुकता → यादें → Amul

ब्रांडिंग का सूत्र : मूल्य → कहानी → भावना → निष्ठा

शुगर कॉस्मेटिक्स: कहानी सुनाने की कला

साप्ताहिक कार्य

शुगर कॉस्मेटिक्स (SUGAR Cosmetics) की सह-संस्थापक विनीता सिंह ने विचारशील और जुड़ाव पैदा करने वाली कहानियों के माध्यम से एक ऐसा ब्रांड बनाया जो उत्पादों से परे जाकर लोगों से जुड़ा। केवल मेकअप के प्रचार पर ध्यान देने की जगह SUGAR ने साहसी जीवन विकल्प चुनने वाली, लीक से हटकर करियर बनाने वाली और अपनी वास्तविक पहचान व्यक्त करने वाली युवा महिलाओं की शक्तिशाली कहानियाँ साझा कीं। इन कथानकों (Narratives) ने साहस, महत्त्वाकांक्षा और आत्मविश्वास को सबके सामने प्रस्तुत किया, जिससे दर्शक ब्रांड के संदेश से भावनात्मक रूप से जुड़ सके। वास्तविक अनुभवों को पेश करके, SUGAR ने पारंपरिक सौंदर्य रूढ़ियों (Stereotypes) को चुनौती दी और प्रामाणिकता, विविधता, विश्वास और आधुनिक व्यक्तित्व को बढ़ावा दिया। मेकअप को केवल एक सौंदर्य उत्पाद के रूप में नहीं बल्कि आत्म-अभिव्यक्ति और व्यक्तिगत सशक्तिकरण के टूल के रूप में प्रस्तुत किया गया। निरंतर मूल्य-संचालित अभियानों (Value-driven campaigns) और अर्थपूर्ण कहानियों के माध्यम से, ब्रांड ने अपने दर्शकों के साथ एक मजबूत भावनात्मक संबंध बनाया। कहानी सुनाने के इस दृष्टिकोण ने SUGAR कॉस्मेटिक्स को साहसी, समावेशी और सामाजिक रूप से जागरूक ब्रांड के रूप में अलग पहचान बनाने में मदद की और लोगों के साथ विश्वास एवं लंबे समय तक टिकने वाला संबंध बनाया।

- SUGAR कॉस्मेटिक्स या किसी अन्य उत्पाद के लिए एक मूल्य-आधारित विज्ञापन बनाएं जो सामाजिक विषय को उजागर करता हो और जिसमें संदेश उत्पाद से अधिक महत्वपूर्ण हो। और उत्पाद की बजाय संदेश पर अधिक केंद्रित हो।

4.3 ब्रांड की कहानी: उद्देश्य, मूल्य और प्रभाव

ब्रांड की कहानी किसी व्यवसाय की आत्मा होती है; यह ब्रांड के पीछे की यात्रा, उद्देश्य, चुनौतियों, विश्वासों और प्रभाव को साझा करती है। जहाँ लोगो (Logo) और उत्पाद दृश्यता (Visibility) पैदा करते हैं, वहीं कहानियाँ भावना और अर्थ पैदा करती हैं। एक मजबूत ब्रांड कहानी लोगों को ब्रांड से जुड़ाव महसूस कराने में मदद करती है, जिससे वह अधिक यादगार, विश्वसनीय और जुडने लायक बन जाता है।

गतिविधि 4 समस्या से विचार तक

उद्देश्य

यह समझना कि प्रत्येक व्यावसायिक विचार की शुरुआत केवल एक उत्पाद नहीं बल्कि एक भावना, आवश्यकता या समस्या से भी होती है।

निर्देश

- कल्पना कीजिए कि आप आज अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर रहे हैं। उस एक भावना के बारे में सोचें जिसे आप चाहते हैं कि लोग आपके व्यवसाय के माध्यम से अनुभव करें।
- अपनी प्रतिक्रिया 2 वाक्यों में लिखें और अपने सहपाठी के साथ साझा करें।

....

....

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. क्या चीज़ आपके विचार को दूसरों के लिए सार्थक या मूल्यवान बनाती है?

....

....

प्रश्न 2. आपके विचार से सबसे अधिक लाभ किसे होगा और क्यों?

....

....

संकल्पना

प्रभावी ब्रांड कहानी के मुख्य घटक

कहानी के तत्व	विवरण
शुरुआत	बताता है कि ब्रांड का विचार कैसे जन्मा और उसकी यात्रा कहाँ से शुरू हुई।
उद्देश्य	समझाता है कि ब्रांड केवल लाभ कमाने से आगे क्यों अस्तित्व में है।
समस्या	उस आवश्यकता या चुनौती की पहचान करता है, जिसे ब्रांड हल करना चाहता है।
मूल्य	उन मुख्य सिद्धांतों को दर्शाता है, जो ब्रांड के कार्यों और निर्णयों का मार्गदर्शन करते हैं।
प्रभाव	दिखाता है कि ब्रांड कैसे सकारात्मक बदलाव लाता है और लोगों के जीवन को बेहतर बनाता है।

केस स्टोरी 2 टाटा टी 'जागो रे'

निर्देश

- इस केस स्टोरी को ध्यान से पढ़ें और अभियान (Campaign) के माध्यम से व्यक्त किए गए मुख्य मूल्यों की पहचान करें।
- विचार करें कि ब्रांड अपने उत्पाद को एक बड़े सामाजिक उद्देश्य से कैसे जोड़ता है।

टाटा टी: जागो रे (Tata Tea: Jaago Re)

टाटा टी केवल चाय बेचने के विचार से आगे निकल गई और उसने सामाजिक जागरूकता और ज़िम्मेदार कार्रवाई को प्रेरित करने का विकल्प चुना।

अपने प्रभावशाली "जागो रे" अभियान के माध्यम से, ब्रांड ने लोगों को न केवल सुबह जागने के लिए बल्कि अपनी सोच में भी जागरूक होने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अभियान ने मतदान, भ्रष्टाचार और नागरिक ज़िम्मेदारी जैसे महत्त्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों को संबोधित किया।

चाय को जागरूकता और कार्रवाई के संदेश के साथ जोड़कर, टाटा टी ने खुद को एक ऐसे ब्रांड के रूप में स्थापित किया जो केवल बिक्री नहीं बल्कि समाज की परवाह करता है। इस उद्देश्य-संचालित (Purpose-driven) कहानी सुनाने ने ब्रांड को अधिक अर्थपूर्ण, विश्वसनीय और लोगों से जुड़ने योग्य बना दिया। इसने दिखाया कि जब कोई व्यवसाय मज़बूत मूल्यों के साथ खड़ा होता है तो वह सकारात्मक बदलाव ला सकता है और उपभोक्ताओं के साथ गहरा भावनात्मक संबंध बना सकता है।

मुख्य मूल्य : जागरूकता • कार्रवाई • सशक्तिकरण • नैतिक ज़िम्मेदारी

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. एक ब्रांड कहानी को उन मूल्यों को स्पष्ट रूप से क्यों दर्शाना चाहिए, जिनका वह समर्थन करता है।

....

....

प्रश्न 2. कौन-से तत्त्व एक ब्रांड कहानी को प्रेरक और प्रभावशाली बनाते हैं?

....

....

प्रश्न 3. आप अपने ब्रांड को परिभाषित करने के लिए किस एक मूल्य को चुनेंगे और क्यों?

....

....

ज्ञानवर्धक

मूल्य केवल कहे नहीं जाते, उन्हें आचरण से दिखाया जाता है।

- **ध्यान रखना →** mamaearth
- **ज़िम्मेदारी →** TATA TEA
- **सादगी →** paper boat

मूल्य से ब्रांड सूत्र : शब्द - कार्रवाई - कहानी - ब्रांड छवि

उद्देश्य को प्रस्तुत करें

साप्ताहिक कार्य

इस सप्ताह, एक युवा उद्यमी की तरह सोचें और एक वास्तविक जीवन की समस्या, भावना या सामाजिक मुद्दे के आधार पर अपना खुद का ब्रांड बनाएँ, जो आपके लिए महत्त्व रखता हो। यह आत्मविश्वास, गरिमा, स्वास्थ्य, पर्यावरण या परिवार से संबंधित हो सकता है। अपने ब्रांड विचार को बनाने और प्रस्तुत करने के लिए नीचे दिए गए चरणों का पालन करें:

- **चिंतन से शुरुआत करें:** 2-3 पंक्तियाँ लिखें कि किस भावना या समस्या ने आपके ब्रांड विचार को प्रेरित किया और यह मुद्दा आपके लिए व्यक्तिगत रूप से क्यों मायने रखता है?

....

....

- **अपने ब्रांड का उद्देश्य परिभाषित करें** : एक प्रभावशाली पंक्ति में इस वाक्य को पूरा करें- "हमारा ब्रांड .... के लिए अस्तित्व में है।"

....

....

- **अपने ब्रांड मूल्यों का खाका तैयार करें:** किन्हीं तीन मूल्यों को चुनें, जिनका प्रतिनिधित्व आपका ब्रांड करेगा (जैसे- विश्वास, समावेशिता, ध्यान रखना या नवाचार)। प्रत्येक के लिए एक पंक्ति लिखें कि आपका ब्रांड उस मूल्य को कार्य में कैसे बदलता है।

....

....

- **अपने ब्रांड की पिच तैयार करें:** एक 'वर्ड पिच' लिखें, जिसमें बताया गया हो कि आपका विचार कैसे शुरू हुआ, ब्रांड किन सिद्धांतों पर खड़ा है, यह किस समस्या को हल करता है, किन मूल्य को बढ़ावा देता है और यह क्या प्रभाव पैदा करने की आशा रखता है।

....

....

- **"क्यों" पर ध्यान दें :** सुनिश्चित करें कि आपकी पिच केवल उत्पाद या सेवा पर नहीं, बल्कि उसके पीछे के उद्देश्य और भावनात्मक जुड़ाव पर प्रकाश डाले।

....

....

सारांश

- ब्रांडिंग पहचान बनाती है; कहानी सुनाना भावनाएँ पैदा करता है।
- एक मज़बूत ब्रांड का एक नाम, लोगो, टैगलाइन और मूल्यों होते हैं।
- एक अच्छी कहानी में एक शुरुआत, एक चुनौती, एक उद्देश्य, मूल्यों और प्रभाव प्रदर्शित होता है।
- **वेकफ़िट (Wakefit)** और **शुगर कॉस्मेटिक्स** जैसे केस स्टोरी दिखाते हैं: *मूल्य दिखते हैं → निष्ठा बढ़ती है।*
- ब्रांडिंग से ग्राहकों को आपको पहचानने में मदद करती है।
- कहानी सुनाना ग्राहकों के लिए याद रखने और आप पर विश्वास करने में मदद करता है।
- एक छोटा-सा शिक्षार्थी ब्रांड भी सही पहचान + कहानी के साथ अपनी अलग पहचान बना सकता है।

अध्याय 05

उद्यमियों को सशक्त बनाना: सरकारी योजनाएँ और सहयोग तंत्र

Q4E2C7

कालांश: 5

ब्रांडिंग और कहानी सुनाना आपको अपनी पहचान बनाने और लोगों से जुड़ने में मदद करते हैं। लेकिन **आगे बढ़ने के लिए सही सहयोग बहुत आवश्यक होता है।** कोई भी उद्यमी अकेले सफल नहीं होता। हर सफल काम के पीछे एक टीम और सहयोग का नेटवर्क होता है, जो मार्गदर्शन, संसाधन, अवसर और आत्मविश्वास देता है। यहीं से स्टार्टअप इकोसिस्टम शुरू होता है, जहाँ सरकार, मेंटर, इनक्यूबेटर, तकनीक और बाज़ार मिलकर विचारों को वास्तविक रूप देते हैं। इस अध्याय में आप जानेंगे कि सरकारी मदद क्यों आवश्यक है, यह स्टार्टअप की समस्याएँ कैसे कम करती है, और सही सहयोग से आपका विचार एक सफल व्यवसाय कैसे बन सकता है। इस अध्याय में आप समझेंगे कि यह पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) कैसे काम करता है, सरकार का सहयोग क्यों महत्त्वपूर्ण होता है और कैसे सही संबंध एवं सहयोग जोखिम को कम कर सकते हैं तथा प्रभाव को कई गुना बढ़ा सकते हैं। रोचक गतिविधियों के माध्यम से आप सीखेंगे कि इस इकोसिस्टम के भीतर अवसरों की पहचान कैसे की जाए और यह समझेंगे कि सही सहयोग और समर्थन के साथ आपका विचार किस प्रकार एक साधारण कहानी से आगे बढ़कर एक सतत और प्रभावशाली उद्यम में विकसित हो सकता है।

सीखने के प्रतिफल

शिक्षार्थी सक्षम होंगे कि वे

- भारत की प्रमुख सरकारी उद्यमिता योजनाओं को पहचाने और यह समझ सकें कि वे स्टार्टअप्स को समर्थन देने में किस प्रकार सहायक होती हैं।
- यह समझ सकें कि सरकारी योजनाएँ वित्तीय सहायता, नवाचार समर्थन और समावेशन के माध्यम से स्टार्टअप्स के सामने आने वाली चुनौतियों को कैसे कम करती हैं।
- उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र के प्रमुख घटकों को पहचाने और यह समझ सकें कि इनक्यूबेटर, मेंटर, वित्तपोषण और नीतियाँ स्टार्टअप्स के विकास में कैसे सहायता करती हैं।
- वास्तविक जीवन के स्टार्टअप उदाहरणों के विश्लेषण से यह समझ सकें कि सरकारी योजनाएँ और पारिस्थितिकी तंत्र का सहयोग उद्यमिता की सफलता में कैसे योगदान देता है।
- निर्णय लेने की क्षमता का उपयोग करते हुए स्टार्टअप विचारों को उपयुक्त सरकारी योजनाओं और पारिस्थितिकी तंत्र के समर्थन से जोड़ते हुए एक सरल स्टार्टअप समाधान या प्रस्तुति (पिच) बना सकें।

5.1 विचार से व्यवसाय तक: सरकारी योजनाएँ कैसे मदद करती हैं

व्यवसाय शुरू करना रोमांचक होता है, लेकिन हर स्टार्टअप को कुछ समस्याएँ आती हैं जैसे पैसे की कमी, कानूनी नियम, विशेषज्ञ सलाह और सही कार्यस्थल। युवा उद्यमियों की मदद के लिए भारत सरकार ने कई स्टार्टअप योजनाएँ शुरू की हैं। ये योजनाएँ नए उद्यमियों को आर्थिक सहायता, आसान रजिस्ट्रेशन, विशेषज्ञों से मार्गदर्शन, इनक्यूबेशन, केंद्र प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता प्रदान करती हैं।

इनकी जानकारी होने से शिक्षार्थियों और नए उद्यमियों को पता चलता है कि मदद कहाँ से लें, जोखिम कैसे कम करें और अपने विचार को सफल व्यवसाय में कैसे बदलें। सरल शब्दों में, सरकारी स्टार्टअप योजनाएँ एक सहयोग तंत्र की तरह नए विचारों को कक्षा अथवा घर से व्यवसाय की वास्तविक दुनिया तक पहुँचाने में मदद करती हैं।

गतिविधि 1 मेरा स्टार्टअप स्टार्टर पैक

उद्देश्य

स्टार्टअप के लिए आवश्यक सहयोग की पहचान करना और प्राथमिकता तय करना।

निर्देश

- कल्पना कीजिए कि आप आज एक छोटा स्टार्टअप शुरू कर रहे हैं।
- नीचे दिए गए विकल्प पढ़ें।
- शुरुआत में सबसे आवश्यक लगने वाले कोई भी तीन सहयोग (सपोर्ट) चुनें, जो आपको लगता है कि आपकी स्टार्टअप यात्रा शुरू करने के लिए महत्त्वपूर्ण है।
- हर चुने गए सहयोग के लिए स्पष्ट कारण लिखें।
- ईमानदारी से सोचे क्योंकि यहाँ कोई सही या गलत उत्तर नहीं है।
- कक्षा में अपने उत्तर साझा करने के लिए तैयार रहें।

विकल्प

मेंटर	निवेशक	इनक्यूबेटर	ग्राहक	**तकनीक**
टीम	सरकारी योजना	को-वर्किंग स्पेस		

अपने उत्तर लिखें

सहयोग	कारण

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1 आपके "स्टार्टअप स्टार्टर पैक" से एक युवा उद्यमी के रूप में आपकी प्राथमिकताओं, आवश्यकताओं और सोच के बारे में क्या पता चलता है?

....

....

प्रश्न 2 आपके स्टार्टअप की सफलता के लिए सबसे आवश्यक तत्त्व (जैसे फंडिंग, मेंटरशिप या टूल्स) कौन-सा है और क्यों?

....

....

प्रश्न 3 जैसे-जैसे आपका स्टार्टअप बढ़ेगा या चुनौतियाँ आएँगी, आपके चुनाव कैसे बदलेंगे?

....

....

संकल्पना

प्रमुख स्टार्टअप सहायता प्रणालियाँ*

चुनौती	सरकारी सहायता
धन की समस्या	मुद्रा लोन, स्टैंड-अप इंडिया
मेंटरशिप/कार्यस्थल का अभाव	अटल इनोवेशन मिशन (AIM), इनक्यूबेटर, को-वर्किंग स्पेस
जटिल पंजीकरण और अनुपालन	स्टार्टअप इंडिया पोर्टल
नवाचार और तकनीकी अंतर	AIM, ASPIRE (नवाचार, ग्रामीण उद्योगों और उद्यमिता को बढ़ावा देने की एक योजना)
विनिर्माण और विस्तार सहायता	मेक इन इंडिया
व्यवसायिक कौशल की कमी (मार्केटिंग, वित्त, संचालन)	स्किल इंडिया, उद्यमिता विकास कार्यक्रम (EDPs)

गतिविधि 2 स्टार्टअप चुनौतियाँ और सरकारी योजनाएँ

उद्देश्य

स्टार्टअप की चुनौतियों की पहचान करना और उन्हें उपयुक्त सरकारी योजनाओं से मिलाना।

निर्देश

- **कॉलम A** पढ़ें, जिसमें स्टार्टअप की सामान्य चुनौतियाँ दी गई हैं।
- **कॉलम B** पढ़ें, जिसमें विभिन्न सरकारी योजनाएँ दी गई हैं।
- **कॉलम A** की हर चुनौती को कॉलम B की सबसे उपयुक्त योजना से मिलाएँ।

	कॉलम A — चुनौतियाँ
1.	धन की कमी
2.	मेंटरशिप/कार्यस्थल की आवश्यकता
3.	बिना गिरवी के ऋण
4.	महिला उद्यमियों के लिए समर्थन
5.	नवाचार/तकनीक की आवश्यकता
6.	जटिल अनुपालन (compliance)
7.	विनिर्माण के अवसर

	कॉलम B — योजनाएँ
A.	अटल इनोवेशन मिशन
B.	मेक इन इंडिया
C.	स्टार्टअप इंडिया
D.	स्टैंड-अप इंडिया
E.	PMMY (प्रधान मंत्री मुद्रा योजना)
F.	ASPIRE
G.	स्टार्टअप इंडिया पोर्टल

चिंतन प्रश्न

- सरकारी योजनाएँ नए स्टार्टअप के जोखिम और बाधाओं को कम करने में कैसे मदद करती हैं?

....

....

संकल्पना

उद्यमिता और व्यवसाय वृद्धि को समर्थन देने वाली सरकारी योजनाएँ*

योजना	उद्देश्य	दी जाने वाली सहायता
GeM पोर्टल, जिला उद्योग केंद्र (DICs)	व्यवसायों को सरकारी और स्थानीय बाजार तक पहुँच दिलाना	बाजार से जोड़ना, खरीदार तक पहुँच, पंजीकरण सहायता
ASPIRE, PMEGP (Prime Minister's Employment Generation Programme)	ग्रामीण उद्यमिता और छोटे उद्योगों को बढ़ावा देना	वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण, इनक्यूबेशन समर्थन
डिजिटल इंडिया	डिजिटल उपकरणों और तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देना	डिजिटल ढांचा, ऑनलाइन सेवाएँ, तकनीकी पहुँच
(प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम) इंडिया, महिला ई-हाट	महिलाओं में उद्यमिता को बढ़ावा देना	वित्तीय सहायता, बाजार पहुँच, क्षमता निर्माण

सरकारी स्टार्टअप योजनाओं का अन्वेषण

साप्ताहिक कार्य

नीचे दी गई सूची में से किसी एक सरकारी योजना को चुनें और उसके मुख्य विवरण खोजें

- मेक इन इंडिया
- PMMY (प्रधान मंत्री मुद्रा योजना)
- ASPIRE
- स्टार्टअप इंडिया पोर्टल

विश्वसनीय ऑनलाइन/सरकारी स्रोतों का उपयोग करें। तालिका को अपने शब्दों में भरें। कार्य पूरा करने के बाद, अपने शोध (रिसर्च) से सीखी गई एक प्रमुख सीख को अगली कक्षा में अपने सहपाठियों के साथ साझा करने के लिए तैयार रहें।

तालिका भरें

शोध बिंदु	विवरण
योजना का नाम	
मंत्रालय/विभाग	
प्रारंभ वर्ष	
उद्देश्य	
कौन आवेदन कर सकता है	
सहायता का प्रकार	
मुख्य विशेषताएँ	
उदाहरण/सफलता कहानी	
न्यूनतम और अधिकतम ऋण राशि	

5.2 उद्यमिता सहयोग के लिए सरकारी योजनाएँ

स्टार्टअप शुरू करना सिर्फ एक अच्छा विचार होने तक सीमित नहीं है। इसके लिए पैसा, कौशल, मार्गदर्शन, तकनीक और सही पारितंत्र (इकोसिस्टम) भी आवश्यक होता है। कई युवा उद्यमी इसलिए संघर्ष करते हैं क्योंकि उन्हें पता नहीं होता कि मदद कहाँ से मिलेगी या किस सहायता प्रणाली का उपयोग करना है।

इसके लिए भारत सरकार ने युवाओं में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएँ शुरू की हैं, जैसे— स्टार्टअप इंडिया, स्टैन्डअप इंडिया, PMEGP (प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम), MUDRA (सूक्ष्म इकाइयों के विकास और पुनर्वित्त एजेंसी) ऋण, अटल इनोवैशन मिशन (AIM) और डिजिटल इंडिया। इन पहलों से वित्तीय सहायता, मेंटरशिप, प्रशिक्षण, इनक्यूबेशन, डिजिटल सहायता और आसान प्रक्रियाएँ मिलती हैं, जिससे विद्यार्थियों और नए उद्यमियों के लिए अपने विचारों को वास्तविक अवसरों में बदलना आसान हो जाता है।

गतिविधि 3 सोचो और समझो – योजना पहचानो!

उद्देश्य

भारत सरकार की स्टार्टअप, नवाचार, कौशल और उद्यमिता से जुड़ी प्रमुख योजनाओं को याद करना और पहचानना।

निर्देश

- नीचे दिए गए इमोजी संकेतों को ध्यान से देखें।
- इमोजी का अर्थ समझना।
- प्रत्येक संकेत से मिलती सही सरकारी योजना पहचानकर लिखना।
- अपने उत्तर दिए गए स्थान में स्पष्ट रूप से लिखना।

इमोजी संकेत	संकेत	उत्तर (योजना का नाम)
	नवाचार + तकनीक	
	महिला उद्यमी + ऋण सहायता	
	लघु उद्योग + विकास सहायता	
	स्कूल लैब + नवाचार + टिंकरिंग	
	डिजिटल प्लेटफॉर्म + ऑनलाइन सेवाएँ	
	छोटे विक्रेता + बिना जमानत ऋण	
	कौशल प्रशिक्षण + प्रमाणपत्र	
IN	निर्माण + राष्ट्र निर्माण	
	पहली बार उद्यमी + स्वरोज़गार	
	स्टार्टअप पंजीकरण + कर सहायता	

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1: आपके अनुसार कौन-सी सरकारी योजना विद्यार्थियों के लिए सबसे उपयोगी है और क्यों?

....

....

प्रश्न 2: क्या कोई योजना आपको नई या आश्चर्यजनक लगी? उसमें आपको क्या रोचक लगा?

....

....

प्रश्न 3: यदि आप युवा उद्यमियों के लिए नई सरकारी योजना तो वह किस पर केंद्रित होती?

....

संकल्पना

स्टार्टअप सहायता झलक: महत्त्वपूर्ण योजनाएं और अवसर*

योजना	मुख्य बिंदु	सहायता	कौन आवेदन कर सकता है	पात्रता
स्टार्टअप इंडिया (2016)	भारत तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप केंद्र; 1.25 लाख+ मान्यता प्राप्त	कर लाभ, आसान पंजीकरण, इनक्यूबेशन	स्टार्टअप संस्थापक, नवोन्मेषक, उद्यमी	मान्यता प्राप्त स्टार्टअप, 10 वर्ष से कम पुराना, नवाचार-आधारित
स्टैन्डअप इंडिया	महिला व SC/ST उद्यमियों के लिए ऋण	₹10 लाख–₹1 करोड़ तक ऋण	महिला उद्यमी, SC/ST उद्यमी	नया व्यवसाय (मैन्युफैक्चरिंग/सेवा/व्यापार), आयु 18+
PMEGP	सूक्ष्म उद्योगों को समर्थन	35% तक सब्सिडी	प्रथम बार उद्यमी, ग्रामीण व शहरी युवा	नया सूक्ष्म उद्यम, बुनियादी कौशल आवश्यक
MUDRA ऋण	छोटे विक्रेता और सूक्ष्म व्यवसाय	शिशु/किशोर/तरुण ऋण ₹10 लाख तक (बिना जमानत)	छोटे विक्रेता, दुकान मालिक, सूक्ष्म उद्यमी	गैर-कॉरपोरेट छोटे व्यवसाय
अटल इनोवैशन मिशन	10,000+ अटल टिंकरिंग लैब	नवाचार, इनक्यूबेटर	विद्यार्थी, स्टार्टअप, नवोन्मेषक, संस्थान	नवाचार से जुड़ा स्कूल/कॉलेज/स्टार्टअप
डिजिटल इंडिया	फिनटेक और डिजिटल स्टार्टअप को बढ़ावा	डिजिटल पहुंच, UPI इकोसिस्टम	तकनीकी स्टार्टअप, नागरिक, सेवा प्रदाता	डिजिटल-आधारित सेवाएँ या समाधान
मेक इन इंडिया	विनिर्माण को मजबूत बनाना	ईवी, ड्रोन, इलेक्ट्रॉनिक्स आदि को समर्थन	निर्माता, स्टार्टअप, MSME	मैन्युफैक्चरिंग या उत्पादन-आधारित व्यवसाय
स्किल इंडिया (PM-KVY)	युवाओं के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण	कौशल विकास + उद्यम सहायता	युवा, नौकरी चाहने वाले, इच्छुक उद्यमी	आयु 15–45 वर्ष; कौशल प्रशिक्षण में रुचि

गतिविधि 4 पिच परफेक्ट – योजना खोज चुनौती

उद्देश्य

सरकारी योजनाओं की समझ को लागू करना अर्थात असली स्टार्टअप विचारों को सही सरकारी योजना से जोड़ना और छोटी पिच के माध्यम से अपने चयन का कारण बताना।

(समूह कार्य)

- कक्षा में 9 टीम बनाइए।
- हर टीम नीचे दी गई सूची में से एक स्टार्टअप चुनें।
- टीम में चर्चा करके तय करें कि भारत सरकार की कौन-सी योजना आपके स्टार्टअप के लिए सबसे उपयुक्त है।
- 30 सेकंड की पिच तैयार करें और बताएँ कि आपने यह योजना क्यों चुनी।

स्टार्टअप परिदृश्य

- क्षेत्रीय भाषाओं में कोडिंग ऐप
- कृषि ड्रोन
- प्लास्टिक रीसाइक्लिंग यूनिट
- ग्रामीण हस्तशिल्प – मार्केटप्लेस
- ऑर्गेनिक खेती / डेयरी फार्म
- सिलाई केंद्र (महिला उद्यमी)
- बांस उत्पाद / सोलर सेवा
- बुटीक, मोबाइल रिपेयर, इको-प्रोडक्ट्स
- कम लागत वाला 3D प्रिंटर

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1 आपने अपने स्टार्टअप विचार के लिए यही योजना क्यों चुनी?

....

....

प्रश्न 2 यह योजना स्टार्टअप की कौन-सी समस्या हल करती है?

....

....

प्रश्न 3 क्या कोई दूसरी योजना भी आपके विचार को समर्थन दे सकती है? संक्षेप में बताइए।

....

....

ज्ञानवर्धक

स्टैंड-अप इंडिया (वित्त मंत्रालय)

यह योजना अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/महिला उद्यमियों को नया ग्रीनफील्ड उद्यम (निर्माण, सेवा, व्यापार या संबद्ध कृषि क्षेत्र में) शुरू करने के लिए ₹10 लाख से ₹1 करोड़ तक का ऋण देती है। गैर-व्यक्तिगत फर्मों में कम से कम 51% स्वामित्व अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/महिला के पास होना चाहिए।

भारत में स्टार्टअप यात्रा – शोध कार्य

साप्ताहिक कार्य

इस सप्ताह शोध करें और समझें कि भारत में स्टार्टअप कैसे काम करते हैं और बढ़ते हैं।

- **संक्षेप में उत्तर दें**
  - प्रश्न 1 **स्टार्टअप इकोसिस्टम** क्या होता है?

    ....
  - प्रश्न 2 भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम के **कोई तीन घटक** लिखें और समझाएँ (जैसे—सरकारी समर्थन, निवेशक, इनक्यूबेटर, मेंटर, तकनीक आदि)।

    ....
- **किसी भी दो भारतीय स्टार्टअप** पर शोध करें (पाठ्यपुस्तक, विश्वसनीय वेबसाइट या सरकारी/स्टार्टअप पोर्टल से)।
- जानकारी को दिए हुए खाली स्थान में भरें।

स्टार्टअप 1

- नामः ....
- संस्थापकः ....
- शुरू होने का वर्षः...
- समस्या जो हल कीः ....

स्टार्टअप 2

- नामः ....
- संस्थापकः ....
- शुरू होने का वर्षः...
- समस्या जो हल कीः ....

5.3 पात्रता और आवेदन प्रक्रिया को समझना

सरकारी योजनाओं के बारे में जानना पहला कदम है। उद्यमियों को यह भी समझना चाहिए कि कौन पात्र है, कौन-से दस्तावेज़ चाहिए और सही तरीके से आवेदन कैसे करें। इससे आत्मविश्वास बढ़ता है, गलतियाँ कम होती हैं और व्यवसाय शुरू करने की प्रक्रिया आसान बनती है।

गतिविधि 5 कौन आवेदन कर सकता है?

उद्देश्य

सरकारी स्टार्टअप योजनाओं में आवेदन के लिए आवश्यक पात्रता और दस्तावेज़ समझना।

निर्देश

- कल्पना करें कि आप स्टार्टअप इंडिया योजना या मुद्रा लोन के लिए आवेदन करना चाहते हैं।
- अपने आप से पूछें: "अगर मुझे आज आवेदन करना हो तो मुझे क्या दिखाना होगा?"
- सोचें कि कौन-सी पात्रता शर्तें और दस्तावेज़ आवश्यक हैं।
- अपने सहपाठी/समूह के साथ चर्चा करें।
- मिलकर A4 शीट पर सूची बनाएँ
  - पात्रता शर्तें
  - आवश्यक दस्तावेज़
- कक्षा चर्चा के दौरान अपनी सूची साझा करने के लिए तैयार रहें।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. स्टार्टअप के लिए ऋण या सहायता पाने में आपको कौन-सी आवश्यकता सबसे महत्त्वपूर्ण लगती है?

....

....

प्रश्न 2. क्या पात्रता या दस्तावेज़ों में ऐसी कोई बात थी जिसने आपको आश्चर्यचकित किया?

....

....

प्रश्न 3. इन चरणों को जानना आपकी अपनी व्यवसाय योजना बनाने में कैसे मदद कर सकता है?

....

....

संकल्पना

किसी भी योजना के लिए आवेदन करने से पहले: मुख्य आवश्यकताएँ और सुझाव*

- **पात्रता:** आयु, व्यवसाय का प्रकार, क्षेत्र और विशेष श्रेणियाँ (जैसे महिलाएँ, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति या युवा) की शर्तें अवश्य जाँचें।
- **आवश्यक दस्तावेज़:** आधार, पैन, बैंक विवरण, व्यवसाय योजना और लागत अनुमान तैयार रखें।
- **आवेदन प्रक्रिया:** ऑनलाइन पंजीकरण पूरा करें ⟶ आवश्यक दस्तावेज़ अपलोड करें ⟶ सत्यापन ⟶ स्वीकृति ⟶ ऋण/सहायता प्राप्त करें।

  अच्छी तैयारी से स्वीकृति मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

गतिविधि 6 आवेदन के लिए तैयार!

उद्देश्य

यह समझना कि कौन आवेदन कर सकता है, कौन-से दस्तावेज़ चाहिए और प्रमुख सरकारी स्टार्टअप योजनाओं की आवेदन प्रक्रिया क्या है।

निर्देश

- कक्षा में चार-चार विद्यार्थियों के समूह बनाइए।
- प्रत्येक समूह इनमें से एक योजना चुने
  - स्टार्टअप इंडिया
  - PMEGP
  - मुद्रा (MUDRA)
- अपनी चुनी हुई योजना के लिए अनुसंधान करें और पता लगाएँ
  - **कौन आवेदन कर सकता है?**
  - **आवेदन के चरण क्या हैं?**
  - **आवश्यक दस्तावेज़ कौन-से हैं?**
- अपने निष्कर्ष कक्षा के साथ साझा करने के लिए एक **छोटा प्रस्तुतीकरण** या चर्चा तैयार करें।

योजना	कौन आवेदन कर सकता है?	आवश्यक दस्तावेज	आवेदन के चरण

ज्ञानवर्धक

- अधिकांश आवेदन अब पूरी तरह ऑनलाइन होते हैं।
- स्पष्ट व्यवसाय योजन से अनुमोदन (approval) की संभावना बहुत बढ़ जाती है।
- महिलाओं और युवाओं को स्टैन्डअप, PMEGP, MUDRA में अधिक लाभ मिलता है।
- इनक्यूबेटर केवल जगह ही नहीं बल्कि मेंटर और वैश्विक अवसर भी देते हैं।
- यदि विचार नया और नवाचारी हो तो शिक्षार्थी भी स्टार्टअप इंडिया में आवेदन कर सकते हैं।

GIFT City — भारत का वैश्विक वित्त केंद्र

साप्ताहिक कार्य

GIFT City

गुजरात की GIFT City भारत का पहला **अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (IFSC)** है। यह एक विशेष क्षेत्र है, जिसे भारतीय व्यवसायों को वैश्विक वित्तीय बाजार से जोड़ने के लिए बनाया गया है। यहाँ **International FinTech Innovation Hub (IIFH)** स्टार्टअप्स को वित्त और तकनीक के संगम पर सहयोग देता है। GIFT City यह दर्शाती है कि सही नीतियाँ और एक मजबूत पारितंत्र (इकोसिस्टम) कैसे नवाचारी विचारों को राष्ट्रीय सीमाओं से आगे बढ़ाकर वैश्विक स्तर तक विकसित होने में सहायता कर सकते हैं। GIFT City के स्टार्टअप्स को कर लाभ, सरल नियम और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों व कंपनियों तक पहुँच मिलती है। यहाँ को-वर्किंग स्पेस, मेंटरशिप और फिनटेक-केंद्रित इनक्यूबेशन भी मिलता है, जिससे नए व्यवसायों को वैश्विक स्तर पर बढ़ने में मदद मिलती है।

- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें**
- प्रश्न 1: GIFT City में स्टार्टअप स्थापित करने के दो लाभ लिखिए।

  ....

  ....

  ....

- प्रश्न 2: एक छोटा अनुच्छेद लिखिए कि GIFT City जैसा सहायक वातावरण सरकारी योजनाओं के साथ मिलकर स्टार्टअप्स की वृद्धि में कैसे मदद करता है।

  ....

  ....

  ....

5.4 उद्यमिता सहायता तंत्र का मानचित्रण

कोई स्टार्टअप अकेले नहीं बढ़ता; वह एक सहायक पारितंत्र (ecosystem) में विकसित होता है। इस तंत्र में मेंटर, निवेशक, इनक्यूबेटर, को-वर्किंग स्पेस, सरकारी योजनाएँ और पेशेवर नेटवर्क शामिल होते हैं। ये सभी मिलकर किसी विचार को सफल व्यवसाय में बदलने में मदद करते हैं। उद्यमिता तंत्र संस्थानों, संसाधनों और लोगों का एक नेटवर्क है, जो उद्यमियों को विचार से लेकर कार्यान्वयन और विकास तक हर चरण में मार्गदर्शन, वित्त, प्रशिक्षण और अवसर प्रदान करता है।

गतिविधि 7 मेरा स्टार्टअप इकोसिस्टम बनाएँ

उद्देश्य

यह समझना कि स्टार्टअप अकेले नहीं बढ़ता। इसे अलग-अलग लोगों और प्रणालियों का समर्थन चाहिए और ये सभी समर्थन आपस में जुड़े होते हैं।

निर्देश

1. मुख्य विचार

- A4 शीट के बीच में एक बड़ा गोला बनाइए।
- उसके अंदर **"My Startup"** (मेरा स्टार्टअप) लिखिए।

2. सपोर्ट सर्किल (समर्थन गोले)

- मुख्य गोले के चारों ओर चार छोटे गोले बनाइए।
- उन्हें इस प्रकार नाम दीजिए

  मेंटर / मार्गदर्शन

  निवेशक / फंडिंग

  कानूनी और नियम सहायता

  कार्यस्थल / को-वर्किंग स्पेस

3. एक समस्या सोचें

- हर छोटे गोले में अपने स्टार्टअप की एक सरल समस्या लिखें।
- उदाहरण

  मेंटर: सही मार्गदर्शन नहीं

  फंडिंग: पर्याप्त पैसे नहीं

  कानूनी: नियमों की जानकारी नहीं

  कार्यस्थल: काम करने की सही जगह नहीं

4. संबंध दिखाएँ

- गोलों के बीच तीर (⟶) बनाइए।
- इससे पता चलेगा कि एक समर्थन दूसरे की कैसे मदद करता है।
- उदाहरण:

  मेंटर ⟶ निवेशक (अच्छा मार्गदर्शन फंडिंग दिलाने में मदद करता है)

  निवेशक ⟶ कार्यस्थल पैसे से जगह किराए पर मिलने में मदद मिलती है

5. सबसे महत्त्वपूर्ण समर्थन चुनें

- जिस समर्थन को आप शुरुआत में सबसे महत्त्वपूर्ण मानते हैं, उसके आगे 2 ☆ बनाइए।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1 इस गतिविधि से आपको कैसे समझ आया कि स्टार्टअप को अलग-अलग प्रकार के समर्थन की आवश्यकता होती है?

....

....

....

प्रश्न 2 आपके अनुसार नए स्टार्टअप के लिए कौन-सी समस्या सबसे कठिन होगी? क्यों?

....

....

....

प्रश्न 3 यदि शुरुआत में केवल एक ही समर्थन चुनना हो तो आप कौन-सा चुनेंगे और क्यों?

....

....

संकल्पना

घटक	उद्देश्य
सरकारी योजनाएँ (MUDRA,PMEGP, Stand-Up India, Startup India)	फंडिंग, जोखिम कम करना
इन्क्यूबेटर (T-Hub, Atal Incubation Centre, IIT इन्क्यूबेटर)	जगह, प्रशिक्षण, मार्गदर्शन
फंडिंग स्रोत	एंजेल, वेंचर कैपिटल, सरकारी अनुदान
मेंटर और नेटवर्क	मार्गदर्शन, उद्योग से जुड़ाव
अवसंरचना (infrastructre)	को-वर्किंग, मेकर लैब
शिक्षण संस्थान	शोध, नवाचार प्रयोगशालाएँ
समुदाय/बाज़ार	ग्राहक, स्थानीय नेटवर्क

केस स्टोरी 1 Phool.co

उद्देश्य

यह समझना कि मजबूत उद्यमिता परितंत्र नवाचार, स्थिरता और व्यापार वृद्धि को कैसे समर्थन देता है।

निर्देश

- Phool.co की केस स्टोरी ध्यान से पढ़ें।
- दिए गए परितंत्र समर्थन की समीक्षा करें और सोचें कि हर एक ने स्टार्टअप की सफलता में कैसे योगदान दिया।

Phool.co: सतत नवाचार की कहानी

2017 में, अंकित अग्रवाल ने कानपुर में देखा कि मंदिरों के फूल बड़ी मात्रा में **गंगा नदी** में फेंके जा रहे हैं, जिससे गंभीर प्रदूषण हो रहा था। उन्होंने इसे समस्या के साथ-साथ एक अवसर के रूप में देखा और धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए फूलों के कचरे को रिसायकल करने के लिए **Phool.co** की स्थापना की।

अंकित अग्रवाल

TIDES, IIT कानपुर के समर्थन तथा मेंटरशिप, निवेश फंडिंग और सरकारी पहलों (जैसे Startup India और AIM) की मदद से Phool.co ने फूलों को अगरबत्ती, खाद और बायोडिग्रेडेबल उत्पादों में बदलने की नई तकनीक विकसित की। यह स्टार्टअप महिलाओं को रोज़गार देने पर भी ध्यान देता है और वंचित समुदायों को आजीविका प्रदान करता है।

आज **Phool.co** विश्व स्तर पर निर्यात करता है, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान प्राप्त कर चुका है और यह दिखाता है कि नवाचार और परितंत्र समर्थन कैसे एक स्थानीय पर्यावरणीय चुनौती को सफल और टिकाऊ व्यवसाय में बदल सकते हैं।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न1. परितंत्र समर्थन Phool.co जैसे स्टार्टअप में नवाचार और सामाजिक प्रभाव को कैसे तेज़ करता है?

....

....

....

प्रश्न 2.एक विशेष तरीका पहचानें जिससे परितंत्र समर्थन ने Phool.co को पर्यावरणीय समस्या को सफल व्यवसाय में बदलने में मदद की।

....

....

ज्ञानवर्धक

- **टिप**: आपको सब कुछ जानने की आवश्यकता नहीं है—बस यह जानना आवश्यक है कि सही मदद कहाँ मिलेगी।
- **रोचक तथ्य:** भारत में 1000 से अधिक इनक्यूबेटर हैं, जो दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप सहायता नेटवर्क में से एक हैं।

स्टार्टअप पारितंत्र शोध

साप्ताहिक कार्य

किसी एक स्टार्टअप (स्थानीय, राष्ट्रीय या वैश्विक) को चुनें, जो किसी वास्तविक समस्या के समाधान के लिए जाना जाता हो।

शोध करें और लिखें कि उस स्टार्टअप को उसके परितंत्र से निम्न क्षेत्रों में कैसे लाभ मिला

नवाचार: स्टार्टअप ने कौन-सा नया विचार या समाधान बनाया?

सततता: यह कचरा कैसे कम करता है, संसाधन कैसे बचाता है या पर्यावरण/समुदाय की कैसे मदद करता है?

व्यवसाय वृद्धि: इसके बढ़ने में क्या मदद मिली—फंडिंग, मार्गदर्शन, साझेदारी आदि?

अपने निष्कर्ष 120–150 शब्दों के छोटे अनुच्छेद में लिखें।

5.5 ज्ञान का उपयोग और चिंतन

इस सत्र में विद्यार्थी सरकारी योजनाओं, पात्रता मानदंड, इनक्यूबेटर और स्टार्टअप सहायता प्रणालियों के बारे में अपने ज्ञान का उपयोग करेंगे। मिनी स्टार्टअप योजनाएँ बनाकर वे सीखेंगे कि अपने व्यवसाय विचार के लिए सबसे उपयुक्त योजना या सहायता कैसे चुनें। इससे उन्हें समझ आएगा कि वास्तविक स्टार्टअप संसाधनों और अवसरों का उपयोग करके कैसे सफल होते हैं।

गतिविधि 8 स्टार्टअप ब्रेन स्प्रिंट

उद्देश्य

सरकारी योजनाओं और भारतीय स्टार्टअप्स के बारे में पूर्व ज्ञान को सक्रिय करना और स्टार्टअप सहायता को प्रभावी ढंग से लागू करने की तैयारी करना।

निर्देश

- 2–3 मिनट स्वयं सोचें।
- भारत सरकार की ऐसी तीन योजनाओं की सूची बनाएँ जो उद्यमियों का समर्थन करती हैं।

  ....

- उन दो भारतीय स्टार्टअप्स के नाम लिखें, जिन्हें आप जानते हैं। ....

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1: आपके अनुसार युवा उद्यमियों के लिए कौन-सी सरकारी योजना सबसे उपयोगी है और क्यों?

....

....

प्रश्न 2: आपके विचार में सरकारी सहायता स्टार्टअप्स को बढ़ने में कैसे मदद करती है?

....

....

प्रश्न 3: क्या चर्चा के दौरान आपने अपने सहपाठियों से कोई नई योजना या स्टार्टअप के बारे में जाना?

....

....

संकल्पना

उद्यमियों के लिए सरकारी योजनाएँ — पात्रता और आवेदन

सरकारी योजनाओं के लिए पात्रता मानदंड

- स्टार्टअप भारत में पंजीकृत होना चाहिए (प्राइवेट लिमिटेड / एलएलपी / पार्टनरशिप)।
- उसे DPIIT द्वारा स्टार्टअप इंडिया के तहत मान्यता प्राप्त होनी चाहिए।
- व्यवसाय नवाचारी, विस्तार योग्य हो और मूल्य या रोजगार पैदा करता हो।
- कुछ योजनाओं में क्षेत्र या चरण के अनुसार अतिरिक्त शर्तें हो सकती हैं।

उद्यमी कैसे आवेदन कर सकते हैं

- DPIIT मान्यता प्राप्त करने के लिए Startup India पोर्टल पर पंजीकरण करें।
- आधिकारिक सरकारी पोर्टल (Startup India, Atal Innovation Mission, MeitY आदि) के माध्यम से आवेदन करें।
- आवश्यक दस्तावेज जमा करें जैसे—इन्कॉरपोरेशन विवरण और मूल व्यवसाय जानकारी।
- आवेदन की स्थिति ट्रैक करें और सहायता के लिए आधिकारिक हेल्पलाइन का उपयोग करें।

नोट: *पात्रता और प्रक्रिया योजना के अनुसार अलग-अलग हो सकती है। नवीनतम जानकारी के लिए हमेशा आधिकारिक सरकारी प्लेटफॉर्म देखें।*

केस स्टोरी 2 — टी-हब — जहाँ स्टार्टअप आइडिया बढ़ते हैं

टी-हब भारत के सबसे बड़े और सफल स्टार्टअप सहायता केंद्रों में से एक है। इसे युवा उद्यमियों को उनके नए विचारों को टिकाऊ व्यवसाय में बदलने में मदद करने के लिए बनाया गया है। यह **तेलंगाना सरकार** और प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों जैसे **IIIT-हैदराबाद, ISB और NALSAR** के सहयोग से स्थापित किया गया। टी-हब को एक साझा नवाचार केंद्र के रूप में बनाया गया है,

T-HUB

जहाँ स्टार्टअप, शिक्षाविद, उद्योग विशेषज्ञ और सरकारी संस्थाएँ मिलकर काम करते हैं, ताकि स्टार्टअप इकोसिस्टम मजबूत हो और शुरुआती उद्यमियों की चुनौतियाँ कम हों।

टी-हब के स्टार्टअप्स को साझा कार्यस्थल, उन्नत तकनीकी सहायता, विशेषज्ञ मार्गदर्शन और नियमित कार्यशालाएँ मिलती हैं। ये सुविधाएँ तकनीकी और व्यावसायिक कौशल दोनों को मजबूत करती हैं। यह केंद्र उद्यमियों को निवेशकों, कॉर्पोरेट भागीदारों और सरकारी योजनाओं जैसे **स्टार्ट अप इंडिया और अटल इनोवेशन मिशन (AIM)** से भी जोड़ता है। लोगों, संसाधनों और अवसरों को एक जगह लाकर, टी-हब एक मजबूत उद्यमी वातावरण बनाता है, जिससे स्टार्टअप तेजी से बढ़ते हैं, सही निर्णय लेते हैं और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते हैं।

चर्चा के प्रश्न

(निर्देश: नीचे दिए प्रश्नों पर छोटे समूहों में चर्चा करें और कक्षा में एक मुख्य बिंदु साझा करें।)

प्रश्न 1 आपको क्यों लगता है कि टी-हब जैसे स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए सरकार और शैक्षणिक संस्थानों की साझेदारी महत्त्वपूर्ण है?

....

....

....

प्रश्न 2 साझा कार्यस्थल और मेंटरशिप शुरुआती स्टार्टअप्स के जोखिम कैसे कम करते हैं?

....

....

....

प्रश्न 3 टी-हब द्वारा दी गई कौन-सी सहायता नए उद्यमी के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण है और क्यों?

....

....

....

प्रश्न 4 निवेशकों और सरकारी योजनाओं तक पहुँच स्टार्टअप्स को तेजी से बढ़ने में कैसे मदद करती है?

....

....

चिंतन प्रश्न

निर्देश: नीचे दिए प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर स्वयं लिखें।

प्रश्न 1 यदि आप स्टार्टअप संस्थापक होते, तो टी-हब की कौन-सी सुविधा सबसे पहले उपयोग करते और क्यों?

....

....

प्रश्न 2 टी-हब जैसे इकोसिस्टम का हिस्सा बनने से उद्यमी के निर्णय लेने के तरीके में क्या बदलाव आ सकता है?

....

....

प्रश्न 3 टी-हब की कहानी से आप अपने शैक्षणिक या करियर लक्ष्यों में कौन-सा सीख लागू कर सकते हैं?

....

....

ज्ञानवर्धक

अवधारणा का प्रमाण (PoC-Proof of Concept) Power

PoC आपके विचार का छोटा और कम लागत वाला रूप होता है, जो यह साबित करता है कि आपका आइडिया काम कर सकता है।

सरल PoC विकल्प

- कागज़ पर प्रोटोटाइप
- बेसिक मॉडल/मॉक-अप
- त्वरित सर्वे (20–30 उत्तर)
- छोटा ट्रायल रन (5–10 यूनिट बेचना)
- डिजिटल मॉक डिज़ाइन (Canva/Figma)

योजना मिलान

साप्ताहिक कार्य

नीचे दी गई स्टार्टअप चुनौतियों को देखें और उनके लिए उपयुक्त सरकारी योजना भरें।

क्षेत्र / विचार	संभावित योजना	क्यों उपयुक्त है
ऑर्गेनिक सब्जी डिलीवरी		ग्रामीण/ कृषि उद्यमों को समर्थन
टेलीमेडिसिन एप		डिजिटल स्वास्थ्य नवाचार को बढ़ावा
लर्निंग एप		एड-टेक और इनोवेशन लैब को समर्थन
पर्यावरण अनुकूल (इको फ्रेंडली)कपड़े		छोटे और महिला नेतृत्व वाले यूनिट्स की मदद
टिफिन / बेकरी		सूक्ष्म खाद्य व्यवसायों को समर्थन
कचरा रीसाइकलिंग		क्लीन- टेक और ग्रामीण नवाचार को बढ़ावा
ट्रैवल एंड टूरिज्म एप		डिजिटल पर्यटन सेवाओं को समर्थन

हस्त शिल्प		सूक्ष्म निर्माण (micro manufacturing) कोसमर्थन
सोलर किट		नवीकरणीय ऊर्जा निर्माण को समर्थन
कौशल प्रशिक्षण		सामाजिक प्रभाव वाले उद्यमों को समर्थन

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. स्टार्टअप इकोसिस्टम का कौन-सा हिस्सा आपको सबसे अधिक उपयोगी लगता है?

....

....

प्रश्न 2. सरकारी सहायता नए उद्यमियों का आत्मविश्वास कैसे बढ़ाती है?

....

....

प्रश्न 3. योजनाओं के साथ विचारों का मिलान करने के बारे में आपने क्या सीखा?

....

....

सारांश

उद्यमी अकेले नहीं बढ़ते; वे सही इकोसिस्टम के साथ आगे बढ़ते हैं। सरकारी योजनाएँ, इनक्यूबेटर, मेंटर्स, फंडिंग, तकनीक और बाज़ार मिलकर विचारों को सफल उद्यमों में बदलने में मदद करते हैं।

सरकारी समर्थन क्यों महत्त्वपूर्ण है

- स्टार्टअप्स को धन, कौशल, मार्गदर्शन, अनुपालन और बाज़ार तक पहुँच की कमी जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।
- सरकारी योजनाएँ जोखिम, लागत और भ्रम को कम करती हैं, खासकर नए और युवा उद्यमियों के लिए।
- योजनाएँ सुरक्षा कवच और विकास को तेज करने वाले साधन के रूप में काम करती हैं।

याद रखने योग्य प्रमुख सरकारी योजनाएँ

- स्टार्टअप इंडिया – आसान पंजीकरण, कर लाभ, इनक्यूबेशन, मार्गदर्शन
- मुद्रा (MUDRA / PMMY) – छोटे व्यवसायों के लिए बिना जमानत ऋण
- स्टैंड-अप इंडिया – महिलाओं और SC/ST उद्यमियों के लिए बड़े ऋण
- PMEGP / ASPIRE – ग्रामीण और सूक्ष्म उद्यम सहायता
- अटल इनोवेशन मिशन (AIM) – नवाचार लैब, इनक्यूबेटर, टिंकरिंग
- डिजिटल इंडिया – डिजिटल उपकरण, फिनटेक, ऑनलाइन सेवाएँ
- मेक इन इंडिया – विनिर्माण और विस्तार सहायता
- स्किल इंडिया / PMKVY – कौशल प्रशिक्षण और प्रमाणन
- स्टार्टअप इकोसिस्टम = सहयोग का नेटवर्क

एक सफल स्टार्टअप इकोसिस्टम में शामिल होते हैं:

- सरकारी योजनाएँ – फंडिंग और नीतिगत समर्थन
- इनक्यूबेटर नेटवर्क (T-Hub, IITs, AICs) – स्थान, मार्गदर्शन, नेटवर्क
- निवेशक और फंडिंग स्रोत – ऐन्जल (Angels), वीसी (VCs) अनुदान
- मेंटर्स और संस्थान – मार्गदर्शन और उद्योग अनुभव
- डिजिटल टूल्स और बाज़ार – ग्राहकों तक जल्दी पहुँच

स्टार्टअप तब फलते-फूलते हैं जब ये सभी तत्व साथ मिलकर काम करते हैं।

वास्तविक जीवन से प्रेरणा

- Phool.co – सततता + इनक्यूबेशन + सरकारी सहयोग
- T-Hub और GIFT City – इकोसिस्टम आधारित विकास की ताकत

अस्वीकरण: * से चिह्नित संकल्पना बॉक्स में दी गई सरकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी केवल शैक्षिक उद्देश्य हेतु है। पात्रता, लाभ और अन्य विवरण समय के साथ बदल सकते हैं, इसलिए नवीनतम जानकारी के लिए संबंधित सरकारी वेबसाइट अवश्य देखें।

अध्याय 06

सतत व्यवसाय के लिए डिजिटल साक्षरता

कालांश: 05

पिछला अध्याय हमें बताता है कि विचार तब मजबूत होते हैं जब उन्हें सही लोगों, नीतियों और मंचों का साथ मिलता है। आज की दुनिया में यह सब डिजिटल स्पेस से जुड़ा है। सरकारी योजनाओं के लिए आवेदन करने से लेकर ग्राहकों और बाजारों तक पहुँचने तक तकनीक हर उद्यमी की यात्रा में बड़ी भूमिका निभाती है। इससे एक आवश्यक सवाल पैदा होता है: हम डिजिटल दुनिया का उपयोग समझदारी, सुरक्षा और जिम्मेदारी से कैसे करें? इस अध्याय में आप **डिजिटल साक्षरता** और व्यवसाय में **AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस)** की भूमिका के बारे में जानेंगे। आप सीखेंगे कि आपका ऑनलाइन व्यवहार कैसे एक स्थायी छाप छोड़ता है, खुद को डिजिटल खतरों से कैसे बचाएँ और तकनीक का उपयोग पर्यावरण के अनुकूल विकास के लिए कैसे करें।

सीखने के प्रतिफल

शिक्षार्थी सक्षम होंगे कि वे

- सामान्य डिजिटल जोखिमों का आकलन कर सकें तथा उनके व्यक्तियों, स्टार्टअप्स और पेशेवर प्रतिष्ठा पर पड़ने वाले प्रभाव को समझा सकें।
- डिजिटल फुटप्रिंट को समझते हुए जिम्मेदार और नैतिक डिजिटल व्यवहार प्रदर्शित कर सकें तथा यह समझ सकें कि इसका विश्वास और विश्वसनीयता पर क्या प्रभाव पड़ता है।
- मजबूत पासवर्ड, टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन, सुरक्षित डेटा साझा करना और उचित प्राइवेसी सेटिंग्स जैसी सुरक्षित डिजिटल प्रथाओं को अपनाकर व्यक्तिगत और व्यावसायिक डेटा की सुरक्षा कर सकें।
- डेटा सुरक्षा के महत्व को समझा सकें और नैतिक ऑनलाइन व्यवहार को ग्राहक के विश्वास, प्रतिष्ठा और व्यवसाय की सफलता से जोड़ सकें।
- पर्यावरणीय स्थिरता में एआई (AI) की भूमिका को समझ सकें, पर्यावरणीय समस्याओं के समाधान के लिए सरल एआई-आधारित व्यावसायिक विचारों की पहचान कर सकें, तथा लाभ, लोगों और पर्यावरण के बीच संतुलन रखते हुए एआई के जिम्मेदार उपयोग की आवश्यकता को समझ सकें।

6.1 साइबर सुरक्षा और नैतिक डिजिटल व्यवहार

आज की डिजिटल दुनिया में, हमारे द्वारा भेजा गया हर मैसेज, शेयर की गई फोटो या किया गया कमेंट एक निशान छोड़ जाता है, जिसे 'डिजिटल फुटप्रिंट' कहते हैं। समय के साथ यही निशान हमारी छवि, पढ़ाई-लिखाई के मौकों और कारोबार में हमारी साख को तय करते हैं। जब हम ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का प्रयोग लापरवाही से करते हैं, जैसे आवश्यकता से अधिक जानकारी शेयर करना, कमज़ोर पासवर्ड रखना या गलत व्यवहार करना तो इससे व्यक्ति और संस्थाएं धोखेबाज़ी, डेटा चोरी और प्रतिष्ठा की क्षति हो सकती है। ऑनलाइन दुनिया में ज़िम्मेदारी से व्यवहार करना सीखना बेहद आवश्यक है ताकि हम सुरक्षित रह सकें और निजी व व्यावसायिक जीवन में विश्वास बना सकें।

गतिविधि 1 डिजिटल गलती को पहचानें

उद्देश्य

- स्टार्टअप्स के सामने आने वाले सामान्य डिजिटल खतरों को पहचानना।
- यह समझना कि डिजिटल माध्यमों का गलत प्रयोग किस तरह हानि पहुँचा सकता है।

निर्देश

- नीचे दी गई स्थिति को ध्यान से पढ़ें।
- अकेले या छोटे समूहों में काम करें।
- नीचे दिए गए सवालों पर अपने साथियों के साथ चर्चा करें और अपने जवाब नोट करें।

परिदृश्य: ग्रीनकार्ट स्टूडियो (GreenCart Studio) में क्या गड़बड़ हुई?

ग्रीनकार्ट स्टूडियो, जो पर्यावरण के अनुकूल उत्पाद बनाने वाला एक छोटा स्टार्टअप है, अचानक गंभीर डिजिटल समस्याओं का सामना करने लगा। ग्राहकों को अजीबोगरीब ईमेल और मैसेज मिलने लगे, कंपनी के कुछ निजी दस्तावेज़ इंटरनेट पर लीक हो गए, और ग्राहकों के कुछ पेमेंट्स भी किसी अनजान खाते में जाने लगे। टीम को एहसास हुआ कि उनके डिजिटल टूल्स के प्रयोग में कहीं न कहीं कोई बड़ी चूक हुई है, लेकिन वे समझ नहीं पा रहे थे कि किस प्लेटफॉर्म या किस गलती की वजह से यह मुसीबत खड़ी हुई।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. आपके हिसाब से इस समस्या के लिए कौन सा डिजिटल प्लेटफॉर्म (ईमेल, क्लाउड स्टोरेज, सोशल मीडिया या पेमेंट ऐप) सबसे ज़्यादा ज़िम्मेदार हो सकता है? कोई एक कारण बताइए।

....

....

....

प्रश्न 2. इस गलती को सुधारने के लिए टीम को सबसे पहले किस डिजिटल गतिविधि या अकाउंट की जाँच करनी चाहिए?

....

....

प्रश्न 3. आपको क्या लगता है, टीम ने डिजिटल सुरक्षा के किस आवश्यक नियम या तरीके को नज़रअंदाज़ (अनदेखा) किया होगा?

....

....

संकल्पना

जिम्मेदार ऑनलाइन व्यवहार

- पोस्ट करने से पहले सोचें; केवल आवश्यक और जाँची-परखी जानकारी ही साझा करें
- ऑनलाइन हमेशा सम्मानजनक और पेशेवर भाषा का प्रयोग करें।
- अपने पासवर्ड और निजी जानकारी को सुरक्षित रखें।
- अनजान लिंक या संदिग्ध मैसेज का जवाब न दें।

डिजिटल फुटप्रिंट (Digital Footprint)

- ऑनलाइन की गई गतिविधियों का रिकॉर्ड, जैसे कि पोस्ट, लाइक, कमेंट, फोटो और अपलोड की गई जानकारी।
- यह स्थायी (permanent) हो सकता है और इसे मिटाना बहुत कठिन होता है।
- यह आपकी व्यक्तिगत, शैक्षणिक और पेशेवर छवि (reputation) बनाता है।
- यह भविष्य के अवसरों, जैसे - पढ़ाई, नौकरी और व्यापार में भरोसे को प्रभावित करता है।

सामान्य डिजिटल जोखिम (Common Digital Risks)

जोखिम	अर्थ	प्रभाव
फ़िशिंग (Phishing)	डेटा माँगने वाले नकली मैसेज	खाता / वित्तीय हानि
डेटा चोरी	ग्राहक की जानकारी चुराना	भरोसे का टूटना
ऑनलाइन घोटाले	लालच देने वाले नकली लिंक	पैसों का हानि
नकली समीक्षाएँ	कंपनी के बारे में झूठे कमेंट	छवि खराब होना
अत्यधिक साझा करना	बहुत ज्यादा निजी जानकारी देना	पहचान का गलत प्रयोग

केस स्टोरी 1 रिया की ऑनलाइन छवि

निर्देश

- केस स्टोरी को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
- रिया के कार्यों और उनके परिणामों पर विचार करें।
- प्रश्नों के उत्तर व्यक्तिगत रूप से दें या जोड़ों में उन पर चर्चा करें।

रिया की ऑनलाइन छवि

रिया एक होनहार कॉलेज छात्रा थी। उसने एक बड़ी कंपनी में इंटर्नशिप के लिए आवेदन किया। कंपनी ने उसकी सोशल मीडिया प्रोफाइल देखी। रिया ने अपनी प्रोफाइल पर कुछ ऐसी निजी जानकारी और फोटो शेयर किए थे जो एक पेशेवर (Professional) व्यक्ति के लिए सही नहीं लग रहे थे। इस वजह से रिया का चयन नहीं हुआ।

इंटर्नशिप के चयन के दौरान, पैनल को लगा कि रिया में वह ज़िम्मेदारी और पेशेवर व्यवहार (professionalism) नज़र नहीं आ रहा, जिसकी एक इंटर्न से उम्मीद की जाती है। नतीजा यह हुआ कि शुरुआत में रिया को नहीं चुना गया। रिया बहुत हैरान और दुखी थी, लेकिन बाद में उसे फीडबैक मिला जिसमें उसे अपनी कमियों के बारे में बताया गया।

रिया ने इसे सीखने के एक मौके के रूप में लिया। उसने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स को फिर से देखा, आपत्तिजनक पोस्ट हटा दिए, अपनी प्राइवेसी सेटिंग्स (privacy settings) बदलीं और ऑनलाइन कुछ भी शेयर करने से पहले वह ज़्यादा सावधान रहने लगी। उसने सोशल मीडिया का सकारात्मक प्रयोग करना भी सीखा—जैसे अपनी रुचियों, अपनी उपलब्धियों और अपने हुनर को दुनिया के सामने रखना। कुछ महीनों बाद जब उसने वैसी ही एक इंटर्नशिप के लिए फिर से आवेदन किया, तो उसकी सुधरी हुई ऑनलाइन छवि ने एक अच्छा प्रभाव डाला और इस बार उसका सिलेक्शन हो गया।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न.1. रिया ने अपनी ऑनलाइन प्रोफाइल को संभालने में कौन सी विशिष्ट गलतियाँ की थीं?

....

....

....

प्रश्न 2. रिया के डिजिटल फुटप्रिंट ने इंटर्नशिप के फैसले को कैसे प्रभावित किया?

....

....

....

प्रश्न 3. अपनी ऑनलाइन छवि सुधारने के लिए रिया ने क्या बदलाव किए?

....

....

....

ज्ञान वर्धक

साइबर धोखाधड़ी से बचने के लिए व्यक्तिगत या पेमेंट की जानकारी डालने से पहले हमेशा वेबसाइट की सुरक्षा (https:// और लॉक आइकन) ज़रूर चेक करें।

हैकिंग और डेटा चोरी के जोखिम को कम करने के लिए 'टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन' (2FA) का उपयोग करें और ऐप्स/सॉफ्टवेयर को नियमित रूप से अपडेट करें।

डिजिटल सुरक्षा का व्यवहारिक अनुप्रयोग" (Digital Safety in Action)

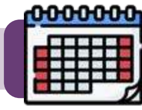

साप्ताहिक कार्य

प्रत्येक स्थिति को ध्यान से पढ़ें। हर परिदृश्य (scenario) के लिए, उसमें शामिल डिजिटल जोखिम के बारे में सोचें और सबसे सुरक्षित प्रतिक्रिया तय करें। प्रत्येक शीर्षक के नीचे दी गई जगह में **संक्षिप्त और स्पष्ट** उत्तर लिखें। आप पहले व्यक्तिगत रूप से कार्य कर सकते हैं और फिर अपने उत्तरों पर अपने साथी या कक्षा के साथ चर्चा कर सकते हैं।

प्रश्न.1.स्टोर मालिक को बैंक का मैसेज: एक स्टोर मालिक को बैंक के नाम से एक मैसेज मिलता है, जिसमें खाते की जानकारी माँगी गई है।

☐ खतरा: .... ☐ सुरक्षित कदम: ....

प्रश्न.2. ग्राहकों के ईमेल इकट्ठा करना: एक छोटा व्यवसाय ऑफर और अपडेट के लिए ग्राहकों के ईमेल आईडी इकट्ठा करता है।

☐ सावधानियाँ: .... ☐ विश्वास कैसे बनाएँ: ....

प्रश्न.3. कंपनी के लिए नकली नकारात्मक रिव्यू: एक कंपनी को कई ऐसे नकारात्मक रिव्यू मिलते हैं जो झूठे या संदिग्ध लगते हैं।

☐ कंपनी पर प्रभाव: .... ☐ सही कदम: ....

प्रश्न.4. संदिग्ध लिंक पर क्लिक करना:एक शिक्षार्थी ईमेल या संदेश के माध्यम से प्राप्त किसी अज्ञात लिंक पर क्लिक कर देता है।

☐ तत्काल कार्रवाई: .... ☐ सीख: ....

6.2 व्यवसाय और सहकार्य के लिए सुरक्षित डिजिटल अभ्यास

डिजिटल टूल्स हमें ऑनलाइन मिलकर काम करने, नई चीज़ें बनाने और अपने काम को बढ़ावा देने में मदद करते हैं, लेकिन इनके प्रयोग में सावधानी आवश्यक है। सुरक्षित डिजिटल आदतें, जैसे - मज़बूत पासवर्ड, प्राइवेसी सेटिंग्स और सोच-समझकर जानकारी शेयर करना, आपके विचारों, डेटा और आपकी ऑनलाइन पहचान की रक्षा करती हैं।

गतिविधि 2 अपना प्लेटफॉर्म चुनें!

उद्देश्य

- अलग-अलग डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और उनके प्रयोग को पहचानना।
- उद्देश्य, दर्शकों और सुरक्षा के आधार पर सही प्लेटफॉर्म का चुनाव करना।

परिदृश्य

आपके पास कोई खास हुनर है—जैसे पेंटिंग, संगीत, डांस, फोटोग्राफी, कोडिंग, क्राफ्ट बनाना, कहानी सुनाना या खेलकूद की कला—और आप इसे ऑनलाइन साझा) करना चाहते हैं ताकि दूसरे लोग आपके काम को देख सकें। इसके लिए आप सोशल मीडिया ऐप्स, वीडियो शेयरिंग प्लेटफॉर्म, ब्लॉग या प्रोफेशनल वेबसाइट्स जैसे डिजिटल माध्यमों का प्रयोग कर सकते हैं। याद रखें, हर प्लेटफॉर्म के अपने फायदे और कुछ डिजिटल जोखिम होते हैं।

निर्देश

- अपने किसी एक हुनर या कौशल के बारे में सोचें जिसे आप दुनिया को दिखाना चाहते हैं और उसके लिए सबसे सही ऑनलाइन प्लेटफॉर्म चुनें (जैसे इंस्टाग्राम, यूट्यूब, कोई ब्लॉग या स्कूल की वेबसाइट)।
- यह तय करें कि प्राइवेसी, सुरक्षा, दर्शकों और अपनी छवि को ध्यान में रखते हुए यह प्लेटफॉर्म एक अच्छा चुनाव क्यों है।
- अपने चुनाव के बारे में अपने साथी के साथ चर्चा करें और पूरी क्लास को अपना कारण बताएँ।

चिंतन प्रश्न (सोचें और लिखें)

अपने हुनर को बढ़ावा देने के लिए आप कौन सा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म चुनेंगे, और वह सबसे सही और सुरक्षित विकल्प क्यों है?

....

....

....

....

संकल्पना

सुरक्षित डिजिटल अभ्यास

अभ्यास	इसका क्या अर्थ है	यह क्यों महत्त्वपूर्ण है
मज़बूत पासवर्ड	अक्षर, संख्या और प्रतीकों का मिश्रण	हैकिंग से बचाता है
टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (2FA)	सुरक्षा की एक अतिरिक्त परत जोड़ना	सुरक्षा को और मज़बूत बनाता है
प्राइवेसी सेटिंग्स	यह नियंत्रित करना कि आपकी जानकारी कौन देख सकता है	जानकारी के गलत प्रयोग को रोकता है
सुरक्षित शेयरिंग	केवल आवश्यक विवरण ही साझा करना	आपकी पहचान की रक्षा करता है
सुरक्षित सहकार्य उपकरण	सुरक्षित लिंक और एक्सेस अधिकारों का उपयोग करना	डेटा लीक होने से बचाता है

केस स्टोरी 2 नाइकी × एप्पल – स्मार्ट और सुरक्षित सहकार्य

निर्देश

- केस स्टोरी को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
- पहचानें कि डिजिटल उपकरणों का सुरक्षित रूप से उपयोग कैसे किया गया था।
- प्रश्नों के उत्तर व्यक्तिगत रूप से दें या जोड़ों में उन पर चर्चा करें।

नाइकी × एप्पल – स्मार्ट और सुरक्षित सहकार्य

टिमोथी डोनाल्ड कुक

नाइकी और एप्पल नवाचार के लिए जाने जाने वाले दो वैश्विक ब्रांड हैं। जब उन्होंने फिटनेस से जुड़े उत्पादों और डिजिटल समाधानों पर मिलकर काम करने का फैसला किया, तो उनकी टीमें अलग-अलग देशों में स्थित थीं। आपस में सुचारू रूप से तालमेल बिठाने के लिए, उन्होंने डिजिटल टूल्स का उपयोग किया, जैसे संचार के लिए Slack, मीटिंग्स के लिए Zoom, और डिज़ाइन और रिसर्च डेटा साझा करने के लिए क्लाउड प्लेटफॉर्म।

डिजाइन और यूजर रिसर्च (उपयोगकर्ता अनुसंधान) साझा करते समय, दोनों कंपनियों ने सख्त डिजिटल सुरक्षा नियमों का पालन किया। टीम के सदस्यों के बीच बातचीत के लिए एन्क्रिप्टेड चैनलों (encrypted channels) का उपयोग किया गया और महत्त्वपूर्ण अकाउंट्स की सुरक्षा के लिए मल्टी-लेवल ऑथेंटिकेशन (multi-level authentication) लागू की गई।

इन सुरक्षा उपायों ने डेटा लीक होने, जानकारी के गलत प्रयोग और भरोसे की कमी जैसे खतरों को रोक दिया। चूंकि उनका डिजिटल सहकार्य पूरी तरह सुरक्षित था, इसलिए टीमें बिना किसी डर के अपने विचार साझा कर सकीं और बेहतर तरीके से काम कर सकीं। यह उदाहरण दिखाता है कि सफल टीम वर्क और लंबे समय तक चलने वाले सहकार्य के लिए सुरक्षित डिजिटल अभ्यास अनिवार्य हैं।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. सुरक्षित डिजिटल सहकार्य ने नाइकी और एप्पल के बीच विश्वास बनाने में कैसे मदद की?

....

....

....

प्रश्न 2. अगर डिजाइन और रिसर्च को लापरवाही से साझा किया जाता, तो क्या समस्याएँ हो सकती थीं?

....

....

....

प्रश्न 3. इस केस स्टोरी से छात्र अपने ग्रुप प्रोजेक्ट्स के लिए कौन से डिजिटल सुरक्षा अभ्यास अपना सकते हैं?

....

....

....

सुरक्षित डिजिटल सहकार्य — साप्ताहिक कार्य

- **दिए गए परिदृश्य को पढ़ें और नीचे दिए गए निर्देशों के अनुसार कार्य करें।**

टीम इनोवेट' नाम के छात्रों के एक समूह ने **इको बॉक्स(Eco box)** नाम के एक स्कूल स्टार्टअप प्रोजेक्ट पर काम करना शुरू किया, जो पर्यावरण के अनुकूल (eco-friendly) पैकेजिंग विचारों पर केंद्रित था। उन्होंने अपनी योजना लिखने के लिए **गूगल डॉक्स(Google Docs)**, मीटिंग्स के लिए **ज़ूम(Zoom)** और कार्यों को ट्रैक करने के लिए **ट्रेलो(Trello)** का उपयोग किया। टीम के एक सदस्य ने गलती से उचित अनुमति (permissions) सेट किए बिना एक दस्तावेज़ का लिंक सार्वजनिक रूप से साझा कर दिया। परिणामस्वरूप, अनजान लोगों ने उस तक पहुँच बना ली और उन्हें अहसास हुआ कि असुरक्षित शेयरिंग और कमज़ोर डिजिटल अभ्यास किस तरह सहयोग को हानि पहुँचा सकते हैं।

- कल्पना करें कि आप और आपके सहपाठी एक ऑनलाइन प्रोजेक्ट पर एक टीम के रूप में काम कर रहे हैं। नीचे दी गई तालिका को यह लिखकर पूरा करें कि प्रत्येक नियम क्यों महत्त्वपूर्ण है और आपकी टीम में इसे मानने के लिए कौन ज़िम्मेदार होगा।

टीम सुरक्षा नियम (प्रारूप)

ग्रुप का नाम: .... प्रोजेक्ट: ....

तारीख: .... टीम के सदस्य: ....

क्र.सं.	नियम	यह क्यों महत्त्वपूर्ण है	ज़िम्मेदार व्यक्ति
1	मज़बूत और यूनीक पासवर्ड का उपयोग करें		
2	टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (2FA) चालू करें		
3	सही अनुमति (permissions) के साथ लिंक साझा करें		
4	निजी विवरण साझा करने से बचें		
5	काम का नियमित रूप से बैकअप लें		
6	सम्मानपूर्वक संवाद करें		
7	साझा किए गए डिवाइस से लॉग आउट करें		
8	संदिग्ध गतिविधि की रिपोर्ट करें		

6.3 डेटा प्राइवेसी (निजता) अभ्यासों को लागू करना और चिंतन

सोशल मीडिया युवा उद्यमियों के लिए दृश्यता (visibility) तो बढ़ाता है, लेकिन यह ग्राहकों के डेटा का दुरुपयोग, घोटाले (scams) और हानिकारक बातचीत जैसे जोखिम भी लाता है। सुरक्षित डिजिटल व्यवहार भरोसे और सुरक्षा को बनाए रखने में मदद करता है।

गतिविधि 3 एक सुरक्षित ऑनलाइन बिजनेस प्रोफाइल बनाएँ!

उद्देश्य

एक ऑनलाइन व्यवसाय चलाने के दौरान डिजिटल सुरक्षा और डेटा प्राइवेसी के महत्त्व को समझना और वास्तविक जीवन के व्यावसायिक संदर्भ में सुरक्षित अभ्यासों को लागू करना।

परिदृश्य

कल्पना कीजिए कि आप और आपके साथी मिलकर शिक्षार्थियों द्वारा संचालित एक छोटा ऑनलाइन व्यवसाय शुरू कर रहे हैं (जैसे कि हस्तशिल्प, स्नैक्स, कला, ट्यूशन, या डिजिटल सेवाएँ)। आप सोशल मीडिया, मैसेजिंग ऐप्स और डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने व्यवसाय का प्रचार करने और ग्राहकों से जुड़ने की योजना बना रहे हैं। ग्राहकों का विश्वास जीतने और डिजिटल जोखिमों से बचने के लिए, आपके व्यवसाय को डिजिटल सुरक्षा के कड़े नियमों का पालन करना अनिवार्य है।

निर्देश (जोड़ी में कार्य)

- जोड़ियाँ बनाएँ और सोचें कि आप किस तरह का ऑनलाइन व्यवसाय चलाना चाहते हैं।
- उन संभावित डिजिटल जोखिमों पर चर्चा करें जिनका आपके व्यवसाय को सामना करना पड़ सकता है (जैसे डेटा का गलत प्रयोग, पेमेंट फ्रॉड, प्राइवेसी की समस्याएँ)।
- अपने व्यवसाय के लिए एक डिजिटल सुरक्षा चेकलिस्ट (Digital Safety Checklist) तैयार करें जिसमें ये शामिल हों
  - ग्राहकों के डेटा की सुरक्षा
  - पासवर्ड और अकाउंट की सुरक्षा

- सुरक्षित भुगतान के तरीके
- जिम्मेदार ऑनलाइन संचार

- अपने ऑनलाइन व्यवसाय के लिए चेकलिस्ट में कम से कम 5-7 सुरक्षा नियम लिखें।
- अपनी चेकलिस्ट को कक्षा के साथ साझा करने के लिए तैयार रहें।

व्यवसाय का नाम ....

चेकलिस्ट ....

....

....

....

....

संकल्पना

डेटा गोपनीयता क्यों मायने रखती है?

मुख्य विचार

ग्राहकों के डेटा की सुरक्षा करना हर व्यवसाय की एक महत्त्वपूर्ण ज़िम्मेदारी है।

क्यों और कैसे

- **ग्राहक व्यक्तिगत जानकारी साझा करते हैं:** ग्राहक अपना नाम, फोन नंबर, पता और भुगतान (payment) जैसी जानकारी प्रदान करते हैं।
- **डेटा सुरक्षा आवश्यक है:** मज़बूत पासवर्ड, सुरक्षित भुगतान प्रणाली और भरोसेमंद डिजिटल टूल्स का उपयोग जानकारी को सुरक्षित रखने में मदद करता है।
- **नैतिक व्यवहार विश्वास बनाता है:** व्यवसायों को कभी भी चैट के स्क्रीनशॉट साझा नहीं करने चाहिए, डेटा का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए और न ही ग्राहकों की जानकारी बेचनी चाहिए।
- **भरोसे से व्यापार बढ़ता है:** जब ग्राहक सुरक्षित महसूस करते हैं, तो वे दोबारा आते हैं और दूसरों को भी आपके व्यवसाय की सलाह देते हैं।
- **व्यवसायों की कानूनी ज़िम्मेदारी:** केवल आवश्यक डेटा ही एकत्र करें और सुनिश्चित करें कि इसे सही ढंग से स्टोर और सुरक्षित किया गया है।

केस स्टोरी 3 स्नैकसखी – एक घरेलू डिजिटल उद्यम

निर्देश

- केस स्टोरी को पढ़ें और डिजिटल सुरक्षा से जुड़ी गलतियों को पहचानें।
- ग्राहक के भरोसे पर पड़ने वाले प्रभाव पर गौर करें।
- व्यवसाय में डिजिटल सुरक्षा के महत्त्व को समझें।

स्नैकसखी – एक घरेलू डिजिटल उद्यम

स्नैकसखी एक छोटा ऑनलाइन स्नैक वेंचर (अल्पाहार का व्यवसाय) था, जिसे रितु नाम की एक युवा महिला उद्यमी ने शुरू किया था। वह सोशल मीडिया के माध्यम से घर के बने स्नैक्स का प्रचार करती थी। जैसे-जैसे ऑर्डर बढ़े, ग्राहकों ने

अपने फोन नंबर और पते जैसे व्यक्तिगत विवरण साझा किए। शुरुआत में, वह साधारण मैसेजिंग ऐप्स और बेसिक पेमेंट लिंक का उपयोग करती थी, जिससे डेटा प्राइवेसी और सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गईं।

ग्राहकों से फीडबैक मिलने के बाद, उसने सुरक्षित पेमेंट प्लेटफॉर्म का उपयोग करके, ग्राहकों की जानकारी की रक्षा करके और प्राइवेसी सेटिंग्स की समीक्षा करके अपने डिजिटल अभ्यासों में सुधार किया। जिम्मेदारी से काम करने और डिजिटल सुरक्षा को मजबूत करके, स्नैकसखी (Snack Sakhi) ने ग्राहकों का विश्वास फिर से जीता और सफलतापूर्वक अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाया।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. 'स्नैकसखी' की टीम ने डिजिटल सुरक्षा से जुड़ी क्या गलतियाँ कीं, और वे उन्हें पहले कैसे रोक सकते थे?

....

....

प्रश्न 2. ज़िम्मेदारी लेने और तुरंत कार्रवाई करने से व्यवसाय को ग्राहकों का विश्वास फिर से जीतने में कैसे मदद मिली?

....

....

प्रश्न 3. सोशल मीडिया का उपयोग करते समय छोटे छात्र-व्यवसायों या घर-आधारित व्यवसायों को किन डिजिटल सुरक्षा नियमों का पालन करना चाहिए?

....

....

ज्ञान वर्धक

डिजिटल उद्यमियों के लिए सुझाव (Tips for Digital Entrepreneurs)

- ग्राहकों की फोटो पोस्ट करने से पहले अनुमति मांगें।
- सभी साझा की गई फ़ाइलें पासवर्ड से सुरक्षित होनी चाहिए।
- पेमेंट लिंक निजी तौर पर (privately) भेजें।
- चर्चाओं/बातचीत को केवल सुरक्षित समूहों (secure groups) तक ही सीमित रखें।
- नियमित रूप से अपनी प्राइवेसी सेटिंग्स की समीक्षा करें।

सुरक्षित डिजिटल सहकार्य (Secure Digital Collaboration)

साप्ताहिक कार्य

आज, हम सीखने, संचार , खरीदारी और यहाँ तक कि छोटे व्यावसायिक कार्यों के लिए भी डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं। यह कार्य आपको अपने आस-पास की रोज़मर्रा की डिजिटल गतिविधियों को करीब से देख कर यह समझने में मदद करेगा कि वास्तविक जीवन में डिजिटल सुरक्षा और डेटा सुरक्षा कैसे काम करती है।

किसी एक ऐसी डिजिटल गतिविधि को चुनें जिसका आप या आपका परिवार नियमित रूप से उपयोग करते हैं, जैसे कि ऑनलाइन शॉपिंग ऐप, स्कूल का व्हाट्सएप ग्रुप, सोशल मीडिया पेज, पेमेंट ऐप या ईमेल।

गौर करें कि उस गतिविधि में जानकारी कैसे साझा और सुरक्षित की जाती है; किसी एक सुरक्षित अभ्यास को पहचानें जिसका पालन कि)या जा रहा है, और प्राइवेसी या सुरक्षा से जुड़े एक संभावित जोखिम को नोट करें। अंत में, उस गतिविधि को और अधिक सुरक्षित बनाने के लिए एक सरल सुधार का सुझाव दें, और अपनी प्रतिक्रियाओं को दिए गए प्रारूप में स्पष्ट रूप से लिखें।

अब, नीचे दिए गए प्रारूप में अपनी प्रतिक्रियाएँ स्पष्ट रूप से लिखें।

- **चुनी गई डिजिटल गतिविधि** ....
- **एक सुरक्षित अभ्यास** ....
- **एक संभावित जोखिम** ....
- **सुझाया गया सुधार** ....

6.4 सतत व्यवसाय में एआई (AI in Sustainable Business)

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) अब केवल विज्ञान कथाओं की कोई अवधारणा नहीं रह गई है - यह अब दुनिया भर के व्यवसायों के लिए एक प्रमुख उपकरण है। कंपनियां कचरे को कम करने, ऊर्जा बचाने, संसाधनों के उपयोग को बेहतर बनाने और सतत प्रथाओं का समर्थन करने के लिए AI का उपयोग कर रही हैं। सतत व्यवसाय भविष्य की पीढ़ियों के लिए पर्यावरण और संसाधनों की रक्षा करते हुए आज की जरूरतों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। डेटा का विश्लेषण करके और पैटर्न की पहचान करके, AI संगठनों को अधिक कुशलता से काम करने, पर्यावरण के अनुकूल (eco-friendly) विकल्प चुनने और मुनाफ़े के साथ-साथ लोगों और पृथ्वी के प्रति जिम्मेदारी के बीच संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।

गतिविधि 4 स्वाइप करने से पहले सोचें

उद्देश्य

यह समझना कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) किस प्रकार उपभोक्ताओं की पसंद को प्रभावित कर सकती है और सतत प्रथाओं का समर्थन कर सकती है।

परिदृश्य

कल्पना कीजिए कि आप दो अलग-अलग ऐप्स का उपयोग करके ऑनलाइन खरीदारी कर रहे हैं।

- **ऐप A:** यह AI का उपयोग केवल बिक्री बढ़ाने के लिए करता है। यह लगातार डिस्काउंट, ट्रेंडिंग आइटम और ऐसे उत्पाद दिखाता रहता है जिनकी आपको शायद ज़रूरत न हो। यह आपको कचरे या पर्यावरणीय प्रभाव के बारे में सोचे बिना अधिक खरीदारी करने के लिए प्रोत्साहित करता है।
- **ऐप B:** यह AI का उपयोग ज़िम्मेदारी से करता है। यह **पर्यावरण के अनुकूल** (eco-friendly) उत्पादों की सिफारिश करता है, प्रत्येक वस्तु का **कार्बन फुटप्रिंट** (पर्यावरण पर प्रभाव) दिखाता है, सतत विकल्प सुझाता है, और आपको ऐसे चुनाव करने के लिए प्रोत्साहित करता है जो पृथ्वी के लिए बेहतर हों।

दोनों ऐप्स AI का उपयोग करते हैं, लेकिन उनके उद्देश्य और प्रभाव बहुत अलग हैं।

निर्देश

- परिदृश्य को ध्यान से पढ़ें और समझें कि दोनों ऐप्स में AI का उपयोग कैसे किया जा रहा है।
- पर्यावरण और उपभोक्ता व्यवहार पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में सोचकर ऐप A और ऐप B की तुलना करें।
- संक्षिप्त उत्तर लिखें और समझाएं कि कौन सा ऐप सततता का बेहतर समर्थन करता है और क्यों।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1: कौन सा ऐप सततता को बढ़ावा दे रहा है, और क्यों?

....

....

प्रश्न 2: क्या AI जैसी तकनीक पृथ्वी के लिए हमारे विकल्प को प्रभावित कर सकती है? समझाएं।

....

....

संकल्पना

सतत व्यवसाय में AI

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का तात्पर्य उन कंप्यूटर प्रणालियों से है जो डेटा का विश्लेषण कर सकती हैं, पैटर्न (तौर-तरीकों) को सीख सकती हैं और न्यूनतम मानवीय हस्तक्षेप के साथ निर्णय ले सकती हैं।

- **ऊर्जा प्रबंधन :** AI कारखानों और कार्यालयों में बिजली के उपयोग को अनुकूलित (optimize) करता है।
- **कचरे में कमी :** यह अधिक उत्पादन से बचने के लिए मांग का पूर्वानुमान लगाता है।
- **सतत आपूर्ति श्रृंखला (Sustainable Supply Chains):** यह पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए कच्चे माल पर नज़र रखता है।
- **स्मार्ट कृषि:** पानी और उर्वरकों की बचत करने के लिए AI का उपयोग किया जाता है।
- **पर्यावरण के अनुकूल उपभोक्ता विकल्प:** यह ग्राहकों को 'ग्रीन' (पर्यावरण के अनुकूल) उत्पादों की सिफारिश करता है।

उदाहरण

गूगल जैसी कंपनियां डेटा सेंटरों में ऊर्जा की खपत को कम करने, बिजली बचाने और कार्बन उत्सर्जन (carbon emissions) को घटाने के लिए AI का उपयोग करती हैं।

गतिविधि 5 AI – मेरा सततता समाधान (AI – My Sustainability Solution)

उद्देश्य

यह पता लगाना कि पर्यावरण की समस्याओं को हल करने और सतत व्यावसायिक प्रथाओं सतत व्यावसायिक प्रथाएँ) को बढ़ावा देने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का उपयोग कैसे किया जा सकता है

निर्देश

- किसी एक व्यावसायिक क्षेत्र (Sector) को चुनें जिसमें आपकी सबसे अधिक रुचि हो:
  - रिटेल
  - कृषि
  - परिवहन
  - विनिर्माण
  - ऊर्जा (Energy)
- अपने चुने हुए क्षेत्र का नाम लिखें:
- पर्यावरणीय समस्या की पहचान करें।
- अपने चुने हुए क्षेत्र के बारे में सोचें और निम्नलिखित के उत्तर दें
- इस क्षेत्र के कारण होने वाली एक प्रमुख पर्यावरणीय समस्या क्या है? *(उदाहरण: भोजन की बर्बादी, वायु प्रदूषण, ऊर्जा का अत्यधिक उपयोग)*
- अब रचनात्मक रूप से सोचें। AI इस पर्यावरणीय समस्या को कम करने या हल करने में कैसे मदद कर सकता है? *(उदाहरण: मांग का पूर्वानुमान लगाने वाला AI, प्रदूषण की निगरानी करने वाला AI, ऊर्जा बचाने वाला AI)*
- इस क्षेत्र में AI का जिम्मेदारी से उपयोग करने के लाभ बताएं। *(उदाहरण: कम कचरा, कम उत्सर्जन, संसाधनों का बेहतर उपयोग)*

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1: क्या इस क्षेत्र में AI कभी सततता के लिए हानिकारक हो सकता है? एक संभावित जोखिम या दुरुपयोग बताएं।

....

....

प्रश्न 2: इस क्षेत्र को अधिक सतत बनाने के लिए अपने स्वयं के AI-आधारित समाधान का वर्णन करते हुए 2-3 वाक्य लिखें।

....

....

ज्ञानवर्धक

- AI ऑटोमेशन (स्वचालन) से ऑगमेंटेशन (संवर्धन) की ओर बढ़ रहा है, जहाँ मशीनें मनुष्यों को बदलने के बजाय उनके निर्णय लेने की क्षमता में सहायता करती हैं।
- व्याख्या योग्य AI (Explainable AI - XAI) का महत्त्व बढ़ रहा है ताकि AI द्वारा लिए गए निर्णयों को उपयोगकर्ता समझ सकें और उन पर विश्वास कर सकें।
- AI मॉडल महत्त्वपूर्ण मात्रा में ऊर्जा की खपत करते हैं, यही कारण है कि ग्रीन AI ऊर्जा-कुशल और सतत् AI सिस्टम बनाने पर ध्यान केंद्रित करता है।
- ह्यूमन-इन-द-लूप (Human-in-the-loop) सिस्टम यह सुनिश्चित करते हैं कि AI के महत्त्वपूर्ण निर्णयों की समीक्षा या अनुमोदन (approval) मनुष्यों द्वारा किया जाए।
- AI कौशल भविष्य की रोजगार क्षमता का हिस्सा बन रहे हैं, यहाँ तक कि मार्केटिंग, कानून, शिक्षा और डिजाइन जैसे गैर-तकनीकी करियर में भी।

सतत व्यवसाय के लिए AI

साप्ताहिक कार्य

आज कई कंपनियां कचरे को कम करने, ऊर्जा बचाने और पर्यावरणीय या सामाजिक समस्याओं को हल करने के लिए एआई (AI) का उपयोग कर रही हैं। इस कार्य में, आप यह पता लगाएंगे कि वास्तविक दुनिया में स्थिरता के लिए एआई का उपयोग कैसे किया जा रहा है।

किसी एक ऐसी वास्तविक कंपनी या स्टार्टअप (भारत या किसी अन्य देश की) के बारे में शोध करें जो पर्यावरण या समाज की मदद के लिए एआई का उपयोग करती है। आप किताबों, विश्वसनीय वेबसाइटों, समाचार लेखों या शिक्षकों द्वारा सुझाए गए स्रोतों का उपयोग कर सकते हैं। अपना उत्तर नीचे दिए गए प्रारूप में स्पष्ट रूप से लिखें।

- **कंपनी/स्टार्टअप का नाम** ....
- **समस्या का समाधान हो गया** ....
- **वे एआई (AI) का उपयोग कैसे करते हैं?** ....
- **पर्यावरण या समाज पर प्रभाव:** ....
- **आपके लिए एक सीख:** ....

सारांश

डिजिटल साक्षरता और व्यवसाय में AI

- **आपका ऑनलाइन व्यवहार और डिजिटल फुटप्रिंट**
  - सोच-समझकर साझा करें: इंटरनेट पर कोई भी जानकारी पोस्ट या शेयर करने से पहले गहराई से सोचें।
  - सम्मानजनक बनें: सभी डिजिटल बातचीत के दौरान हमेशा सम्मानजनक और पेशेवर व्यवहार बनाए रखें।
  - उपकरणों का बुद्धिमानी से उपयोग: अपने डिवाइस का उपयोग सावधानी से करें; आपके द्वारा की गई हर डिजिटल गतिविधि एक स्थायी पदचिह्न छोड़ती है।
  - अवसर और जोखिम: अच्छा ऑनलाइन व्यवहार भविष्य में नए अवसर पैदा कर सकता है, जबकि लापरवाही भरे कार्य मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं।
- **ऑनलाइन जोखिम और सुरक्षा**
  - फर्जी खातों , घोटालों, फिशिंग संदेशों और गलत सूचनाओं से सतर्क रहें।
  - किसी भी जानकारी को साझा करने से पहले उसकी दोबारा जाँच करें
  - हानिकारक या संदिग्ध सामग्री की तुरंत रिपोर्ट करें।
  - व्यापार में, असुरक्षित डिजिटल तौर-तरीके डेटा चोरी (data breaches), वित्तीय हानि या प्रतिष्ठा को हानि पहुँचा सकते हैं।
- **डेटा गोपनीयता और सुरक्षा**
  - अपने पासवर्ड, व्यक्तिगत फोटो, संपर्क नंबर और भुगतान विवरण (payment details) को सुरक्षित रखें।
  - जानकारी साझा करने से पहले अनुमति लें; हमेशा सुरक्षित प्रक्रियाओं का पालन करें।
  - विश्वास बनाए रखने के लिए व्यवसाय और सहयोग हेतु सुरक्षित डिजिटल टूल का उपयोग करें।
- **सततता के लिए व्यवसाय में AI**
  - AI व्यवसायों को बेहतर निर्णय लेने, कचरा कम करने, ऊर्जा बचाने और पर्यावरण के अनुकूल (eco-friendly) प्रथाओं का समर्थन करने में मदद करता है।
  - व्यवसाय सतत आपूर्ति श्रृंखला, स्मार्ट कृषि, ऊर्जा प्रबंधन और उपभोक्ताओं को पर्यावरण के अनुकूल सुझाव देने के लिए AI का उपयोग करते हैं।
  - जिम्मेदार AI उपयोग: दुरुपयोग या अत्यधिक उपभोग से बचते हुए लाभ, लोग और पृथ्वी के बीच संतुलन बनाना।
- **स्मार्ट डिजिटल अभ्यास**
  - सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार
  - ऑनलाइन जोखिमों के प्रति जागरूकता
  - व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा
  - व्यवसाय में AI का जिम्मेदार उपयोग

अध्याय 07

निवेश के निर्णय

कालांश: 06

पिछले अध्याय में, आपने जाना कि आपके डिजिटल कार्य, ऑनलाइन सुरक्षा के विकल्प, डेटा संरक्षण और एआई का जिम्मेदारी से उपयोग किस प्रकार व्यवसाय में विश्वास, प्रतिष्ठा और स्थिरता को आकार दे सकते हैं। आपने सीखा कि हर क्लिक, पोस्ट और डेटा से जुड़ा निर्णय एक स्थायी प्रभाव छोड़ता है-या तो यह अवसर पैदा करता है या फिर जोखिम।

बचत और निवेश

अब, अगला कदम उठाने का समय है। यह अध्याय डिजिटल जिम्मेदारी से वित्तीय समझ की ओर बढ़ता है। ठीक वैसे ही जैसे समझदारी भरा ऑनलाइन व्यवहार किसी व्यवसाय की रक्षा करता है, वैसे ही समझदारी भरे वित्तीय निर्णय उसके मुनाफे की रक्षा करते हैं और उसे बढ़ाते हैं। इस अध्याय में, आप जानेंगे कि वास्तविक व्यावसायिक दुनिया में पैसा कैसे काम करता है-रिटर्न को कैसे मापा जाता है, वित्त में समय का महत्त्व क्यों है, कर वास्तविक कमाई को कैसे प्रभावित करते हैं, और जोखिम और प्रतिफल एक-दूसरे से कैसे जुड़े हैं। अंत तक, आप समझ जाएंगे कि सफल व्यवसाय केवल डिजिटल रूप से ही नहीं सोचते-वे वित्तीय और रणनीतिक रूप से भी सोचते हैं।

सीखने के प्रतिफल

शिक्षार्थी सक्षम होंगे कि वे

- निवेश पर प्रतिफल (return on Investment - RoI) की गणना और व्याख्या कर सकें तथा यह समझ सकें कि धन का समय मूल्य (Time Value of Money) वित्तीय निर्णयों को कैसे प्रभावित करता है।
- करों के मूल प्रकारों की पहचान कर सकें और यह समझा सकें कि उनका आय, लाभ तथा वास्तविक व्यावसायिक कमाई पर क्या प्रभाव पड़ता है।
- बचत और निवेश की परिभाषा समझ सकें तथा जोखिम, सुरक्षा, तरलता और प्रतिफल के आधार पर उनका तुलनात्मक विश्लेषण कर सकें।
- जोखिम–प्रतिफल संबंध को समझ सकें और विभिन्न बुनियादी निवेश तथा व्यावसायिक विकल्पों में जोखिम के स्तर की तुलना कर सकें।।
- वित्तीय अनुशासन अपनाते हुए सरल बजट बना सकें, लाभ का उचित उपयोग बचत या पुनर्निवेश के रूप में कर सकें तथा व्यक्तिगत और व्यावसायिक धन से जुड़े सूचित निर्णय ले सकें।

7.1 खर्च किए गए पैसे से प्राप्त मूल्य तक

व्यवसाय और व्यक्ति हर दिन वित्तीय निर्णय लेते हैं, जैसे कि पैसा कहाँ निवेश करना है, रिटर्न के लिए कितना इंतजार करना है, और उन्हें कितना टैक्स चुकाना है। समझदारी और सुविज्ञ निर्णय लेने के लिए, हम **'रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट', 'पैसे का समय मूल्य' और 'पे-बैक पीरियड'**

जैसे सरल वित्तीय उपकरणों का उपयोग करते हैं। ये उपकरण हमें विभिन्न विकल्पों की तुलना करने, पैसे पर समय के प्रभाव को समझने, हानि के जोखिम को कम करने और मुनाफ़े की यथार्थवादी (realistic) योजना बनाने में मदद करते हैं।

गतिविधि 1 कौन-सा सौदा बेहतर है?

उद्देश्य

शिक्षार्थी को यह समझाने के लिए कि 'समय पैसे की कीमत को कैसे प्रभावित करता है' और निवेश पर रिटर्न (ROI), 'पैसे का समय मूल्य' और 'पेबैक अवधि' जैसी अवधारणाओं से परिचय कराना।

परिदृश्य

रेवती एक कॉलेज की शिक्षार्थी है, जिसने हाल ही में पैसे बचाने और निवेश करना सीखना शुरू किया है। उसके दादा-दादी उसे **₹5,000** देते हैं और वह तुरंत खर्च करने के बजाय इसे निवेश करने का फैसला करती है।

वह **दो निवेश विकल्प ढूँढती है** और अपनी दोस्त काव्या से उनके बारे में बात करती है।

विकल्प A: आज ₹5,000 निवेश करो और '1 साल बाद **₹6,000' प्राप्त करो।**

विकल्प B: आज ₹5,000 निवेश करो और '3 साल बाद **₹7,000' प्राप्त करो।**

रेवती उलझन में है। विकल्प B में ज्यादा पैसा मिलता है, लेकिन इंतज़ार भी ज्यादा है।

विकल्प A में पैसा कम मिलता है, लेकिन जल्दी मिल जाता है।

रेवती काव्या से पूछती है, "कौन-सा विकल्प बेहतर है?"

काव्या समझाती है कि निर्णय लेने के लिए उन्हें यह करना चाहिए

- हर विकल्प से मिलने वाले अतिरिक्त पैसे (लाभ) की तुलना करना
- यह देखना कि कितने समय तक इंतज़ार करना पड़ेगा.
- यह सोचना कि पैसा जल्दी मिलना ज्यादा फायदेमंद है या बाद में ज्यादा पैसा मिलना.

निर्देश

- रेवती द्वारा बताए गए हालात और निवेश विकल्पों को पढ़ें।
- जोड़ों या छोटे समूहों में काम करके उनकी तुलना करें।
- यह गणना करें कि हर विकल्प से कितना लाभ होता है।
- गणना करें कि प्रत्येक विकल्प से कितना लाभ मिलता है।

1. लाभ

- लाभ = अंतिम राशि – निवेश की गई राशि

2. प्रति वर्ष लाभ

- प्रति वर्ष लाभ = कुल लाभ ÷ समय (वर्षों में)

सोचिए कि कौन-सा विकल्प पैसे को जल्दी बढ़ाता है।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1 आप कौन-सा विकल्प चुनेंगे और क्यों?

....

....

....

....

प्रश्न 2 पैसा वापस मिलने में समय क्यों महत्त्वपूर्ण होता है?

....

....

....

....

प्रश्न 3 इस गतिविधि से आपको सबसे अच्छा सौदा चुनने के बारे में क्या सीख मिली?

....

....

....

....

संकल्पना

निवेश (Investment)

निवेश का अर्थ है भविष्य में आय या लाभ कमाने के उद्देश्य से किसी व्यवसाय या संपत्ति में पैसा लगाना।

उदाहरण: व्यवसाय शुरू करना, मशीनरी खरीदना, या शेयर खरीदना।

शुद्ध लाभ

शुद्ध लाभ वह अंतिम लाभ है जो सभी खर्च (लागत, कर, ब्याज आदि) घटाने के बाद प्राप्त होता है।

सूत्र: शुद्ध लाभ = कुल आय – कुल खर्च

निवेश पर प्रतिफल क्या है?

ROI यह बताता है कि लगाए गए पैसे के मुकाबले कितना लाभ हुआ।

- सूत्र: ROI = (शुद्ध लाभ ÷ निवेश) × 100

  उदाहरण:
  - निवेश = ₹10,000
  - लाभ = ₹2,000
  - ROI = (2000÷10000)×100= 20%

हम ROI का उपयोग क्यों करते हैं?

- अलग-अलग निवेश विकल्पों की तुलना करने के लिए
- किसी व्यावसायिक निर्णय के लाभ की जांच के लिए
- यह निर्णय लेने हेतु कि निवेश जोखिम लेने योग्य है.

निवेश पर प्रतिफल का उपयोग

- दो व्यावसायिक निर्णयों के बीच चुनाव करने के लिए
- मार्केटिंग खर्च का मूल्यांकन करने के लिए
- स्टॉक्स,मशीनरी एवं व्यापार विस्तार से आने वाले प्रतिफल का मापन करने के लिए

धन का समय मूल्य

- आज पैसे की समान राशि भविष्य के समान राशि से अधिक मूल्यवान होती है क्योंकि:
  - इसे निवेश किया जा सकता है
  - मुद्रास्फीति से पैसे का मूल्य भविष्य में घटता है
  - समय के साथ अनिश्चितता बढ़ती है
  - उदाहरण: आज ₹1000 को निवेश किया जा सकता है और वह प्रतिफल प्रदान करेगा जबकि वही ₹1000 भविष्य में समान क्रय क्षमता नहीं रख सकेगा.

पेबैक अवधि

- निवेश की गई राशि के लाभ से मूल राशि वापस मिलने में लगने वाला समय।

  उदाहरण:
  - निवेश = ₹10,000
  - वार्षिक लाभ = ₹2,500
  - पेबैक अवधि = (10000÷2500)= 4 वर्ष

पेबैक अवधि क्यों महत्त्वपूर्ण है?

- यह निर्धारित करता है कि निवेश की गई मूल राशि को वापस पाने में कितना समय लगेगा।
- जोखिम कम करने में सहायक
- छोटे व्यवसायों और स्टार्टअप्स के लिए उपयोगी

कर क्या है?

कर व्यक्तियों और व्यवसायों द्वारा सरकार को किया जाने वाला एक अनिवार्य भुगतान है, ताकि सार्वजनिक व्यय और कल्याणकारी गतिविधियों के लिए राजस्व (राजस्व) जुटाया जा सके।

कर के प्रकार

प्रकार	अर्थ	उदाहरण
प्रत्यक्ष कर	व्यक्ति अथवा व्यवसाय द्वारा सीधा चुकाया जाने वाला कर	आयकर
अप्रत्यक्ष कर	वस्तुओं एवं सेवाओं द्वारा एकत्रित कर	जीएसटी

व्यवसायों के लिए टैक्स (कर) को समझना क्यों आवश्यक है?

- करों का प्रभाव लाभ पर पड़ता है.
- कानूनी अनुपालन, दंड (Penalties) से बचाता है|
- सटीक मूल्य निर्धारण और बजट बनाने में मदद करता है|

गतिविधि 2 वास्तविक लाभ को समझना

उद्देश्य

शुद्ध लाभ, पूंजी वापसी अवधि और कर (Tax) का कमाई पर क्या प्रभाव पड़ता है, इसे समझना।

निर्देश

- दी गई स्थिति को ध्यान से पढ़िए।
- कर चुकाने के बाद शुद्ध लाभ निकालने के लिए साधारण गणनाओं का उपयोग कीजिए।
- यह सोचिए कि मूल निवेश की भरपाई (वसूली) में कितना समय लगेगा।
- अपने उत्तर अपने समूह या साथी के साथ चर्चा कीजिए।
- अपने अंतिम उत्तर साफ़-साफ़ लिखिए और कक्षा में अपनी सोच साझा करने के लिए तैयार रहिए।

परिदृश्य

कुछ शिक्षार्थी ने अपने स्कूल के उद्यमिता क्लब के तहत एक छोटा सा वीकेंड कैफे शुरू किया।

शिक्षकों और परिवार वालों की मदद से उन्होंने ₹20,000 की प्रारंभिक पूंजी इकट्ठा की, जिससे सामग्री, रसोई के उपकरण खरीदे गए और जगह किराए पर ली गई। कैफे 2 महीनों तक चला और हर सप्ताहांत खुला रहा। शिक्षार्थी टीमों में काम करते थे-खाना बनाना, ऑर्डर संभालना, भुगतान लेना और पोस्टर व सोशल मीडिया के जरिए कैफे का प्रचार करना।

2 महीनों के अंत में, खाने और सेटअप का खर्च निकालने के बाद कैफे ने कुल ₹5,000 कमाए। जिम्मेदार व्यवसाय के रूप में, उन्होंने अपनी कमाई में से सरकार को ₹500 कर के रूप में भी दिए।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1 वर्तमान कमाई के आधार पर, आपको क्या लगता है कि ₹20,000 की मूल पूंजी वापस पाने में कितना समय लगेगा?

प्रश्न 2 अपनी गणनाओं के आधार पर बताइए कि विद्यार्थियों को आगे क्या करना चाहिए।

- कैफे को ऐसे ही जारी रखें।
- सुधार करें या व्यवसाय का विचार बदलें।
- अपने उत्तर का कारण बताइए।

ज्ञान वर्धक

त्वरित धन नियम

- ✦ अधिक ROI होने का मतलब हमेशा जल्दी पूंजी वापसी नहीं होता
- ✦ समय पैसे की कीमत को कम करता है → जल्दी मिलने वाला लाभ बेहतर होता है
- ✦ कर लाभ को कम करता है, मेहनत को नहीं
- ✦ समझदार व्यवसाय लाभ, समय और कर—तीनों को साथ में योजनाबद्ध करते हैं

मुझे कहाँ निवेश करना चाहिए?

साप्ताहिक कार्य

मान लीजिए आपके पास **₹10,000** हैं, जिन्हें आप समझदारी से निवेश करना चाहते हैं। नीचे कुछ निवेश के विकल्प दिए गए हैं।हर विकल्प को ध्यान से पढ़िए, विवरण समझिए और जो आपको सबसे अच्छा लगे, उसे चुनिए।

अपना चयन करने के बाद तालिका को पूरा करें। नीचे दिए गए ज्ञान वर्धक की मदद लें।

अपना विकल्प चुनने के बाद नीचे दी गई तालिका पूरी कीजिए।

निवेश के विकल्प

विकल्प	विवरण
1 – जल्दी लाभ	₹10,000 निवेश करें ⟶ 6 महीनों में ₹11,000 प्राप्त करें (कोई कर नहीं) |
2 – धीरे लेकिन बड़ा	₹10,000 निवेश करें ⟶ 3 वर्षों में ₹14,000 प्राप्त करें (₹1,000 कर)
3 – सुरक्षित और स्थिर	₹10,000 निवेश करें ⟶ 2 वर्षों तक हर वर्ष ₹1,000 कमाएँ (कोई कर नहीं)

नीचे दी गई तालिका भरिए

प्रश्न	आपका उत्तर
आपने कौन-सा विकल्प चुना?	
आपने यह विकल्प क्यों चुना? (समय / कर / जोखिम)	
आपका पैसा वापस मिलने में कितना समय लगेगा?	
यदि आपको तुरंत पैसों की जरूरत हो, तो क्या आप अपना निर्णय बदलेंगे? क्यों या क्यों नहीं?	

ज्ञान वर्धक

आप निर्णय लेने के लिए नीचे दिए गए चरणों और सरल सूत्रों का उपयोग कर सकते हैं

1. **कुल लाभ**

   सूत्र

   कुल लाभ = अंतिम राशि – निवेश की गई राशि

   विकल्प 1 ₹11,000 – ₹10,000 = ₹1,000

   विकल्प 2 ₹14,000 – ₹10,000 – ₹1,000 (कर) = ₹3,000

   विकल्प 3 ₹1,000 × 2 वर्ष = ₹2,000

2. **समय अवधि**

   अपने आप से पूछें

   मुझे अपना पैसा कितनी जल्दी वापस मिलेगा?

   विकल्प 1 ⟶ 6 महीने

   विकल्प 2 ⟶ 3 वर्ष

   विकल्प 3 ⟶ 2 वर्ष

3. **जोखिम स्तर (सरल सोच)**

   जल्दी लाभ, अधिक वादा ⟶ मध्यम जोखिम

   लंबी अवधि का निवेश ⟶ अधिक धैर्य, संभवतः अधिक जोखिम

   नियमित आय ⟶ कम जोखिम

4. **पैसों की तुरंत आवश्यकता**
पूछें
क्या मैं इंतज़ार कर सकता हूँ, या मुझे पैसा जल्दी चाहिए?
If यदि तुरंत ज़रूरत हो ⟶ विकल्प 1 बेहतर है
यदि लंबी अवधि का लक्ष्य हो ⟶ विकल्प 2
यदि सुरक्षित आय चाहिए ⟶ विकल्प 3

सीखने का सुझाव

आपका चुनाव समय, जोखिम, कर और व्यक्तिगत ज़रूरत पर निर्भर करता है—बिल्कुल असली निवेशकों की तरह।

7.2 स्मार्ट बचत और लाभ प्रबंधन

वित्तीय प्रबंधन केवल आय कमाने के बारे में नहीं है, बल्कि इस बारे में भी है कि कमाई के बाद पैसे का उपयोग कैसे किया जाता है। व्यवसायों को यह योजना बनानी होती है कि कितना पैसा बचाना है, कहाँ अनावश्यक खर्च कम करना है, और कब लाभ को दोबारा निवेश करना है ताकि विकास हो सके। बचत आपात स्थिति में मदद करती है, खर्च पर नियंत्रण से कार्यकुशलता बढ़ती है, और पुनर्निवेश लंबे समय की सफलता में सहायक होता है। इन बुनियादी बातों को समझने से व्यवसाय स्थिर, प्रतिस्पर्धी और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहते हैं।

गतिविधि 3 खर्च करें या बचाएँ?

उद्देश्य

यह समझना कि व्यवसाय स्थिरता और विकास के लिए लाभ को खर्च करने, बचाने और पुनर्निवेश करने का निर्णय कैसे लेते हैं।

निर्देश

- कल्पना कीजिए कि आपके छोटे व्यवसाय ने **₹1,000** का लाभ कमाया है।
- अब आपको यह तय करना है कि इस पैसे का समझदारी से उपयोग कैसे करें।
- आप इस लाभ को तीन भागों में बाँट सकते हैं
  - **खर्च:** वह पैसा जो आप अभी उपयोग करते हैं (जैसे- इनाम, सामान, मनोरंजन)
  - **बचत:** वह पैसा जो आप आपात स्थिति या भविष्य की ज़रूरतों के लिए अलग रखते हैं
  - **पुनर्निवेश:** वह पैसा जो आप व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए दोबारा लगाते हैं. (जैसे—बेहतर सामग्री खरीदना, सेवाओं में सुधार)
- ध्यान से सोचिए कि आपके व्यवसाय को अभी और भविष्य में क्या चाहिए।
- नीचे दी गई तालिका में प्रत्येक भाग के लिए चुना गया **प्रतिशत** (%)लिखिए।
- सुनिश्चित कीजिए कि कुल योग **100%** हो।

लाभ का उपयोग	प्रतिशत (%)
खर्च की जाने वाली राशि	.... %
बचत की जाने वाली राशि	.... %
पुनर्निवेश की जाने वाली राशि	.... %
कुल	100%

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1 आपने पैसे को इस तरह क्यों बाँटा?

....

....

प्रश्न 2 आपके अनुसार कौन-सा भाग (खर्च, बचत, या पुनर्निवेश) सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण है, और क्यों?

....

....

प्रश्न 3 भविष्य में बचत या पुनर्निवेश आपके व्यवसाय की कैसे मदद कर सकता है?

....

....

संकल्पना

बचत क्यों आवश्यक है?	पुनर्निवेश क्यों आवश्यक है ?
आपात स्थिति या कम बिक्री के समय मदद करती है	व्यवसाय का विस्तार
उधार लेने की आवश्यकता कम होती है	बेहतर उत्पाद / सेवाएँ
कामकाज को सुचारु रूप से चलाए रखती है	लंबे समय तक प्रतिस्पर्धा बनाए रखना

मुख्य शब्द

शब्द	अर्थ
बजट बनाना (Budgeting)	आय और खर्च की योजना बनाना
खर्च में कटौती (Cost-Cutting)	अनावश्यक खर्च कम करना
लाभ का वितरण (Profit Allocation)	लाभ को बचत / खर्च / पुनर्निवेश में बाँटना
वित्तीय अनुशासन (Financial Discipline)	पैसे का जिम्मेदारी से उपयोग
सततता	लंबे समय तक व्यवसाय की मजबूती

गतिविधि 4 विचार से आय तक

उद्देश्य

यह समझना कि व्यवसाय खर्चों की योजना कैसे बनाते हैं, लागत को कैसे नियंत्रित करते हैं, और बचत व पुनर्निवेश से जुड़े निर्णय कैसे लेते हैं।

निर्देश

- 3–4 छात्रों का एक समूह बनाएँ।
- कल्पना कीजिए कि आप एक छोटा व्यवसाय चला रहे हैं, जैसे - स्टेशनरी की दुकान, फूड स्टॉल, हस्तनिर्मित वस्तुओं की दुकान, या ऑनलाइन सेवा।
- आपके पास व्यवसाय चलाने के लिए ₹20,000 का आभासी बजट है।
- आपके समूह को नीचे दी गई तालिका में बताए गए विभिन्न व्यवसायिक ज़रूरतों के बीच इस ₹20,000 को बाँटना है।
- ध्यान से सोचिए, चर्चा कीजिए और बजट तालिका भरिए।

खर्च की श्रेणी	राशि (₹)
सामग्री / कच्चा माल	
विपणन / प्रचार	
संचालन (किराया, परिवहन, बिजली-पानी आदि)	
बचत / आपातकालीन निधि	
कुल	₹20,000

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1 आपके समूह ने किस श्रेणी पर सबसे अधिक खर्च किया और क्यों?

....

....

प्रश्न 2 किसी व्यवसाय के लिए बचत या आपातकालीन निधि रखना क्यों महत्त्वपूर्ण है?

....

....

प्रश्न 3 यदि आपको अधिक बचत करने के लिए एक खर्च कम करना पड़े तो वह कौन सा खर्च होगा?

....

....

प्रश्न 4. समूह में काम करने से आपको बेहतर बजट संबंधी निर्णय लेने में कैसे मदद मिली?

....

....

ज्ञानवर्धक

50:30:20 लाभ नियम

50:30:20 लाभ नियम एक सरल मार्गदर्शक सिद्धांत है, जिसका उपयोग बुनियादी वित्तीय योजना और उद्यमिता में व्यवसाय के लाभ को समझदारी से प्रबंधित करने के लिए किया जाता है.

- **50% पुनर्निवेश:** विकास से जुड़ी गतिविधियों के लिए उपयोग किया जाता है, जैसे—विपणन, विस्तार, और उत्पादों या सेवाओं में सुधार।
- **30% संचालन:** रोज़मर्रा के खर्चों पर लगाया जाता है, जैसे—कच्चा माल, वेतन, बिजली-पानी, और रखरखाव।
- **20% बचत / आरक्षित निधि:** आपात स्थिति, भविष्य के लक्ष्य, या अचानक होने वाले खर्चों के लिए अलग रखा जाता है, ताकि लंबे समय तक स्थिरता बनी रहे।

केस स्टोरी: लेंसकार्ट

साप्ताहिक कार्य

लेंसकार्ट की स्थापना वर्ष 2010 में **पीयूष बंसल** द्वारा की गई थी, जिसका उद्देश्य सभी के लिए नेत्र देखभाल को किफायती बनाना था। शुरुआती दिनों में, लेंसकार्ट ने कई महंगे भौतिक स्टोर खोलने के बजाय मुख्य रूप से ऑनलाइन बिक्री पर ध्यान देकर पैसे बचाए। इससे कंपनी को किराया और संचालन लागत कम करने में मदद मिली। कंपनी ने ऑर्डर को कुशलता से संभालने और खर्चों को नियंत्रित करने के लिए तकनीक का भी उपयोग किया। **विज्ञापनों पर अधिक खर्च करने के बजाय, लेंसकार्ट ने मुफ्त आँखों की जाँच और होम आई-टेस्टिंग सेवाएँ प्रदान कीं।** यह समझदारी भरा खर्च निर्णय ग्राहकों को स्वाभाविक रूप से आकर्षित करने में सहायक रहा और अनावश्यक विपणन खर्च से बचने में मदद मिली।

पीयूष बंसल

जैसे-जैसे लेंसकार्ट ने लाभ कमाना शुरू किया, कंपनी ने उस पैसे को उत्पाद की गुणवत्ता सुधारने, लॉजिस्टिक्स को मजबूत करने, और केवल उन चुनिंदा स्थानों पर भौतिक स्टोर खोलने में पुनर्निवेश किया, जहाँ वास्तव में उनकी आवश्यकता थी। लाभ का पुनर्निवेश करने से व्यवसाय बिना पैसे की बर्बादी के लगातार बढ़ता रहा।

लेंसकार्ट ने ग्राहकों की प्रतिक्रिया का उपयोग इन्वेंटरी को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने और अधिक उत्पादन या बर्बादी से बचने के लिए भी किया, जिससे लागत और कम हुई। आज, लेंसकार्ट भारत में एक सफल और प्रसिद्ध ब्रांड है।

कंपनी की यात्रा यह दिखाती है कि पैसे की बचत, अनावश्यक खर्च से बचना, और लाभ का समझदारी से पुनर्निवेश करना, ये सभी टिकाऊ व्यवसायिक विकास की प्रमुख आदतें हैं।

नीचे दिए गए प्रारूप को संक्षिप्त उत्तरों के साथ भरें और अगली कक्षा में अपने सहपाठियों के साथ साझा करें।

लेंसकार्ट केस अध्ययन प्रारूप	
प्रश्न	**आपका उत्तर**
शुरुआती दिनों में लेंसकार्ट ने पैसे कैसे बचाए?	
कंपनी के विकास के लिए लाभ का पुनर्निवेश क्यों महत्त्वपूर्ण था?	
कौन-सा खर्च संबंधी निर्णय अनावश्यक लागत से बचने में सहायक रहा?	
इस कहानी से एक ऐसी धन संबंधी आदत बताइए जिसे आप अपने जीवन में अपना सकते हैं।	

7.3 बचत और निवेश विकल्पों को समझना

पैसा हमारे दैनिक जीवन में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है, और हम इसका उपयोग कैसे करते हैं, यह हमारी भविष्य की वित्तीय सुरक्षा तय करता है। लोग पैसे का उपयोग मुख्य रूप से दो तरीकों से करते हैं:

बचत : कम समय की ज़रूरतों या आपात स्थितियों के लिए पैसे को सुरक्षित रखना। इसमें कम जोखिम होता है और पैसों तक आसानी से पहुँच होती है। उदाहरण के लिए बैंक खाता, फिक्स्ड डिपॉज़िट या गुल्लक। बचत वित्तीय स्थिरता देती है।

निवेश : समय के साथ अधिक कमाने के लिए पैसे का उपयोग करना। इसमें आमतौर पर कुछ जोखिम होता है, लेकिन लंबे समय में अधिक लाभ मिल सकता है। उदाहरण के लिए सोना, संपत्ति, म्यूचुअल फंड या शेयर। निवेश से पैसा बढ़ता है और संपत्ति बनती है। बचत और निवेश दोनों ही महत्त्वपूर्ण हैं: बचत सुरक्षा देती है, जबकि निवेश विकास और दीर्घकालिक लक्ष्यों में मदद करता है।

गतिविधि 5 बचत या बढ़त?

उद्देश्य

बचत और पैसे को बढ़ाने के बीच अंतर को समझना, और समझदारी भरे वित्तीय विकल्पों के बारे में सोचने के लिए प्रेरित करना।

निर्देश

- नीचे दिए गए मुख्य शब्द पढ़ें
  - **(बचत)** – भविष्य या आपात स्थितियों के लिए पैसे को सुरक्षित रखना (कोई जोखिम नहीं)।
  - **(बढ़ाना)** – समझदारी भरे निवेशों के माध्यम से पैसे की कीमत बढ़ाने की कोशिश करना (अधिक लाभ, कुछ जोखिम)।
- कल्पना करें कि आपको आज ₹1,000 मिलते हैं।
- शांति से सोचें: क्या आप इसे बचाएँगे या बढ़ाएँगे?
- अपना चुनाव और उसका एक कारण लिखें।

....

अपने साथी से बात करें और चर्चा करें

- अगर आपको ₹1,000 मिलें, तो क्या आप उसे बचाएँगे या निवेश करेंगे?
- आप वह विकल्प क्यों चुनेंगे?

....

....

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1 पैसे बचाने के क्या लाभ हैं?

....

....

प्रश्न 2 अपने पैसे को बढ़ाने की कोशिश करने में क्या जोखिम और क्या लाभ हैं?

....

....

....

प्रश्न 3 बचत या पैसे को बढ़ाने के बारे में अपने परिवार के विचारों से आपने क्या सीखा?

....

....

....

प्रश्न 4 चर्चा के बाद क्या आपकी सोच बदली? क्यों या क्यों नहीं?

....

....

....

संकल्पना

पहलू (Aspect)	बचत	निवेश
उद्देश्य	सुरक्षा और आपात स्थिति	धन सृजन (Wealth Creation)
जोखिम	बहुत कम	मध्यम-उच्च (Moderate-high)
प्रतिफल	कम	समय के साथ अधिक (Higher over time)
समय	अल्पकालिक	दीर्घकालिक

गतिविधि 6 धन संबंधी निर्णय का खेल (The Money Decision Game)

उद्देश्य

बचत और निवेश के बीच अंतर करना और यह समझना कि जोखिम, समय और प्रतिफल वित्तीय निर्णयों को कैसे प्रभावित करते हैं।

निर्देश

- 3-4 शिक्षार्थियों का एक छोटा समूह बनाएं।
- नीचे दिए गए 4 वित्तीय विकल्पों को देखें।
  - बचत खाते में ₹500 जमा करें
  - सोना खरीदें
  - ऑनलाइन व्यवसाय (बिजनेस) शुरू करें
  - बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट में पैसा लगाएं
- प्रत्येक के लिए, चर्चा करें और तालिका में अपने उत्तर लिखें।

वित्तीय विकल्प	क्या यह बचत है	चयन का कारण	जोखिम का	समय	अपेक्षित प्रतिफल
बचत खाते में ₹500					
सोना खरीदना					
ऑनलाइन व्यवसाय शुरू करना					
बैंक सावधि जमा (Bank Fixed Deposit)					

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. यदि आपको जल्दी पैसे की आवश्यकता है तो कौन सा विकल्प सबसे सुरक्षित है? क्यों?

....

....

प्रश्न 2. कौन सा विकल्प सबसे अधिक प्रतिफल (रिटर्न) दे सकता है? इसके साथ क्या जोखिम जुड़े हैं?

....

....

प्रश्न 3. जोखिम, समय और प्रतिफल (रिटर्न) आपको बचत और निवेश के बीच निर्णय लेने में कैसे मदद करते हैं?

....

....

ज्ञान वर्धक

बचत (Save)	बढ़ाना (Grow)
पैसे सुरक्षित रखना	पैसे की कीमत बढ़ाना
कम समय के लिए (Short-term)	लंबे समय के लिए (Long-term)
बहुत कम जोखिम low risk	मध्यम से उच्च जोखिम
बैंक खाता, एफडी (FD)	स्टॉक्स, म्यूचुअल फंड, व्यापार, प्रॉपर्टी

निवेश के सामान्य विकल्प

निवेश विकल्प	उद्देश्य	जोखिम
फिक्स्ड डिपॉजिट (FD)	सुरक्षित, स्थिर रिटर्न	कम
म्यूचुअल फंड्स	बाजार से जुड़ी बढ़त	अधिक
सरकारी योजनाएं	सहायता, सब्सिडी, स्थिरता	कम
फिर से निवेश (Reinvestment)	व्यापार का विस्तार या सुधार	मध्यम
उपकरण खरीदना (Equipment)	उत्पादकता बढ़ाना	मध्यम
शेयर / स्टॉक्स	लाभ की संभावना	अधिक
सोना / रियल एस्टेट	लंबे समय के लिए मूल्य और सुरक्षा	मध्यम
सही निवेश = सही विकास		

अस्वीकरण

ऊपर दिए गए निवेश विकल्प सामान्य उदाहरण हैं। दिखाया गया जोखिम स्तर केवल बुनियादी समझ के लिए है और बाजार की स्थितियों, निवेश की अवधि और व्यक्तिगत पसंद के साथ बदल सकता है। यह तालिका केवल सीखने और जागरूकता के उद्देश्यों के लिए है और इसे वित्तीय सलाह नहीं माना जाना चाहिए।

अपने पहले स्मार्ट मनी मूव की योजना बनाएं

साप्ताहिक कार्य

निर्देश

आपको अभी इनाम या उपहार के रूप में ₹5,000 मिले हैं। इस पैसे का उपयोग करने के दो तरीकों के बारे में सोचें: एक बचत विकल्प के रूप में और दूसरा निवेश विकल्प के रूप में।

लिखें कि आप क्या चुनेंगे और क्यों?

प्रत्येक विकल्प के लिए, समझाइए :

प्रश्न 1. क्या इसमें कोई जोखिम शामिल है?

....

....

प्रश्न 2. परिणाम दिखने में कितना समय लगेगा?

....

....

प्रश्न 3. आप किस प्रकार के लाभ या रिटर्न की उम्मीद करते हैं?

....

....

प्रश्न 4. एक साथी से बात करें और अपनी पैसों की योजना साझा करें। उनकी योजना भी सुनें और अपनी पसंद की तुलना करें।

....

....

प्रश्न 5. चर्चा के बाद, अपने साथी के विचार के बारे में एक बात लिखें जो आपको पसंद आई और एक बात जो आप अपनी योजना में अलग तरीके से करेंगे। ....

....

7.4 जोखिम और रिटर्न को समझना

हर निवेश में किसी न किसी स्तर का जोखिम शामिल होता है। जो विकल्प सुरक्षित माने जाते हैं, जैसे बैंक जमा या सरकारी योजनाएं, वे आमतौर पर कम रिटर्न देते हैं, जबकि स्टॉक या व्यावसायिक उपक्रम (business ventures) जैसे निवेशों में उच्च जोखिम होता है लेकिन वे उच्च रिटर्न दे सकते हैं।

निवेश करने से पहले, व्यक्तियों और व्यवसायों को जोखिम के स्तर, अपेक्षित रिटर्न, निवेश की समय अवधि और बाजार की स्थितियों के बारे में सावधानी से सोचना चाहिए। जोखिम और रिटर्न के बीच संतुलन को समझने से उद्यमियों को सूचित निर्णय लेने, अपने पैसे की रक्षा करने और विकास की योजना बनाने में मदद मिलती है।

गतिविधि 7 आप क्या करेंगे?

उद्देश्य

जोखिम और इनाम की अवधारणा को समझना और यह पहचानना कि वित्तीय निर्णय लेते समय लोगों के पास अलग-अलग जोखिम सहनशीलता (risk tolerance) के स्तर होते हैं।

निर्देश

- परिदृश्य को ध्यान से पढ़ें।
- 3-4 शिक्षार्थियों के छोटे समूह बनाएं।
- विकल्पों पर चर्चा करें और तय करें कि आप कौन सा चुनेंगे।
- कक्षा के साथ अपने तर्क/वजह साझा करें।

परिदृश्य

यदि आपको दो विकल्प दिए जाते हैं

- **विकल्प A:** निश्चित रूप से ₹2,000 प्राप्त करें।
- **विकल्प B:** ₹6,000 जीतने के लिए 50% मौका लें (इसमें यह भी संभावना है कि आपको कुछ भी न मिले)।

समूह चर्चा

अपने समूह के साथ बात करें और चर्चा करें

- आप कौन सा विकल्प चुनेंगे? ....
  ....
- आपकी पसंद का क्या कारण है?..
  ....

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. आपकी पसंद क्या दिखाती है कि आप जोखिम लेने में कितने सहज हैं?

....

....

प्रश्न 2. हानि की संभावना और उच्च इनाम की संभावना आपके निर्णय को कैसे प्रभावित करती है?

....

....

प्रश्न 3. क्या आप वास्तविक जीवन का कोई उदाहरण साझा कर सकते हैं जहाँ आपको सुरक्षित विकल्प और जोखिम भरे विकल्प के बीच चयन करना था?

....

....

संकल्पना

मुख्य शब्द

जोखिम

बाजार में बदलाव, मांग या व्यावसायिक प्रदर्शन के कारण पैसे खोने या उम्मीद से कम कमाने की संभावना।

प्रतिफल

निवेश से कमाया गया पैसा, जैसे ब्याज, लाभ, लाभांश या मूल्य में वृद्धि। उच्च रिटर्न में आमतौर पर उच्च जोखिम शामिल होता है।

- **जोखिम और रिटर्न को प्रभावित करने वाले कारक:**
- **समय अवधि:** निवेश का लंबा समय जोखिम और रिटर्न दोनों को बढ़ा सकता है।
- **बाजार की स्थितियां**: स्थिर बाजारों में जोखिम कम होता है; अस्थिर बाजार जोखिम बढ़ाते हैं।
- **व्यावसायिक वातावरण :** प्रतिस्पर्धा, सरकारी नीतियां और आर्थिक स्थितियां परिणामों को प्रभावित करती हैं।
- **वित्तीय योजना :** उचित योजना अनावश्यक जोखिम को कम करने में मदद करती है।
- **जोखिम सहनशीलता:** अलग-अलग निवेशकों का जोखिम लेने का स्तर अलग-अलग होता है।

केस स्टोरी 1 BoAt: सोचे-समझे जोखिम के माध्यम से विकास

उद्देश्य

विद्यार्थियों को यह समझने में मदद करना कि व्यवसाय संभावित हानि को कम करते हुए विकास के लिए **सोचे-समझे जोखिम** calculated Risks) कैसे ले सकते हैं।

निर्देश

* केस स्टोरी को ध्यान से पढ़ें।
* BoAt द्वारा लिए गए जोखिमों और उन्हें कैसे प्रबंधित किया गया, इसकी पहचान करें।
* चिंतन प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों में दें।

कहानी

अमन गुप्ता और समीर मेहता

BoAt एक भारतीय कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड है जिसकी स्थापना 2016 में **अमन गुप्ता और समीर मेहता** द्वारा की गई थी। कंपनी ने हेडफोन, ईयरफोन और स्पीकर जैसे ऑडियो एक्सेसरीज के साथ शुरुआत की, जिसमें युवा और तकनीक-प्रेमी ग्राहकों को लक्षित किया गया। धीमी और सतर्क वृद्धि के बजाय, BoAt ने ट्रेंडी उत्पाद डिजाइनों, इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग और युवाओं पर केंद्रित ब्रांडिंग में साहसपूर्वक निवेश किया। इस दृष्टिकोण में काफी जोखिम था, क्योंकि इसके लिए बड़े अग्रिम निवेश की आवश्यकता थी और यह ग्राहकों के रुझानों को सही ढंग से समझने पर निर्भर था। हालांकि, संस्थापकों ने बाजार अनुसंधान और फीडबैक के साथ अपने निर्णयों का समर्थन किया, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि वे वास्तविक मांग को पूरा कर रहे थे।

इस सोचे-समझे जोखिम लेने से BoAt को तेजी से लोकप्रियता हासिल करने, भारत में एक अग्रणी टेक-एक्सेसरी ब्रांड बनने और स्थापित अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों के साथ सफलतापूर्वक प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिली। यह कहानी दिखाती है कि स्मार्ट, जानकारीपूर्ण जोखिम विकास को गति दे सकते हैं, जबकि लापरवाही भरे जोखिम विफलता का कारण बन सकते हैं।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. BoAt ने सुरक्षित खेलने के बजाय सोचे-समझे जोखिम लेना क्यों चुना?

....

....

प्रश्न 2. जोखिम के स्तर को समझने से व्यवसाय को बेहतर निर्णय लेने में कैसे मदद मिलती है?

....

....

प्रश्न 3. क्या कोई व्यवसाय बिना कोई जोखिम उठाए बढ़ सकता है? समझाएं।

....

....

ज्ञान वर्धक

स्मार्ट रिस्क के नियम

- ✦ बाजार के रुझानों (market trends) का अध्ययन करें
- ✦ मांग की जाँच करें
- ✦ प्रतिस्पर्धियों (competitors) को जानें
- ✦ एक बैकअप योजना रखें

सोचा-समझा जोखिम —– नवाचार और विकास (innovation & growth)

जोखिम की सीढ़ी

साप्ताहिक कार्य

उद्देश्य

शिक्षार्थियों को विभिन्न निवेश विकल्पों, उनके जोखिम स्तरों और सूचित वित्तीय निर्णय लेने के तरीके को समझने में मदद करना।

निर्देश

- निवेश विकल्पों की सूची को ध्यान से पढ़ें
  - बचत खाता (Savings Account)
  - फिक्स्ड डिपॉजिट (FD)
  - सोना (Gold)
  - म्यूचुअल फंड्स
  - रियल एस्टेट
  - शेयर बाजार (Stock Market)
  - व्यवसाय में पुनर्निवेश (Business Reinvestment)
- बढ़ते जोखिम के आधार पर विकल्पों को 1 (सबसे कम जोखिम) से उच्चतम संख्या (सबसे अधिक जोखिम) तक नंबर दें।
- प्रत्येक विकल्प के लिए, **एक कारण** लिखें कि आपने इसे उस स्तर पर क्यों रखा है।
- अपने साथी या समूह के साथ अपनी प्रतिक्रिया पर चर्चा करें और अपने तर्कों की तुलना करें।

निवेश विकल्प	जोखिम स्तर (कम / मध्यम / उच्च) 1 से 7 तक नंबर	रखने का कारण
बचत खाता		
FD		
सोना		
म्यूचुअल फंड्स		
रियल एस्टेट		
शेयर बाजार		
व्यापार पुनर्निवेश		

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. यदि आप विकास के बजाय सुरक्षा चाहते हैं, तो आप कौन सा निवेश विकल्प चुनेंगे? क्यों?

....

....

प्रश्न 2. कौन सा विकल्प उच्चतम रिटर्न दे सकता है, और इसमें कौन से जोखिम शामिल हैं?

....

....

प्रश्न 3. जोखिम के स्तर को समझने से बेहतर निवेश निर्णय लेने में कैसे मदद मिलती है?

....

....

प्रश्न 4. क्या एक ही निवेश एक व्यक्ति के लिए कम जोखिम वाला और दूसरे के लिए उच्च जोखिम वाला हो सकता है? समझाएं।

....

....

सारांश

- **निवेश**

  निवेश का तात्पर्य किसी व्यवसाय या संपत्ति में खर्च किए गए या लगाए गए धन की राशि से है, जिसका उद्देश्य भविष्य में आय या लाभ कमाना है।

- **शुद्ध लाभ**

  शुद्ध लाभ कुल आय में से लागत, कर, ब्याज और अन्य शुल्कों जैसे सभी खर्चों को घटाने के बाद व्यवसाय द्वारा अर्जित अंतिम लाभ है।

  शुद्ध लाभ = कुल आय - कुल व्यय

- **निवेश पर प्रतिफल**

  ROI यह दर्शाता है कि निवेश किए गए पैसे की तुलना में कितना लाभ कमाया गया है। यह विभिन्न विकल्पों की तुलना करने और यह तय करने में मदद करता है कि क्या निवेश सार्थक है। उच्च ROI का मतलब हमेशा पैसे की तेजी से वसूली नहीं होता है।

  ROI = (शुद्ध लाभ ÷ निवेश) × 100

- **पैसे का समय मूल्य और पेबैक पीरियड**

  मुद्रास्फीति, अनिश्चितता और निवेश के अवसरों के कारण आज उपलब्ध पैसा भविष्य में प्राप्त होने वाली समान राशि से अधिक मूल्यवान है। जल्दी रिटर्न मिलना जोखिम को कम करता है और लचीलापन प्रदान करता है। पेबैक पीरियड छात्रों को यह समझने में मदद करता है कि मूल निवेश को वापस पाने में कितना समय लगता है। तेजी से वसूली का मतलब कम जोखिम है।

- **टैक्स और वास्तविक लाभ को समझना**

  टैक्स शुद्ध लाभ को कम करते हैं, व्यवसाय में किए गए प्रयास को नहीं। टैक्स के बाद लाभ की गणना करने से व्यवसाय की वास्तविक कमाई का पता चलता है। स्मार्ट व्यवसाय टैक्स को नजरअंदाज करने के बजाय उसके लिए योजना बनाते हैं।

- **बचत बनाम निवेश**

  बचत कम जोखिम और कम रिटर्न के साथ सुरक्षा और आपातकालीन सहायता प्रदान करती है। निवेश पैसे को समय के साथ बढ़ने में मदद करते हैं लेकिन इसमें उच्च जोखिम शामिल होता है। वित्तीय स्थिरता और विकास के लिए बचत और निवेश दोनों महत्त्वपूर्ण हैं। बचत पैसे की रक्षा करती है; निवेश इसे बढ़ने में मदद करता है।

- **स्मार्ट प्रॉफिट मैनेजमेंट**

  व्यवसायों को यह तय करना चाहिए कि अपने मुनाफे का बुद्धिमानी से उपयोग कैसे करें—खर्च करें, बचाएं या फिर से निवेश करें। बजटिंग, लागत नियंत्रण और पुनर्निवेश दीर्घकालिक स्थिरता का समर्थन करते हैं। 50:30:20 नियम जैसे सरल नियम प्रभावी लाभ योजना में मदद करते हैं।

- **जोखिम-रिटर्न संबंध**

  हर वित्तीय निर्णय में किसी न किसी स्तर का जोखिम शामिल होता है। सुरक्षित विकल्प आमतौर पर कम रिटर्न देते हैं, जबकि उच्च रिटर्न में उच्च जोखिम शामिल होता है। सोचा-समझा जोखिम विकास की ओर ले जाता है; अंधा जोखिम हानि का कारण बनता है।

अध्याय 08

व्यवसाय अनुपालन और संरक्षण

कालांश: 06

पिछले अध्याय में आपने यह सीखा कि किस प्रकार **समझदारीपूर्ण वित्तीय निर्णय** –जैसे निवेश पर प्रतिफल, धन का समय मूल्य, कर, बचत, निवेश तथा जोखिम— व्यवसाय को विकसित करने और धन का विवेकपूर्ण उपयोग करने में सहायक होते हैं। आपने जाना कि लाभ संयोग से नहीं बढ़ता, बल्कि सावधानीपूर्वक योजना, अनुशासन और सूचित निर्णयों से प्राप्त होता है। किन्तु केवल वित्तीय सफलता ही एक स्थायी और सुदृढ़ व्यवसाय के निर्माण के लिए पर्याप्त नहीं है।

यह अध्याय सीखने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए विधिक अनुपालन और व्यवसायिक साक्षरता का परिचय कराता है। जिस प्रकार धन का सावधानीपूर्वक प्रबंधन आवश्यक है, उसी प्रकार व्यवसायों को भी कानूनों का पालन करना, अपने विचारों की रक्षा करना तथा उचित अनुबंधों का उपयोग करना आवश्यक है, ताकि जोखिमों से बचा जा सके। इस अध्याय में आप समझेंगे कि विधिक नियम, आवश्यक दस्तावेज तथा बौद्धिक संपदा अधिकार (Intellectual Property Rights – IPR) किस प्रकार लाभदायक विचारों को सुरक्षित, विश्वसनीय और दीर्घकालिक व्यवसाय में परिवर्तित करने की मजबूत नींव प्रदान करते हैं।

सीखने के प्रतिफल

शिक्षार्थी सक्षम होंगे कि वे

- लघु व्यवसायों में बुनियादी कानूनी जोखिमों की पहचान करें तथा अनुपालन (Compliance) और उचित दस्तावेज़ीकरण के महत्व को समझा सकें।
- प्रमुख कानूनी दस्तावेज़ों जैसे समझौता ज्ञापन(Memorandum of Understanding – MoU), गोपनीयता समझौता (Non-Disclosure Agreement – NDA) और सेवा अनुबंध (Service Agreement) को पहचानें तथा उन्हें उपयुक्त व्यावसायिक परिस्थितियों से जोड़ सकें।
- बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) को समझें, उसके प्रकारों की पहचान करें तथा व्यवसायिक विचारों, ब्रांडों और आविष्कारों की सुरक्षा के लिए उनका उपयोग कर सकें।
- वास्तविक परिस्थितियों में कानूनी ज्ञान का प्रयोग करते हुए समझौतों, IPR और अन्य अनुपालन उपायों का उपयोग कर विवादों को रोकने और स्टार्टअप की सुरक्षा कर सकें।
- भारत में कंपनी पंजीकरण के लिए स्पाइस फॉर्म (SPICe Form) के उपयोग को परिभाषित और समझ सकें।

8.1 उद्यमियों के लिए विधिक जागरूकता एवं अनुपालन।

प्रत्येक व्यवसाय को कुछ निर्धारित नियमों और कानूनों का पालन करना आवश्यक होता है। ये कानून उद्यमी, ग्राहकों, कर्मचारियों तथा व्यवसायिक विचारों की सुरक्षा करते हैं। विधिक आधारभूत ज्ञान को समझने से जुर्माने, विवाद और आर्थिक हानि के जोखिम कम होते हैं। साथ ही, यह विश्वास का निर्माण करता है तथा व्यवसाय को सुचारु, उत्तरदायी और सुरक्षित रूप से संचालित करने में सहायता करता है।

गतिविधि 1 जोखिम पहचानें

उद्देश्य

व्यवसायों द्वारा सामना किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के जोखिमों की पहचान करना।

निर्देश

- कक्षा को चार छोटे समूहों में विभाजित करें।
- तालिका में दिए गए व्यवसायिक परिदृश्यों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
- चर्चा करें कि कौन-कौन सी समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं तथा उनके समाधान क्या हो सकते हैं।
- अपने विचार लिखें और कक्षा के साथ साझा करने के लिए तैयार रहें।

परिदृश्य	संभावित समस्याएँ	समाधान के उपाय
आपूर्तिकर्ता अनुपस्थित		
टीम में मतभेद		
नकली समीक्षा		
अचानक आया नया प्रतिस्पर्धी		

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. व्यवसाय की प्रारंभिक अवस्था में जोखिमों की पहचान करना क्यों आवश्यक है?

....

....

....

प्रश्न 2. आपको कौन-सा जोखिम सबसे अधिक गंभीर लगा और क्यों?

....

....

....

प्रश्न 3. पूर्व योजना व्यवसायिक समस्याओं को कैसे कम कर सकती है?

....

....

....

संकल्पना

विधिक अनुपालन क्यों महत्त्वपूर्ण है

- अनुबंध गलतफहमियों से बचाते हैं।
- लाइसेंस व्यवसायिक अधिकारों की रक्षा करते हैं।
- बौद्धिक संपदा लोगो (logo) और डिज़ाइन की सुरक्षा करती है।
- नैतिक एवं वैधानिक व्यवहार ग्राहकों का विश्वास बनाए रखता है।
- सुरक्षा, कर और श्रम नियम, दंड एवं जुर्माने से बचाते हैं।

दैनिक विधिक जोखिम

जोखिम	मूल समस्या
विचारों की चोरी	ट्रेडमार्क न होने से डिज़ाइन की नकल हो सकती है
साझेदारी विवाद	लिखित रूप में भूमिकाएँ/लाभ-वितरण तय नहीं
अपंजीकृत उत्पाद	आवश्यक लाइसेंस के बिना खाद्य/वस्तु बेचना
डेटा गोपनीयता समस्या	ग्राहक की जानकारी बिना अनुमति एकत्र करना
भ्रामक विज्ञापन	प्रमाण के बिना दावे करना
श्रम उल्लंघन	कर्मचारियों को कम वेतन देना या अधिक काम कराना
ट्रेडमार्क उल्लंघन	समान ब्रांड/लोगो का उपयोग
कर चोरी	बिक्री या GST की रिपोर्ट न करना
सुरक्षा नियमों का उल्लंघन	अग्नि/स्वास्थ्य स्वीकृति का अभाव
उत्पाद दायित्व	हानिकारक उत्पाद, ग्राहक शिकायतें

केस स्टोरी 1 स्थानीय व्यवसायिक विवाद

निर्देश

- केस स्टोरी को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
- जोड़ों या छोटे समूहों में चर्चा करें।
- अपनी समझ के आधार पर चिंतन प्रश्नों के उत्तर दें।

"टेस्टी कॉर्नर" से एक सीख

रमेश और सुनीता ने मिलकर एक छोटा खाद्य आउटलेट **"Tasty Corner"** शुरू करने का निर्णय लिया। उन्होंने एक-दूसरे पर विश्वास किया और बिना किसी लिखित समझौते के व्यवसाय प्रारंभ कर दिया। स्वामित्व, भूमिकाएँ या लाभ-वितरण स्पष्ट करने के लिए कोई समझौता ज्ञापन (Memorandum of Understanding – MoU), या साझेदारी अनुबंध (Partnership Deed) नहीं बनाया गया।

जैसे-जैसे खाद्य आउटलेट लोकप्रिय हुआ और अच्छा लाभ

कमाने लगा, दोनों के बीच मतभेद उत्पन्न होने लगे। व्यवसाय का लाइसेंस और सभी आधिकारिक दस्तावेज केवल सुनीता के नाम पर थे, इसलिए उसने स्वयं को "Tasty Corner" की एकमात्र स्वामिनी बताया। रमेश यह सिद्ध नहीं कर सका कि वह साझेदार है, क्योंकि कोई लिखित दस्तावेज उपलब्ध नहीं था। परिणामस्वरूप, व्यवसाय की वृद्धि में योगदान देने के बावजूद उसे व्यवसाय छोड़ना पड़ा। यह घटना दर्शाती है कि कानूनी दस्तावेजों की अनुपस्थिति साझेदारी में विवाद और हानि का कारण बन सकती है।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. रमेश और सुनीता को "Tasty Corner" की साझेदारी में समस्याओं का सामना क्यों करना पड़ा?

....

....

प्रश्न 2. व्यवसाय शुरू करते समय उन्होंने कौन-सा महत्त्वपूर्ण कदम छोड़ दिया, जिससे विवाद उत्पन्न हुआ?

....

....

प्रश्न 3. यह कहानी साझेदारों के साथ व्यवसाय शुरू करने के संबंध में क्या सीख देती है?

....

....

प्रश्न 4. यदि रमेश और सुनीता ने प्रारंभ में ही भूमिकाएँ और स्वामित्व स्पष्ट रूप से लिखित रूप में तय कर लिया होता, तो उनके साझेदारी का परिणाम कैसे भिन्न हो सकता था?

....

....

ज्ञानवर्धक

लिखित समझौता मौखिक वादे से अधिक मजबूत होता है, अपने विचारों, साझेदारियों और लेन-देन को हमेशा लिखित रूप में सुरक्षित रखें।

लीगल सेंस एक्सप्लोरर

साप्ताहिक कार्य

- आप जिस किसी स्थानीय व्यवसाय (दुकान, कैफ़े, क्लिनिक, सेवा केंद्र आदि) में नियमित रूप से जाते हैं, उसका अवलोकन कीजिए।
- उस व्यवसाय को संभावित रूप से कौन-सा कानूनी या साझेदारी जोखिम हो सकता है, इसे पहचानिए (उदाहरण: भुगतान से संबंधित समस्या, विवाद, ग्राहक शिकायतें)।
- एक संक्षिप्त चिंतन लिखिए, जिसमें स्पष्ट करें
  - आपने कौन-सा जोखिम पहचाना।

....

- जोखिम को कम करने वाला दस्तावेज़ या कानूनी कदम।

....

- जिम्मेदारी से व्यवसाय चलाने के बारे में सीखा गया एक पाठ।

....

8.2 मूल कानूनी दस्तावेजों को समझना

व्यवसाय तब सुचारु रूप से चलता है जब भूमिकाएँ, जिम्मेदारियाँ और अपेक्षाएँ स्पष्ट रूप से लिखित रूप में तय हों। कानूनी दस्तावेज सभी संबंधित पक्षों को स्पष्टता, जवाबदेही और सुरक्षा प्रदान करते हैं। छात्रों को तीन महत्त्वपूर्ण दस्तावेजों के बारे में जानकारी होनी चाहिए:

1. **समझौता ज्ञापन** (**Memorandum of Understanding – MoU**), – साझेदारों के बीच आपसी समझ को लिखित रूप में दर्ज करता है।,
2. **गोपनीयता समझौता (Non-Disclosure Agreement – NDA)** – गोपनीय विचारों और सूचनाओं की सुरक्षा करता है।,
3. **सेवा अनुबंध (Service Agreement)** – कार्य, भुगतान, गुणवत्ता मानक और समय-सीमा को स्पष्ट रूप से परिभाषित करता है।

गतिविधि 2 "नूरी क्राफ्ट" की कहानी

उद्देश्य

- दैनिक जीवन के अनुभवों को व्यवसाय में कानूनी दस्तावेज़ों के महत्व से संबंधित करना।

निर्देश

- केस स्टोरी को ध्यान से पढ़ें और भागीदारों द्वारा की गई गलतियों को नोट करें।
- अपने साथी या समूह के साथ चर्चा करें कि इन गलतियों से कैसे बचा जा सकता था।

"नूरीक्राफ्ट की कहानी"

तीन युवा महिलाएँ **नूर, रिया और सना** ने मिलकर "नूरी क्राफ्ट" नाम से एक छोटा हस्तनिर्मित शिल्प और उपहार व्यवसाय शुरू करने का निर्णय लिया। वे अपनी रचनात्मकता को एक सफल व्यवसाय में बदलना चाहती थीं। लेकिन जल्दी शुरुआत करने के उत्साह में उन्होंने कुछ महत्त्वपूर्ण कानूनी और नैतिक कदमों की अनदेखी कर दी। उन्होंने समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर नहीं किए, इसलिए भूमिकाएँ, स्वामित्व और जिम्मेदारियाँ स्पष्ट रूप से निर्धारित नहीं हुईं।

उन्होंने एक लोगो भी डिज़ाइन किया, लेकिन उसे पंजीकृत नहीं कराया, यह सोचकर कि शुरुआती चरण में इसकी आवश्यकता नहीं है। प्रचार के लिए उन्होंने सोशल मीडिया पर लोकप्रिय संगीत का उपयोग बिना अनुमति या लाइसेंस के किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने ऑफ़र और विपणन के लिए ग्राहकों के फोन नंबर और प्रतिक्रिया एकत्र की, लेकिन ग्राहकों को यह नहीं बताया कि उनके डेटा का उपयोग या संग्रह कैसे किया जाएगा।

केवल 30 दिनों के भीतर, इन चूकों के कारण गंभीर समस्याएँ उत्पन्न हो गई। एक अन्य कंपनी ने समान लोगो (logo) पर अधिकार का दावा किया, जिससे विवाद खड़ा हो गया। ग्राहकों ने उनके व्यक्तिगत डेटा के दुरुपयोग की शिकायत की, जिससे गोपनीयता संबंधी चिंताएँ बढ़ीं। इसी बीच, साझेदारों के बीच निर्णय लेने और स्वामित्व को लेकर मतभेद शुरू हो गए क्योंकि कुछ भी लिखित रूप में तय नहीं था। इन कानूनी, नैतिक और संचालन संबंधी समस्याओं के कारण **नूरी क्राफ्ट** को अंततः अपना व्यवसाय बंद करना पड़ा।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. नूरी क्राफ्ट के संस्थापकों ने अपना व्यवसाय प्रारंभ करते समय कौन-सी कानूनी एवं नैतिक त्रुटियाँ कीं?

....

प्रश्न 2. समझौता ज्ञापन और पंजीकृत लोगो (logo) के अभाव ने विवादों तथा उद्यम के बंद होने में किस प्रकार योगदान दिया?

....

प्रश्न 3. यदि आप संस्थापकों में से एक होते, तो इन समस्याओं से बचने के लिए प्रारंभ में कौन-से दो कदम उठाते?

....

संकल्पना

तीन आवश्यक कानूनी दस्तावेज़

दस्तावेज़	अर्थ	उद्देश्य	उदाहरण
समझौता ज्ञापन (MOU – Memorandum of Understanding)	लिखित सहमति/समझ	साझेदारी में भ्रम से बचाव	विद्यार्थी मिलकर कैफ़े प्रारंभ करें
गोपनीयता समझौता (NDA – Non-Disclosure Agreement)	जानकारी गोपनीय रखने का वचन	विचारों एवं सूचनाओं की सुरक्षा	निवेशकों के साथ ऐप का विचार साझा करना
सेवा अनुबंध (Service Agreement)	सेवाओं हेतु विधिक अनुबंध	कार्य, भुगतान एवं समय-सीमा स्पष्ट करना	पोस्टर डिज़ाइन के लिए डिज़ाइनर नियुक्त करना

गतिविधि 3 दस्तावेज़ जासूस – विधिक जीवनरेखा

उद्देश्य

विद्यार्थियों को विभिन्न व्यावसायिक परिस्थितियों के लिए उपयुक्त कानूनी दस्तावेज़ की पहचान करने में सक्षम बनाना तथा निर्णय-निर्माण, समस्या-समाधान और विधिक जागरूकता कौशल का विकास करना।

निर्देश

- 4–5 विद्यार्थियों के समूह बनाएँ।
- शिक्षक द्वारा दिए गए प्रत्येक व्यावसायिक परिदृश्य को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
- प्रत्येक स्थिति के लिए सबसे उपयुक्त कानूनी दस्तावेज़ (MoU, NDA या Service Agreement) का चयन करें।
- एक स्पष्ट वाक्य में लिखें कि आपने वही दस्तावेज़ क्यों चुना।
- कक्षा के समक्ष अपना उत्तर और उसका कारण प्रस्तुत करने के लिए तैयार रहें।

परिदृश्य

क्र.सं.	परिदृश्य	आवश्यक सहयोग	आवश्यक दस्तावेज़ एवं कारण
1.	विद्यार्थी मौखिक योजना के आधार पर स्नैक व्यवसाय प्रारंभ करते हैं	भविष्य के विवादों की रोकथाम	
2.	विद्यार्थी अपने ऐप का विचार प्रस्तुत कर रहा है	विचारों की सुरक्षा	
3.	ब्रांड एक डिज़ाइनर नियुक्त करता है	कार्य की शर्तें स्पष्ट करना	
4.	स्कूल फेस्ट फ़ोटोग्राफ़ी बूथ	भूमिकाएँ और आय को परिभाषित करें	
5.	रोबोटिक्स टीम अपना प्रोटोटाइप साझा करती है	गोपनीयता बनाए रखना	
6.	कैफ़े एक छात्र इन्फ्लुएंसर को नियुक्त करता है	पोस्ट, समय-सीमा और भुगतान स्पष्ट करना	

लघु समझौता निर्माण चुनौती।

साप्ताहिक कार्य

किसी एक छोटे व्यवसायिक विचार का चयन करें (उदाहरण: ऑनलाइन स्टोर, ट्यूशन सेवा, कैफ़े, कार्यक्रम प्रबंधन, डिजिटल मार्केटिंग आदि)।

निम्न बिंदुओं पर विचार करें और दो संभावित विवाद लिखें जो साझेदारों के बीच उत्पन्न हो सकते हैं, जैसे-(धन संबंधी मुद्दे भूमिकाओं की अस्पष्टता, निर्णय-निर्माण में मतभेद, व्यवसाय से बाहर निकलने की स्थिति

पाँच बिंदुओं वाला साझेदारी समझौता तैयार करें, इसमें निम्न बिंदु अवश्य शामिल हों—

- दोनों व्यवसायिक साझेदारों के नाम (काल्पनिक नाम प्रयोग कर सकते हैं)
- व्यवसाय का उद्देश्य
- प्रत्येक साझेदार की भूमिका एवं उत्तरदायित्व
- लाभ या आय का विभाजन कैसे होगा
- यदि कोई साझेदार व्यवसाय छोड़ना चाहे या बंद करना चाहे तो क्या प्रक्रिया होगी

ज्ञान-वर्धक

"लिखिए, अनुमान मत लगाइए।" स्पष्ट एवं लिखित दस्तावेज़ ही उत्तरदायी और सफल व्यवसाय की नींव रखते हैं।

8.3 बौद्धिक संपदा अधिकार (Intellectual Property Rights – IPR)

हम प्रतिदिन कुछ न कुछ मौलिक रचनाएँ तैयार करते हैं, जैसे डिज़ाइन, विचार, वीडियो, ऐप और नवाचार। बौद्धिक संपदा अधिकार **(Intellectual Property Rights – IPR)** इन रचनाओं की सुरक्षा करते हैं और रचनाकार को कानूनी स्वामित्व प्रदान करते हैं।

यह सुरक्षा किसी भी प्रकार के दुरुपयोग, नकल या चोरी को रोकती है तथा रचनात्मकता, नवाचार और उचित मान्यता को प्रोत्साहित करती है।

गतिविधि 4 सोचें–जोड़ी बनाएँ–साझा करें: यदि यह आपका होता तो?

उद्देश्य

रचनात्मक कार्यों की सुरक्षा के महत्त्व को समझना तथा रचनाकारों के प्रति समानुभूति (Empathy) विकसित करना।

निर्देश

- कल्पना कीजिए कि आपने एक आकर्षक लोगो, गीत, ऐप या गैजेट बनाया है। कोई व्यक्ति आपकी अनुमति के बिना उसकी नकल करता है और उससे धन अर्जित करता है।

  आप कैसा महसूस करेंगे और क्यों? अपने विचार अपने साथी के साथ चर्चा करें।
- कोई व्यक्ति आपकी अनुमति के बिना उसकी नकल करता है और उससे धन अर्जित करता है।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. रचनाकारों को अपने विचारों और रचनाओं के लिए कानूनी सुरक्षा की आवश्यकता क्यों होती है?

....

प्रश्न 2. यदि कोई व्यक्ति बिना अनुमति के किसी दूसरे के विचार का उपयोग करता है, तो कौन-कौन सी समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं?

....

प्रश्न 3. यदि आपने कुछ मौलिक बनाया है, तो उसकी सुरक्षा के लिए आप कौन-से कदम उठाएँगे?

....

संकल्पना

बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) के प्रकार

IPR का प्रकार	यह किसकी सुरक्षा करता है	उदाहरण
ट्रेडमार्क	ब्रांड नाम, प्रतीक और लोगो	Nike, Coca-Cola का (logo)
कॉपीराइट	रचनात्मक कार्य	गीत, कलाकृति, वीडियो, ऐप का कोड
पेटेंट	नए आविष्कार या प्रक्रियाएँ	कचरा छाँटने की मशीन, विशेष फॉर्मूला

गतिविधि 5 IPR परिदृश्य वर्गीकरण – IPR निरीक्षक बनें

निर्देश (समूह कार्य)

- 4–5 विद्यार्थियों के छोटे समूह बनाएँ। नीचे दी गई तालिका में प्रत्येक व्यवसायिक परिदृश्य को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

- प्रत्येक स्थिति के लिए यह निर्धारित करें कि कौन-सा बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) सबसे उपयुक्त होगा—
  - पेटेंट – आविष्कार या तकनीकी समाधान के लिए
  - कॉपीराइट – रचनात्मक सामग्री के लिए
  - ट्रेडमार्क – ब्रांड नाम, लोगो या प्रतीक के लिए
- अपने उत्तर के साथ एक संक्षिप्त कारण भी लिखें।

परिदृश्य

क्रमांक	परिदृश्य	उपयुक्त IPR	क्यों? (संक्षिप्त कारण)
1.	एक विद्यार्थी प्लास्टिक कचरा छाँटने की मशीन का आविष्कार करता है		
2.	एक कलाकार ग्रीटिंग कार्ड के डिज़ाइन तैयार करता है		
3.	एक कैफ़े अनोखा लोगो और स्लोगन उपयोग करता है		
4.	एक कोडर ट्यूटरिंग ऐप विकसित करता है		
5.	एक कंपनी नया साबुन फॉर्मूला तैयार करती है		
6.	एक डिज़ाइनर पैटर्न और ब्रांड नाम बनाता है		

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. सही IPR का चयन व्यवसायों को अपने विचारों और ब्रांड मूल्य की सुरक्षा में कैसे सहायता करता है?

....

....

....

प्रश्न 2. यदि कोई व्यवसाय अपनी रचनाओं या ब्रांड की सुरक्षा नहीं करता, तो क्या परिणाम हो सकते हैं?

....

....

....

प्रश्न 3. आपके अनुसार युवा रचनाकारों के लिए कौन-सा IPR सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण है और क्यों?

....

....

....

ज्ञान वर्धक

"उचित बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) नवाचार की रक्षा करते हैं, रचनात्मकता को पुरस्कृत करते हैं और व्यवसाय की पहचान को सशक्त बनाते हैं।"

8.4 व्यवसाय में कानूनी अनुपालन का अनुप्रयोग

कानूनी अनुपालन (Legal Compliance) का अर्थ है उन कानूनों और नियमों का पालन करना जो किसी व्यवसाय, उसके सृजनकर्ताओं, कर्मचारियों और ग्राहकों की सुरक्षा करते हैं। यह निष्पक्षता सुनिश्चित करता है, विवादों से बचाता है तथा जुर्माना या दंड से सुरक्षा प्रदान करता है।

स्टार्टअप के लिए अनुपालन में निम्न तथ्य शामिल होते हैं

- **समझौते और अनुबंध** भूमिकाएँ, उत्तरदायित्व और लाभ-वितरण स्पष्ट रूप से निर्धारित करना ताकि गलतफहमियों से बचा जा सके।
- **बौद्धिक संपदा संरक्षण** अपने विचारों, डिज़ाइनों और नवाचारों को अनधिकृत उपयोग से सुरक्षित रखना।
- **नैतिक और कानूनी प्रथाएँ** सुरक्षित उत्पाद, ईमानदार विज्ञापन और उचित कर-भुगतान से संबंधित कानूनों का पालन करना।

कानूनी अनुपालन को समझकर और उसका पालन करके उद्यमी विश्वसनीयता स्थापित करते हैं, सुचारु संचालन बनाए रखते हैं तथा दीर्घकालिक व्यावसायिक विकास सुनिश्चित करते हैं।

गतिविधि 6 — कानूनी परेशानी या कानूनी सफलता? (Legal Trouble or Legal Triumph?)

उद्देश्य

कानूनी और अवैध व्यावसायिक प्रथाओं की पहचान करना तथा अनुपालन के महत्त्व को समझना।

निर्देश

- प्रत्येक परिदृश्य को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
- निर्धारित करें कि कार्य कानूनी है या अवैध।
- दिए गए स्थान में अपना उत्तर लिखें।

क्रमांक	परिदृश्य	कानूनी / अवैध
1.	बिना अनुमति लोकप्रिय गीत का उपयोग करना	
2.	कैफ़े द्वारा अपने लोगो का पैकेजिंग पर उपयोग करना	
3.	मित्र की कलाकृति की नकल कर उसे पोस्ट करना	
4.	लाइसेंस प्राप्त स्टॉक चित्रों (Licensed Stock Images) का उपयोग करना	
5.	किसी प्रसिद्ध ब्रांड के लोगो की नकल करना	
6.	स्टार्टअप शुरू करने से पहले मित्रों द्वारा एमओयू (MoU) बनाना	
7.	वस्तु एवं सेवा कर (GST) की ईमानदारी से रिपोर्ट करना	
8.	ग्राहकों को बताए बिना उनके फोन नंबर एकत्र करना	
9.	एनडीए (NDA) पर हस्ताक्षर करने के बाद ही विचार साझा करना	
10.	उत्पाद में चीनी होने के बावजूद "100% शुगर-फ्री" का विज्ञापन करना	

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. कौन-सी गतिविधियाँ व्यवसाय और उसकी प्रतिष्ठा की रक्षा करती हैं?

....

....

प्रश्न 2. एमओयू (MoU) और एनडीए (NDA) जैसे कानूनी दस्तावेज विवादों को रोकने में कैसे सहायता करते हैं?

....

....

प्रश्न 3. नैतिक और कानूनी व्यावसायिक प्रथाओं का पालन करना क्यों महत्त्वपूर्ण है?

....

संकल्पना

1. अनुपालन (Compliance) क्या है?

व्यवसाय में कानूनों, नियमों और नैतिक मानकों का पालन करना।

2. स्टार्टअप कानूनी समस्याओं का सामना क्यों करते हैं?

कानूनी समस्याएँ	कानूनी समस्याओं का प्रभाव
कोई लिखित समझौता नहीं	साझेदारों के बीच विवाद
सामग्री / लोगो की नकल	कानूनी मामले और दावे
लाइसेंस या पंजीकरण का अभाव	जुर्माना या व्यवसाय बंद
गोपनीयता और डेटा संरक्षण उल्लंघन	ग्राहक शिकायतें
भ्रामक या झूठे विज्ञापन	उपभोक्ता दंड

बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) के मूल तत्व

प्रकार	सुरक्षा करता है
ट्रेडमार्क	ब्रांड नाम, लोगो
कॉपीराइट	रचनात्मक सामग्री
पेटेंट	नए आविष्कार

गतिविधि 7 द फूडी फ्रेंड्स फियास्को (The Foodie Friends Fiasco)

उद्देश्य

व्यवसाय की विफलता को रोकने में कानूनी अनुपालन, स्पष्ट समझौतों और बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) संरक्षण के महत्त्व को समझना।

निर्देश

- परिदृश्य को ध्यानपूर्वक पढ़ें और व्यवसाय द्वारा की गई कानूनी तथा संचालन संबंधी त्रुटियों की पहचान करें।

- जोड़ों (Pairs) या छोटे समूहों में चर्चा करें कि इन त्रुटियों से कैसे बचा जा सकता था।
- चिंतन प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्यों में लिखें।

परिदृश्य

तीन मित्रों ने **Snaclore** नाम से एक खाद्य स्टार्टअप प्रारंभ किया। उन्होंने कई गंभीर त्रुटियाँ कीं

- साझेदारों के बीच कोई एमओयू हस्ताक्षरित नहीं किया गया।
- लोगो (logo) का पंजीकरण नहीं कराया गया।
- प्रचार के लिए बिना अनुमति संगीत का उपयोग किया गया।
- ग्राहकों का डेटा बिना सूचित किए एकत्र किया गया।

परिणाम

30 दिनों के भीतर व्यवसाय को निम्न समस्याओं का सामना करना पड़ा

- एक अन्य कंपनी के साथ लोगो विवाद।
- ग्राहकों की ओर से गोपनीयता संबंधी शिकायत।
- स्वामित्व और जिम्मेदारियों को लेकर साझेदारों के बीच संघर्ष।

अंततः, व्यवसाय को बंद करना पड़ा।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. टीम द्वारा की गई तीन प्रमुख गलतियाँ क्या थीं?

....

प्रश्न 2. एक एमओयू (MoU) इस विवाद को कैसे रोक सकता था?

....

प्रश्न 3. लोगो की सुरक्षा के लिए उन्हें कौन-सा बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) कदम उठाना चाहिए था?

....

ज्ञान वर्धक

त्वरित कानूनी सुझाव

- ब्रांड लॉन्च करने से पहले ट्रेडमार्क पंजीकृत करें।
- रॉयल्टी-फ्री संगीत और चित्रों का उपयोग करें।
- रचनात्मक कार्य पर © नाम, वर्ष अवश्य लिखें।
- मित्रों के साथ भी हमेशा लिखित समझौता करें।
- आवश्यक लाइसेंस प्राप्त करें।
- ग्राहकों का डेटा केवल उनकी अनुमति से एकत्र

अपनी कानूनी रूपरेखा तैयार करें — साप्ताहिक कार्य

A4 आकार की शीट पर अपनी पसंद के किसी छोटे व्यवसाय विचार के लिए एक 1-पृष्ठीय कानूनी अनुपालन योजना तैयार करें। आपकी योजना में निम्नलिखित शामिल होना चाहिए

- व्यवसाय का नाम
- आवश्यक प्रमुख कानूनी दस्तावेज (जैसे: MoU, एनडीए (NDA – Non-Disclosure Agreement), सेवा अनुबंध (Service Agreement))
- बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) के माध्यम से अपने ब्रांड या उत्पाद की सुरक्षा के कदम
- ग्राहकों और साझेदारों के साथ व्यवहार करते समय अपनाए जाने वाले सरल नैतिक नियम

8.5 SPICe प्रपत्र – भारत में कंपनी का पंजीकरण

किसी कंपनी की शुरुआत केवल एक अच्छे विचार से नहीं होती, इसे आधिकारिक बनाने के लिए कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करना आवश्यक है। SPICe प्रपत्र एक सरलीकृत साधन है जो उद्यमियों को अपनी कंपनी का त्वरित और सही तरीके से पंजीकरण कराने में सहायता करता है। आवश्यक विवरणों और प्रक्रिया की समझ यह सुनिश्चित करती है कि आपका व्यवसाय एक मजबूत कानूनी आधार पर प्रारंभ हो। यह अध्याय आपको बताएगा कि SPICe प्रपत्र क्या है, इसे कब उपयोग किया जाता है, और वास्तविक व्यावसायिक परिस्थितियों में इसका क्या महत्त्व है।

गतिविधि 8 विचार से कंपनी तक(From Idea to Company)

उद्देश्य

यह समझना कि किसी व्यवसाय को "कंपनी" कहलाने से पहले उसका विधिक पंजीकरण आवश्यक है।

निर्देश

- परिदृश्य को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
- व्यक्तिगत रूप से विचार करें कि कंपनी शुरू करने के लिए कौन-कौन से कानूनी कदम आवश्यक हैं।

परिदृश्य

मान्या और उसकी मित्र ने कक्षा 12 पूर्ण कर ली है और वे मिलकर एक व्यवसाय शुरू करने के लिए उत्साहित हैं। उनके पास एक उत्कृष्ट विचार, एक अनूठा नाम, और प्रारंभिक निवेश की छोटी राशि तैयार है। वे तुरंत संचालन प्रारंभ करना चाहती हैं। क्या वे केवल नाम चुनकर व्यवसाय शुरू कर सकती हैं, या उन्हें पहले कुछ कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करना होगा?

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. किसी व्यवसाय को आधिकारिक रूप से "कंपनी" कहलाने से पहले कौन-सा कानूनी कदम आवश्यक है?

....

....

प्रश्न 2. उद्यमियों के लिए पंजीकरण क्यों महत्त्वपूर्ण है?

....

....

संकल्पना

SPICe प्रपत्र क्या है?

- SPICe (Simplified Proforma for Incorporating Company Electronically)
- एक ऑनलाइन प्रपत्र है जिसे कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय (Ministry of Corporate Affairs – MCA) द्वारा भारत में कंपनी पंजीकरण के लिए प्रस्तुत किया गया है।
- यह उद्यमियों को एक ही प्रपत्र के माध्यम से कानूनी रूप से कंपनी स्थापित करने की सुविधा प्रदान करता है।

SPICe प्रपत्र महत्त्वपूर्ण क्यों हैं?

- व्यवसाय को कानूनी पहचान प्रदान करता है।
- समय और कागजी कार्यवाही की बचत करता है।
- कंपनी के नाम से बैंक खाता खोलने की अनुमति देता है।
- कर एवं कर्मचारी पंजीकरण में सहायता करता है।
- निवेशकों और ग्राहकों के बीच विश्वास स्थापित करता है।

SPICe प्रपत्र भरने के लिए आवश्यक विवरण

- प्रस्तावित कंपनी का नाम
- कंपनी का प्रकार – प्राइवेट / ओपीसी / पब्लिक
- निदेशकों का विवरण – पैन, आधार
- पंजीकृत कार्यालय का पता
- पूंजी संबंधी विवरण
- एमओए (MOA – Memorandum of Association) और एओए (AOA – Articles of Association) अर्थात कंपनी के नियम

Important Abbreviations

महत्त्वपूर्ण संक्षेपाक्षर

OPC – एकल व्यक्ति कंपनी (One Person Company)

PAN – स्थायी खाता संख्या (Permanent Account Number)

AOA – संघ के अनुच्छेद (Articles of Association)

MOA – संघ का ज्ञापन (Memorandum of Association)

केस स्टोरी 2 एक्स्ट्रास्पार्क सॉल्यूशंस प्रा. लि. (Extraspark Solutions Pvt. Ltd.) की स्थापना

रिया और अमन ने **"एक्स्ट्रास्पार्क सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड"** नाम से अपना स्वयं का व्यवसाय शुरू करने का सपना देखा। उनके पास एक विशिष्ट व्यावसायिक विचार और प्रारंभिक पूंजी उपलब्ध थी, परंतु वे जानते थे कि पंजीकरण के बिना वे कानूनी रूप से कंपनी संचालित नहीं कर सकते। इस उद्देश्य से उन्होंने भारत में कंपनी पंजीकरण के लिए उपयोग किए जाने वाले **SPICe प्रपत्र** के माध्यम से आवेदन किया।

प्रपत्र सफलतापूर्वक भरने और जमा करने के बाद उन्हें निम्नलिखित प्राप्त हुआ

- कंपनी पहचान संख्या (CIN – Company Identification Number)
- स्थायी खाता संख्या (PAN – Permanent Account Number) एवं कर खाता संख्या (TAN – Tax Account Number)
- कंपनी के नाम से बैंक खाता खोलने की स्वीकृति

इन कानूनी स्वीकृतियों के साथ रिया और अमन अब अपने व्यवसाय को विधिसम्मत (Lawfully) रूप से संचालित कर सकते थे, पूंजी जुटा सकते थे तथा ग्राहकों और भागीदारों के बीच विश्वसनीयता स्थापित कर सकते थे।

चिंतन प्रश्न

प्रश्न 1. रिया और अमन ने एक्स्ट्रास्पार्क सॉल्यूशंस प्रा. लि. का पंजीकरण कराने के लिए किस प्रपत्र का उपयोग किया, और कंपनी को कानूनी रूप से प्रारंभ करने के लिए यह कदम क्यों आवश्यक था?

....

प्रश्न 2. SPICe प्रपत्र सफलतापूर्वक जमा करने के बाद रिया और अमन को कौन-सी तीन स्वीकृतियाँ या दस्तावेज प्राप्त हुए?

....

प्रश्न 3. इन कानूनी स्वीकृतियों को प्राप्त करने से रिया और अमन को अपने व्यवसाय को विधिसम्मत रूप से संचालित करने और विश्वसनीयता स्थापित करने में कैसे सहायता मिली?

....

प्रश्न 4. इस केस के अनुसार, SPICe प्रपत्र के माध्यम से कंपनी पंजीकरण के बाद रिया और अमन के लिए कौन-से नए अवसर उपलब्ध हुए?

....

ज्ञानवर्धक

- SPICe = कंपनी को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से स्थापित करने हेतु सरलीकृत प्रपत्र (Simplified Proforma for Incorporating Company Electronically)
- एक प्रपत्र, अनेक पंजीकरण
- SPICe का उपयोग केवल कंपनियाँ करती हैं (एकल स्वामित्व व्यवसाय नहीं)
- कानूनी अनुपालन उद्यमिता का प्रथम चरण है

यदि ऐसा हो तो क्या होगा...?

साप्ताहिक कार्य

कल्पना कीजिए कि आपके विद्यालय में कोई नियम नहीं हैं, न समय-सारिणी, न वेश-भूषा नियम, न अनुशासन, और न ही व्यवहार या अधिगम के दिशा-निर्देश। ऐसी स्थिति में विद्यालय का दैनिक जीवन कैसा होगा? अपने विचारों के आधार पर, नियम-रहित वातावरण में होने वाले कम-से-कम दो सकारात्मक और दो नकारात्मक परिणाम लिखिए।

....

....

....

....

एक पृथक शीट पर एक लघु अनुच्छेद लिखिए जिसमें स्पष्ट करें

- व्यवस्था और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए नियम क्यों आवश्यक हैं?
- नियम लोगों और संसाधनों की रक्षा कैसे करते हैं?
- समस्याओं को रोकने, विवादों से बचने तथा सभी के लिए सुरक्षित और उत्पादक वातावरण बनाने हेतु विद्यालयों के साथ-साथ व्यवसायों में भी नियम क्यों आवश्यक हैं?

सारांश

- **कानूनी अनुपालन** का अर्थ है व्यवसाय को सुरक्षित और जिम्मेदार तरीके से संचालित करने हेतु कानूनों, नियमों और नैतिक प्रथाओं का पालन करना।
- **एमओयू (MoU), एनडीए (NDA) और सेवा समझौते (Service Agreements)** जैसे दस्तावेज गलतफहमियों और साझेदारों के विवादों को रोकते हैं।
- **बौद्धिक संपदा अधिकार** विचारों, ब्रांड, सामग्री और आविष्कारों की रक्षा ट्रेडमार्क, कॉपीराइट और पेटेंट के माध्यम से करते हैं।
- **अनुपालन की उपेक्षा** करने से जुर्माना, विवाद, विश्वास की हानि, डेटा उल्लंघन, उत्पाद प्रतिबंध या व्यवसाय बंद होने जैसी समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं।
- **SPICe प्रपत्र** का उपयोग केवल भारत में कंपनियों के पंजीकरण हेतु किया जाता है और यह कानूनी पहचान, पैन (PAN), टैन (TAN) तथा बैंक खाता सुविधा प्रदान करता है।
- **मुख्य संदेश:** अच्छे विचारों को कानूनी सुरक्षा की आवश्यकता होती है—स्पष्ट नियम और दस्तावेज ही विचारों को स्थायी और सफल व्यवसाय में परिवर्तित करते हैं।

शब्दावली

अनुकूलनशीलता (Adaptability) – परिस्थितियों में परिवर्तन होने पर विचारों या कार्यों को समायोजित करने की क्षमता।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence – AI) – कंप्यूटर प्रणालियाँ जो आँकड़ों का विश्लेषण करती हैं, पैटर्न सीखती हैं और निर्णय लेती हैं।

अटल इनक्यूबेशन सेंटर (Atal Incubation Centre – AIC) – एआईएम के अंतर्गत स्थापित इनक्यूबेशन केंद्र जो स्टार्टअप को मार्गदर्शन और कार्यस्थल प्रदान करते हैं।

अटल नवाचार मिशन (Atal Innovation Mission – AIM) – नवाचार, एटीएल प्रयोगशालाओं और इनक्यूबेशन को बढ़ावा देने हेतु सरकारी पहल।

सादृश्य (Analogy) – किसी विचार को स्पष्ट करने के लिए किया गया तुलनात्मक उदाहरण।

एएस्पायर (ASPIRE) – ग्रामीण उद्यमिता और इनक्यूबेशन समर्थन को प्रोत्साहित करने वाली योजना।

लाभ (Benefit) – किसी वस्तु या कार्य से प्राप्त होने वाला फायदा।

पुनः उभरना (Bounce Back) – असफलता के बाद शीघ्रता से पुनः संभल जाना।

ब्रांड (Brand) – किसी व्यवसाय की पहचान और भावनात्मक छवि।

ब्रांड पहचान (Brand Identity) – नाम, लोगो, डिजाइन और संदेश के माध्यम से निर्मित छवि।

ब्रांड नाम (Brand Name) – व्यवसाय का प्रतिनिधित्व करने वाला यादगार नाम।

ब्रांड कथा (Brand Story) – ब्रांड की यात्रा, उद्देश्य और मूल्य।

ब्रांड मूल्य (Brand Values) – वे सिद्धांत जो ब्रांड के कार्यों का मार्गदर्शन करते हैं।

ब्रांडिंग (Branding) – उत्पाद या सेवा की विशिष्ट पहचान बनाना।

बजट निर्माण (Budgeting) – आय और व्यय की योजना बनाना।

कैनवा (Canva) – पोस्टर, लोगो और प्रस्तुतीकरण बनाने का डिजिटल डिजाइन उपकरण।

कार्बन पदचिह्न (Carbon Footprint) – गतिविधियों से उत्पन्न कार्बन उत्सर्जन।

केस स्नैपशॉट (Case Snapshot) – अधिगम हेतु प्रयुक्त संक्षिप्त वास्तविक उदाहरण।

सहयोग (Collaboration) – लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए मिलकर कार्य करना।

संचार कौशल (Communication Skills) – विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने की क्षमता।

अधिगम समुदाय (Learning Communities) – ऐसे समूह जो सीखने और साझा करने में सहयोग करते हैं।

अनुपालन (Compliance) – व्यवसाय पंजीकरण हेतु कानूनी नियमों का पालन करना।

संकल्पना (Concept Box) – प्रमुख विचारों को स्पष्ट करने वाला विशेष रूप से प्रदर्शित खंड।

कोर्सेरा (Coursera) – विश्वविद्यालय पाठ्यचर्या प्रदान करने वाला ऑनलाइन मंच (ऑडिट विकल्प सहित)।

रचनात्मकता (Creativity) – नए और अनूठे विचार सोचना।

आलोचनात्मक चिंतन (Critical Thinking) – निर्णय लेने से पहले जानकारी का विश्लेषण करना।

ग्राहक अनुभव (Customer Experience) – उत्पाद का उपयोग करते समय ग्राहकों की भावना।

ग्राहक आवश्यकताएँ (Customer Needs) – वे समस्याएँ जिन्हें ग्राहक चाहते हैं कि व्यवसाय हल करे।

ग्राहक विश्वास (Customer Trust) – ब्रांड के प्रति ग्राहकों का विश्वास।

डेटा गोपनीयता (Data Privacy) – ऑनलाइन व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा।

डेटा चोरी (Data Theft) – डिजिटल जानकारी की चोरी।

डीब्रीफ (Debrief) – गतिविधि के बाद की चिंतनात्मक चर्चा।

निर्णय-निर्माण (Decision-Making) – मूल्यांकन के बाद सर्वोत्तम विकल्प चुनना।

डिज़ाइन चिंतन (Design Thinking) – समस्याओं को समझने, परीक्षण करने और समाधान में सुधार करने की प्रक्रिया।

डिजिटल पदचिह्न (Digital Footprint) – ऑनलाइन गतिविधियों का रिकॉर्ड।

डिजिटल इंडिया (Digital India) – डिजिटल पहुँच और सेवाओं को बढ़ावा देने वाली पहल।

डिजिटल लर्निंग टूलबॉक्स (Digital Learning Toolbox) – अधिगम के लिए ऑनलाइन उपकरणों का संग्रह।

डिजिटल साक्षरता (Digital Literacy) – तकनीक का सुरक्षित और प्रभावी उपयोग।

डीपीआईआईटी (DPIIT) – स्टार्टअप इंडिया के अंतर्गत स्टार्टअप को मान्यता प्रदान करने वाला विभाग।

पर्यावरण-अनुकूल (Eco-friendly) – पर्यावरण को हानि न पहुँचाने वाला।

भावनात्मक स्मरण (Emotional Recall) – भावनाओं के माध्यम से याद रखना।

उद्यमी (Entrepreneur) – समस्याओं के समाधान हेतु उद्यम प्रारंभ करने वाला व्यक्ति।

उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र (Entrepreneurial Ecosystem) – मार्गदर्शकों, निवेशकों और योजनाओं का नेटवर्क।

उद्यमशील मानसिकता (Entrepreneurial Mindset) – पहल, रचनात्मकता और दृढ़ता पर आधारित सोच शैली।

उद्यमिता (Entrepreneurship) – विचारों को क्रियान्वयन में बदलना।

नैतिक व्यवहार (Ethical Behaviour) – ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ कार्य करना।

अनुभवात्मक अधिगम (Experiential Learning) – वास्तविक जीवन की गतिविधियों के माध्यम से सीखना।

वित्तीय साक्षरता (Financial Literacy) – बचत, लागत, मूल्य निर्धारण और बजट की समझ।

फिनटेक (FinTech) – वित्तीय सेवाओं में उपयोग की जाने वाली तकनीक।

जीईएम (GeM – Government e-Marketplace) – सरकारी खरीदारों को उत्पाद बेचने का पोर्टल।

गिफ्ट सिटी (GIFT City) – भारत का वित्तीय केंद्र, जो फिनटेक स्टार्टअप का समर्थन करता है।

लक्ष्य पुनर्निर्धारण (Goal Reset) – चिंतन के बाद लक्ष्य में संशोधन करना।

लक्ष्य निर्धारण (Goal Setting) – प्राप्त किए जा सकने वाले उद्देश्यों की योजना बनाना।

गूगल वर्कस्पेस (Google Workspace) – सहयोग के लिए डॉक्स, शीट्स और स्लाइड्स का समूह।

विकासशील मानसिकता (Growth Mindset) – यह विश्वास कि प्रयास से कौशल विकसित किए जा सकते हैं।

होमप्रेन्योर (Homepreneur) – स्थानीय या डिजिटल संसाधनों का उपयोग कर घर से व्यवसाय चलाने वाला उद्यमी।

आईएफआईएच (IFIH – International FinTech Innovation Hub) – गिफ्ट सिटी में स्थित अंतरराष्ट्रीय फिनटेक नवाचार केंद्र।

प्रभाव (Impact) – किसी उद्यम द्वारा उत्पन्न सकारात्मक परिवर्तन।

इनक्यूबेटर (Incubator) – मार्गदर्शन और कार्यस्थल प्रदान करने वाला केंद्र।

नवाचार (Innovation) – नए विचारों या सुधारों का परिचय।

नवाचार संस्कृति (Innovation Culture) – रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने वाला वातावरण।

अंतर्दृष्टि (Insight) – गहन समझ।

अंत:उद्यमी (Intrapreneur) – संगठन के भीतर नवाचार करने वाला कर्मचारी।

जर्नल (Journal) – अधिगम और विचारों का व्यक्तिगत अभिलेख।

करके सीखना (Learning by Doing) – व्यावहारिक रूप से समझने की पद्धति।

अधिगम समुदाय (Learning Community) – साथ मिलकर सीखने वाला समूह।

आजीवन अधिगम (Lifelong Learning) – निरंतर कौशल विकास की प्रक्रिया।

लोगो (Logo) – ब्रांड का दृश्य प्रतीक।

मैलवेयर (Malware) – हानिकारक सॉफ्टवेयर।

बाज़ार अनुसंधान (Market Research) – ग्राहकों और प्रतिस्पर्धियों का अध्ययन।

मार्गदर्शक (Mentor) – विकास में सहयोग देने वाला सलाहकार।

मार्गदर्शन (Mentorship) – मार्गदर्शन प्रदान करने की प्रक्रिया।

एमआईटी ओसीडब्ल्यू (MIT OCW) – एमआईटी द्वारा उपलब्ध निःशुल्क व्याख्यान संसाधन।

नेटवर्किंग (Networking) – व्यावसायिक संबंधों का निर्माण।

नॉशन (Notion) – नोट्स और योजनाएँ व्यवस्थित करने का उपकरण।

अवसर पहचान (Opportunity Recognition) – समस्याओं को व्यावसायिक विचारों के रूप में पहचानना।

अतिसाझाकरण (Over-Sharing) – ऑनलाइन अत्यधिक व्यक्तिगत जानकारी साझा करना।

सहपाठी अधिगम (Peer Learning) – समवयस्कों से सीखना।

दृढ़ता (Persistence) – कठिनाइयों के बावजूद निरंतर प्रयास करना।

फिशिंग (Phishing) – डेटा चुराने के लिए नकली लिंक या संदेश

पिच (Pitch) – व्यावसायिक विचार का संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण।

पीओसी (PoC – Proof of Concept) – यह परीक्षण कि कोई विचार व्यवहार में कार्य करता है या नहीं।

समस्या-समाधान (Problem-Solving) – प्रभावी समाधान ढूँढने की प्रक्रिया।

प्रोटोटाइप (Prototype) – परीक्षण हेतु तैयार किया गया प्रारंभिक मॉडल।

चिंतन (Reflection) – सीखने के लिए गहन विचार करना।

लचीलापन (Resilience) – असफलताओं या कठिनाइयों से पुनः उभरने की क्षमता।

संसाधन प्रबंधन (Resource Management) – समय और धन का विवेकपूर्ण उपयोग।

जिम्मेदार उपयोग (Responsible Use) – डिजिटल उपकरणों का सुरक्षित और उचित प्रयोग।

जोखिम जागरूकता (Risk Awareness) – संभावित हानि को समझना।

विस्तार योग्य स्टार्टअप (Scalable Startup) – तीव्र वृद्धि के लिए निर्मित व्यवसाय।

सुरक्षित सहयोग (Secure Collaboration) – ऑनलाइन फाइलों का सुरक्षित आदान-प्रदान।

बाधा (Setback) – प्रगति को धीमा करने वाली कठिनाई।

स्लैक / ज़ूम / ट्रेलो (Slack / Zoom / Trello) – डिजिटल सहयोग उपकरण।

सामाजिक उद्यमिता (Social Entrepreneurship) – सामाजिक समस्याओं का समाधान करने वाला व्यवसाय।

सोलोप्रेन्योर (Solopreneur) – एकल व्यक्ति द्वारा संचालित व्यवसाय का स्वामी।

स्टार्टअप (Startup) – समस्या का समाधान करने हेतु प्रारंभ किया गया नया व्यवसाय।

स्टार्टअप इंडिया (Startup India) – स्टार्टअप को मान्यता और लाभ प्रदान करने वाली पहल।

स्टैंड-अप इंडिया (Stand-Up India) – महिलाओं तथा अनुसूचित जाति/जनजाति उद्यमियों हेतु ऋण योजना।

कथन कला (Storytelling) – ग्राहकों से जुड़ने के लिए कहानियों का उपयोग।

रणनीतिक चिंतन (Strategic Thinking) – दीर्घकालिक और सावधानीपूर्वक योजना बनाना।

समर्थन तंत्र (Support System) – विकास में सहायक लोग और साधन।

सततता (Sustainability) – संसाधनों का जिम्मेदार उपयोग।

स्वॉट विश्लेषण (SWOT Analysis) – शक्तियाँ, कमजोरियाँ, अवसर और चुनौतियाँ का विश्लेषण।

टैगलाइन (Tagline) – ब्रांड के वादे को व्यक्त करने वाली आकर्षक पंक्ति।

लक्षित समूह (Target Audience) – विशिष्ट ग्राहक वर्ग।

दल-कार्य (Teamwork) – सहयोगपूर्वक कार्य करना।

तकनीकी उद्यमिता (Technopreneurship) – तकनीक-आधारित उद्यमिता।

डिजिटल उपकरण (Digital Tool) – अधिगम हेतु ऑनलाइन मंच या साधन।

यूपीआई (UPI – Unified Payments Interface) – डिजिटल भुगतान प्रणाली।

मूल्य सृजन (Value Creation) – सार्थक लाभ प्रदान करना।

मूल्य (Values) – निर्णयों का मार्गदर्शन करने वाले सिद्धांत।

दृष्टि (Vision) – दीर्घकालिक स्वप्न या लक्ष्य।

कार्य नैतिकता (Work Ethics) – ईमानदारी और जिम्मेदारी जैसी कार्य आदतें।

एक्सएआई (XAI – Explainable AI) – ऐसी कृत्रिम बुद्धिमत्ता जिसके निर्णय मनुष्य समझ सकें।

शून्य निवेश मॉडल (Zero Investment Model) – न्यूनतम धन से उद्यम प्रारंभ करना।

जेरोधा (Zerodha) – शून्य ब्रोकरेज मॉडल के लिए प्रसिद्ध फिनटेक स्टार्टअप।

संदर्भ

1. **National Education Policy (NEP) 2020** – Ministry of Education, Government of India. https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/NEP_Final_English_0.pdf
2. **National Curriculum Framework for School Education (NCFSE) 2023** – NCERT. https://ncert.nic.in
3. **Startup & Entrepreneurship Resources**
   - Startup India Portal: https://www.startupindia.gov.in
   - Atal Innovation Mission (AIM), NITI Aayog: https://aim.gov.in
   - Invest India – Startup Ecosystem: https://www.investindia.gov.in/startup-india
   - Incubators & Mentorship: https://aim.gov.in/incubators.php
4. **Skill Development & 21st-Century Learning**
   - Skill India & Entrepreneurship Education: https://www.msde.gov.in
5. **Experiential & Activity-Based Learning**
   - NCERT Experiential Learning Modules: https://ncert.nic.in/textbook.php
   - Stanford d.school K12 Resources: https://dschool.stanford.edu/resources
6. **Digital Safety & AI for Sustainable BusinessCommon Sense**

   Education – Digital Citizenship Curriculum

   https://www.commonsense.org/education/digital-citizenship
   - Google Be Internet Awesome: https://beinternetawesome.withgoogle.com/en_us
7. **Business Finance & Investment**
   - Investopedia – ROI & TVM: https://www.investopedia.com
   - NCERT Business Studies / Economics – Financial Literacy: https://ncert.nic.in/textbook.php
   - Lenskart & BoAt – Startup Finance & Growth: https://www.lenskart.com/about-us | https://www.boat-lifestyle.com/pages/about-us
8. **Legal Compliance & Intellectual Property**
   - Ministry of Corporate Affairs – Startup Compliance & SPICe Form: https://www.mca.gov.in/mcafoportal/startup
   - LegalDesk – Agreements & SPICe Filing: https://legaldesk.com
   - IPR India & WIPO – Intellectual Property Rights Overview: https://ipindia.gov.in | https://www.wipo.int/about-ip/en/

9. **Case Studies & Entrepreneurial Examples**
    - Nike × Apple Collaboration: https://news.nike.com/
    - Startup Stories – Wakefit, OYO, Phool.co: https://yourstory.com
    - Tata Tea "Jaago Re" Campaign: https://www.adgully.com/tata-tea-jaago-re-the-story-behind-the-campaign-85564.html
10. **Open Learning Platforms**
    - Coursera Free Audit Courses: https://www.coursera.org
    - MIT OpenCourseWare (OCW): https://ocw.mit.edu
11. **Some more references:**

Analysing Customer Satisfaction and Loyalty in Online Eyewear Industry (Focus on Lenskart) case study Divyansh Singh Rana

Waraich, S. (2020). *Wakefit: Disrupting the Indian Mattress Market.* Dogo Rangsang Research Journal, Vol-10 Issue-09 No.-03, ISSN: 2347-7180.

Sabharwal, P. (2021). The Wonder Woman of Business: Vineeta Singh. Entrepreneur India.

Putra, A. Y. A. (2024). Case Study Paper: Airbnb Business Model Case. Ekonom Jurnal Ekonomi dan Bisnis. Retrieved from ResearchGate (free PDF).

boAt Case Study: Brand Journey, Growth & Strategy. (2025). DigitalCourseAI. Retrieved from digitalcourseai.in.

The Pleasures of Vegetarian Cooking by Tarla Dalal (1974)

Make Something Wonderful (Free e-Book) for stevejobs reference

अस्वीकरण

इस NEEEV (छात्र मैनुअल) में सभी कहानियाँ वास्तविक लोगों की घटनाओं से संबंधित हैं। कुछ मामलों में, समयरेखा या अन्य तत्व वास्तविक उद्यमियों के अनुभवों से थोड़े भिन्न हो सकते हैं। इन कहानियों और गतिविधियों का उद्देश्य उनके यात्रा के विशिष्ट पहलुओं को उजागर करना है, जिससे छात्र प्रेरित और उत्साहित हों। ये कहानियाँ केवल शैक्षिक उद्देश्यों के लिए चुनी गई हैं और किसी उद्यमी या उनके व्यवसाय का समर्थन या प्रचार नहीं समझी जानी चाहिए। राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (SCERT) किसी भी कानूनी मामले, उल्लंघन या विवादास्पद कार्य के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराई जा सकती। पाठ्यचर्या के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए, जानबूझकर सरल और संवादात्मक भाषा का प्रयोग किया गया है। पाठकों से अनुरोध है कि वे भाषा के मानक रूप से मेल खाने पर ध्यान न दें।

NEEEV – Multi-Peer Assessment Sheet / समूह मूल्यांकन तालिका

Entrepreneurship is a Journey / उद्यमिता एक यात्रा है

Name / नाम: _______________________________ Class / कक्षा: __________ Date / दिनांक: ___________

Rating Scale / रेटिंग पैमाना:

- **5 – Excellent (उत्कृष्ट):** Always contributes; a role model. / हमेशा योगदान देता है; एक आदर्श साथी।
- **4 – Very Good (बहुत अच्छा):** Consistent and highly engaged. / निरंतर और अत्यधिक जुड़ाव।
- **3 – Good (अच्छा):** Performs tasks well most of the time. / अधिकांश समय कार्यों को अच्छी तरह से करता है।
- **2 – Developing (विकासशील):** Needs more consistency or effort. / और अधिक निरंतरता या प्रयास की आवश्यकता है।
- **1 – Emerging (नवोदित):** Minimal contribution; needs guidance. / न्यूनतम योगदान; मार्गदर्शन की आवश्यकता है।

Assessment Table / मूल्यांकन तालिका

Rate your Peer on a scale of 1 to 5 for each category.

प्रत्येक श्रेणी के लिए अपने साथियों को 1 से 5 के पैमाने पर रेट करें।

Parameters / मापदंड	Peer Classmate A	Peer Classmate B
1. Responsibility & Contribution (On-time work, dependability) **जिम्मेदारी और योगदान (समय पर कार्य, विश्वसनीयता)**		
2. Teamwork &Behavior (Listening, cooperation, respect) **टीमवर्क और व्यवहार (सुनना, सहयोग, सम्मान)**		
3. Thinking & Effort (Ideas, problem-solving, curiosity) **सोच और प्रयास (विचार, समस्या-समाधान, जिज्ञासा)**		
4. Communication (Active participation, clear speaking) **संचार (सक्रिय भागीदारी, स्पष्ट बोलना)**		
5. Growth & Attitude (Accepting feedback, taking initiative) **विकास और दृष्टिकोण (फीडबैक स्वीकारना, पहल करना)**		
TOTAL SCORE / कुल अंक	**/25**	**/25**

Feedback / फ़ीडबैक

One strength or suggestion for peer / प्रत्येक साथी के लिए एक खूबी या सुधार का सुझाव:

- **Peer Classmate A**____
- **Peer Classmate B**____

Note to Students: Be fair, honest, and respectful. Feedback helps us grow together!

छात्रों के लिए नोट:निष्पक्ष, ईमानदार और सम्मानजनक रहें। फीडबैक हमें एक साथ बढ़ने में मदद करता है!

NEEEV – Self-Assessment Checklist / स्वयं मूल्यांकन चेकलिस्ट

Name / नाम: ________________________________ Class / कक्षा: ________ Date / दिनांक: ___________

Rating Scale / रेटिंग पैमाना:

5: Excellent (Always/नेतृत्व) | 4: Very Good (Consistent/निरंतर) | 3: Good (Mostly/अक्सर) | 2: Developing (Needs Practice/अभ्या सकी जरूरत) | 1: Emerging (Just Started/प्रारंभिक स्तर)

Pillars of Assessment / मूल्यांकन के स्तंभ	Description (English & Hindi) / विवरण	Score (1-5)
1. Responsibility जिम्मेदारी	Completing tasks on time and taking ownership of work. कार्यों को समय पर पूरा करना और काम की जिम्मेदारी लेना।	
2. Participation भागीदारी	Being active in discussions and staying attentive. चर्चाओं में सक्रिय भाग लेना और एकाग्र/सजग रहना।	
3. Teamwork टीमवर्क	Respecting peers, supporting teammates, and including everyone. साथियों का सम्मान करना, टीम का समर्थन करना और सबको साथ लेकरचलना।	
4. Problem-Solving समस्या समाधान	Sharing creative ideas and showing curiosity to find solutions. रचनात्मक विचार साझा करना और समाधान खोजने की जिज्ञासा दिखाना।	
5. Communication संचार	Expressing ideas clearly and listening respectfully to others. विचारों को स्पष्ट व्यक्त करना और दूसरों को सम्मान से सुनना।	
6. Leadership नेतृत्व	Volunteering for tasks and encouraging others to participate. कार्यों के लिए स्वयं पहल करना और दूसरों को प्रोत्साहित करना।	
7. Personal Growth व्यक्तिगत विकास	Learning from mistakes and accepting feedback positively. अपनी गलतियों से सीखना और फीडबैक को सकारात्मकरूप से स्वीकारना।	
TOTAL SCORE	Out of 35 / कुल अंक (35 में से)	/35

Reflection Questions / चिंतन प्रश्न

1. One skill I improved this year (एक कौशल जिसमें मैंने इस वर्ष सुधार किया)।______________________________

2. One challenge I overcame (एक चुनौती जिसका मैने सामना किया):__________________________________

3. One area I still want to improve (एक क्षेत्र जिसमें मैं अभी भी सुधार करना चाहता/चाहती हूँ):_________________

Student Signature / छात्र-छात्रा के हस्ताक्षर: ___________________________

सलाहकार

श्री पांडुरंग के. पोले, सचिव (शिक्षा), दिल्ली सरकार

सुश्री वेदिता रेड्डी, शिक्षा निदेशक, दिल्ली सरकार

डॉ. रीता शर्मा, निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली सरकार

मार्गदर्शन

डॉ. मुकेश यादव, सचिव, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

संपादक

डॉ. अमित मुखर्जी, निदेशक, ईस्ट कैंपस, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

डॉ. सपना यादव, सहायक प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, NEEEV, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

डॉ.समीर गोकर्ण, सहायक प्रोफेसर, नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दिल्ली

योगदानकर्ता

डॉ. सपना यादव, सहायक प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, NEEEV, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

डॉ.समीर गोकर्ण, सहायक प्रोफेसर, नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दिल्ली

श्री मनीष सोनकर, संस्थापक, ग्रीनसिज़ प्राइवेट लिमिटेड

सुश्री सरिता शर्मा, प्रवक्ता (राजनीति विज्ञान), राजकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,
ईस्ट गोकलपुर, लोनी रोड, दिल्ली

श्री विक्रम सिंह, प्र. स्ना. शि. (हिन्दी), सी.एम. श्री स्कूल, लांसर रोड, दिल्ली

सुश्री अंजली वर्मा, पी.जी.टी. (व्यवसाय अध्ययन), मॉडर्न पब्लिक स्कूल, शालीमार बाग, दिल्ली

सुश्री दिप्ती डेका, फ्रीलांसर

श्री किशन कुमार, सहायक प्रोफेसर, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

सुश्री मीनू गुप्ता, सहायक प्रोफेसर, एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

समीक्षा विशेषज्ञ

डॉ. दीपाली मल्होत्रा, सहायक प्रोफेसर, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

श्री जोगिंदर कुमार, प्रधानाचार्य, जी.सी.एस.वी., सेक्टर-21, रोहिणी, दिल्ली

अनुवादक समूह

डॉ. दीपक शर्मा, सह-निदेशक, दिल्ली विश्वविद्यालय

डॉ अम्बरीष उपाध्याय , प्रवक्ता, राजनीति विज्ञान,पं. मदन मोहन मालवीय राजकीय सर्वोदय विद्यालय,
ब्रह्मपुरी, दिल्ली

श्री पवन कुमार प्र. स्ना. शि. (हिंदी) राजकीय सह-शिक्षा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,
साइट–II, सेक्टर–3, द्वारका, नई दिल्ली

एस.सी.ई.आर.टी.–NEEEV टीम

श्री फिरदौस अहमद, बी.आर.पी., एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

सुश्री सोनम यादव, बी.आर.पी., एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

प्रकाशन टीम

श्री दिनेश कुमार शर्मा, ए.एस.ओ., एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

सुश्री फ़ौज़िया, बी.आर.पी., एस.सी.ई.आर.टी., दिल्ली

टिप्पणियाँ

टिप्पणियाँ

ISBN No : 978-93-6291-184-1

स्वाध्यायान्मा प्रमदः

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद

वरूण मार्ग, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली-110024

उद्यमिता परिवेश एवं दृष्टिकोण का नवीन युग (NEEEV)

विद्यार्थी निर्देशिका 2026–27

कक्षा–12